सूर्योदय दि. 11-08-2020
दिल्ली स्टै. टा.
सूर्यास्त दि.30-17/33 दि.5 -17/37

अधिकतम तापमान 31.1°
न्यूनतम तापमान 34.1°

राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक
RNI No.DELHIN/2015/66886

ओपन सर्च

E-mail | opensearchdelhi@gmail.com
Facebook | https://www.facebook.com/opensearch.co.in
Website | www.opensearch.co.in

16 कलाओं के अवतार है... पृष्ठ-8

वर्ष : 05 | अंक : 247 | नई दिल्ली, मंगलवार, 11 अगस्त-2020 | ₹ मूल्य : 02 रूपए | पृष्ठ : 08

एक नज़र

पूर्व राष्ट्रपति प्रणब मुखर्जी कोरोना वायरस से संक्रमित

नयी दिल्ली। पूर्व राष्ट्रपति प्रणब मुखर्जी ने सोमवार को बताया कि जांच में उनके कोरोना वायरस से संक्रमित होने की पुष्टि हुई है। उन्होंने ट्वीट किया,'' अन्य कारणों से अस्पताल गया था जहां पर आज कोविड-19 जांच में संक्रमित होने की पुष्टि हुई।'' मुखर्जी ने ट्वीट में कहा कि मैं अनुरोध करता हूं कि जो लोग भी गत एक हफ्ते में मेरे संपर्क में आए हैं, वे खुद पृथक-वास में चले जाएं और अपनी कोविड-19 जांच कराएं। पूर्व राष्ट्रपति प्रणब मुखर्जी के कोरोना की चपेट में आने के बाद दुआओं का दौर शुरू हो चुका है। बता दें कि दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने प्रणब मुखर्जी के ट्वीट को रिट्वीट करते हुए लिखा कि कृपया ध्यान रखें सर। हम आपके शीघ्र स्वस्थ होने और अच्छे स्वास्थ्य के लिए प्रार्थना कर रहे हैं।

रेल कर्मचारियों की भर्ती के लिए कोई निजी एजेंसी अधिकृत नहीं : रेलवे

नई दिल्ली.एजेंसी। रेल मंत्रालय ने भारतीय रेलवे में नौकरी के इच्छुक अभ्यर्थियों को फर्जी विज्ञापनों से सावधान रहने की सलाह देते हुए स्पष्ट किया है कि भर्ती के लिए किसी भी निजी एजेंसी को अधिकृत नहीं किया गया है। इसी के साथ रेल मंत्रालय ने एक राष्ट्रीय समाचार पत्र में प्रकाशित भर्ती के विज्ञापन को फर्जी करार दिया है। इस विज्ञापन की पेपर कटिंग सोशल मीडिया पर वायरल हो रही है। रेलवे ने मामले पर संज्ञान लेते हुए स्पष्टीकरण जारी किया है कि 8 अगस्त को अवेस्ट्रान इन्फोटेक के माध्यम से भारतीय रेल में आठ श्रेणियों में 5285 पदों की कथित भर्ती के विज्ञापन का समाचार फर्जी है। रेलवे ने कहा है कि रेल मंत्रालय के ध्यान में आया है कि 'अवेस्ट्रान इन्फोटेक' के नाम से एक संगठन डब्लूडब्लूडब्लू डॉट अवेस्ट्रान डॉट ईन वेबसाइट के पते पर 8 अगस्त 2020 को एक प्रमुख समाचार पत्र में एक विज्ञापन दिया है।

भूषण, तेजपाल के खिलाफ 2009 के अवमानना मामले में और सुनवाई की जरूरत है : न्यायालय

नई दिल्ली। उच्चतम न्यायालय ने सोमवार को कहा कि कार्यकर्ता-अधिवक्ता प्रशांत भूषण और पत्रकार तरुण तेजपाल के खिलाफ 2009 के आपराधिक अवमानना मामले में और सुनवाई की जरूरत है। न्यायमूर्ति अरुण मिश्रा की अगुवाई वाली एक पीठ ने कहा कि वह मामले को सुनेगा और यह देखेगा कि न्यायाधीशों के बारे में भ्रष्टाचार पर टिप्पणी असल में अवमानना है या नहीं। पीठ जिसमें न्यायमूर्ति बी आर गवई और न्यायमूर्ति कृष्ण मुरारी भी शामिल हैं, ने इस मामले में अगली सुनवाई 17 अगस्त को तय की है। शीर्ष अदालत ने नवंबर 2009 में एक समाचार पत्रिका के साक्षात्कार में शीर्ष अदालत के कुछ मौजूदा एवं पूर्व न्यायाधीशों पर कथित तौर पर आक्षेप लगाने के लिए भूषण और तेजपाल को अवमानना नोटिस जारी किया था।

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की लोकप्रियता अब भी कायम

कोरोना काल में सरकार द्वारा उठाये कदमों पर लोगों ने जताया संतोष

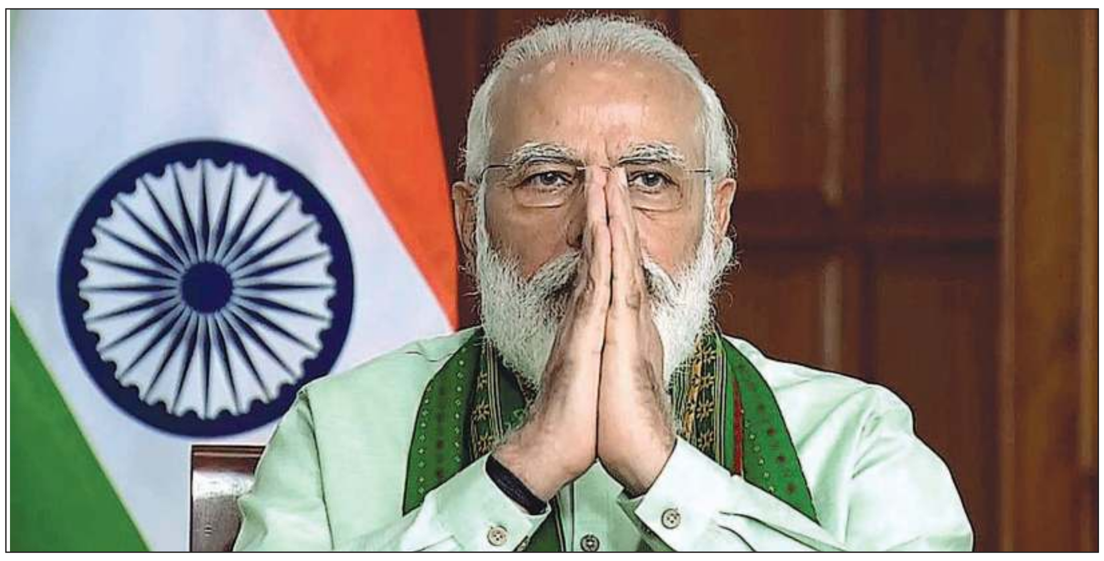

नयी दिल्ली.एजेंसी

ग्रामीण भारत की बड़ी आबादी देश में कोविड-19 महामारी से लड़ने के लिए केंद्र की नरेंद्र मोदी सरकार और राज्य सरकारों द्वारा उठाये गये कदमों से संतुष्ट है। हालांकि लोगों ने बहुत कठिनाइयों का भी सामना किया और कुछ तो अपनी जमीन, फोन और घड़ियां बेचने तथा पड़ोसियों से कर्ज लेने को भी मजबूर हुए। एक राष्ट्रीय स्तर के सर्वेक्षण में यह खुलासा किया गया है। मीडिया संस्था 'गांव कनेक्शन' द्वारा ग्रामीण भारत में किये गये राष्ट्रीय स्तर के सर्वेक्षण के अनुसार लॉकडाउन के दौरान मोदी सरकार द्वारा लिए गए निर्णयों का समर्थन करने वालों में से 37 प्रतिशत ने कहा कि वे सरकार के काम से 'बहुत संतुष्ट' हैं, जबकि 37 प्रतिशत ने कहा कि वे केंद्र सरकार के कामकाज से 'कुछ हद तक संतुष्ट' हैं। कुल मिलाकर 74 प्रतिशत लोगों ने केंद्र सरकार के कामकाज से संतोष जताया। सर्वे के अनुसार 78 प्रतिशत ग्रामीणों ने कहा कि वे अपनी-अपनी राज्य सरकारों के कामकाज से भी संतुष्ट हैं। 'गांव कनेक्शन' ने सोमवार को सर्वे रिपोर्ट जारी की और बताया कि 30 मई से 16 जुलाई, 2020 के बीच हुए इस सर्वे में कुल 25,371 प्रतिभागियों का साक्षात्कार किया गया। उसके अनुसार सभी प्रतिभागी अपने अपने घरों के प्रमुख कमाने वाले थे, इस तरह यह सर्वे पुरुष प्रधान रहा और लगभग 80 प्रतिशत उत्तरदाता पुरुष ही थे। हालांकि इसमें 20 फीसदी महिलाओं ने भी हिस्सा लिया। नयी दिल्ली स्थित सेंटर फॉर स्टडी ऑफ डवलपिंग सोसाइटीज (सीएसडीएस) में लोकनीति-सीएसडीएस की टीम ने सर्वेक्षण की रूपरेखा तैयार की और इसका विश्लेषण किया। सीएसडीएस के प्रोफेसर संजय कुमार ने कहा, ''सर्वे की विविधता, व्यापकता और इसके सैंपल साइज के आधार पर मैं निश्चित रूप से कह सकता हूं कि यह अपनी तरह का पहला व्यापक सर्वे है, जो ग्रामीण भारत पर लॉकडाउन से पड़े प्रभाव पर फोकस करता है।

मोदी ने मुख्यमंत्रियों के साथ बाढ की स्थिति की समीक्षा की

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने असम, बिहार, उत्तर प्रदेश, महाराष्ट्र, कर्नाटक और केरल के मुख्यमंत्रियों के साथ आज वीडियो कॉन्फ्रेंस से बैठक कर देश में दक्षिण-पश्चिम मानसून के साथ-साथ बाढ़ की मौजूदा स्थिति की समीक्षा की। बैठक में रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ,केन्द्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्री डा हर्षवर्धन , दोनों गृह राज्य मंत्रियों और संबंधित केन्द्रीय मंत्रालयों एवं विभिन्न एजेन्सियों के वरिष्ठ अधिकारियों ने भाग लिया। प्रधानमंत्री ने बाढ़ के पूर्वानुमान के लिए स्थायी प्रणाली स्थापित करने और पूर्वानुमान एवं चेतावनी प्रणाली बेहतर करने , अभिनव प्रौद्योगिकियों के व्यापक उपयोग के लिए सभी केन्द्रीय एवं राज्य एजेंसियों के बीच और अधिक समन्वय सुनिश्चित करने पर विशेष जोर दिया। उन्होंने कहा कि पिछले कुछ वर्षों में पूर्वानुमान एजेंसियां मौसम विभाग और केन्द्रीय जल आयोग बेहतर एवं अधिक उपयोगी बाढ़ पूर्वानुमान के लिए ठोस प्रयास करते रहे हैं। एजेन्सी न केवल वर्षा एवं नदी स्तरीय पूर्वानुमान, बल्कि बाढ़ के विशिष्ट स्थान संबंधी पूर्वानुमान लगाने के लिए भी प्रयास कर रही हैं।

opensearch

पीएम ने अंडमान निकोबार के लिए पहली आप्टिकल फाइबर केबल परियोजना का किया उद्घाटन

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने सोमवार को चेन्नई से लेकर अंडमान और निकोबार द्वीप के लिये पहली आप्टिकल फाइबर केबल परियोजना का उद्घाटन किया।यह केबल समुद्र के भीतर बिछाई गई है। इससे इस संघ शासित प्रदेश को तीव्र गति की ब्रांडबैंड संचार सुविधायें उपलब्ध होगी। इस आप्टिकल फाइबर की संचार सुविधा के कायम होने के बाद यह द्वीपसमूह भी भारत की मुख्य भूमि के अनुरूप बेहतर संचार सेवायें प्राप्त करने लग गया है। प्रधानमंत्री ने वीडियो कन्फ्रेंस के जरिये सोमवार को इस 2,312 किलोमीटर की सबमैरीन आप्टिकल फाइबर केबल परियोजना का उद्घाटन किया। परियोजना पर काम 30 दिसंबर 2018 को शुरू किया गया था।

ईआईए पर विपक्ष का रवैया ठीक नहीं : प्रकाश जावडेकर

नयी दिल्ली.एजेंसी। पर्यावरण प्रभाव आकलन (ईआईए) नियमों में संशोधन के प्रारूप पर विपक्ष की आलोचनाओं के बीच पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्री प्रकाश जावडेकर ने आज कहा कि अभी संशोधन का अंतिम मसौदा तैयार नहीं हुआ है और इसलिए इसको लेकर आंदोलन का विपक्ष का रवैया ठीक नहीं है। श्री जावडेकर ने यहाँ एक कार्यक्रम से इतर संवाददाताओं से कहा कुछ लोग इतने उतावले हो गये हैं कि उन्होंने अभी आंदोलन करने का आह्वान कर दिया है।

अभी तो यह प्रारूप है। अभी ये जो सुझाव आये हैं। उन पर विचार होगा। उसके बाद अंतिम मसौदा तैयार होगा। किसी को कुछ प्रतिक्रिया भी देनी है तो तब देना उचित है। दूसरा कुछ कार्यक्रम नहीं है तो चलो यहाँ आंदोलन करो, इस तरह का रवैया अच्छा नहीं है। ईआईए नियमों में प्रस्तावित बदलावों की पर्यावरणविदों के साथ ही मुख्य विपक्षी दल कांग्रेस भी जमकर आलोचना कर रही है। पूर्व पर्यावरण मंत्री एवं वरिष्ठ कांग्रेस नेता जयराम रमेश दो बार श्री जावडेकर को इस संबंध में पत्र लिखकर अपनी आपत्ति जता चुके हैं। कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गाँधी ने भी रविवार को इस पर सरकार को आड़े हाथों लिया था। विपक्ष का आरोप है कि सरकार पूँजीपतियों को फायदा पहुँचाने के लिए पर्यावरण मंजूरी संबंधी नियमों में ढील देकर पर्यावरण से खिलवाड़ कर रही है। केंद्रीय मंत्री ने कहा कि उन्होंने श्री रमेश के पत्र का विस्तारपूर्वक उत्तर दिया है।

देश में कोरोना के संक्रमण से एक दिन में 1007 लोगों की मौत

नयी दिल्ली.एजेंसी।

देश में एक दिन में कोरोना वायरस (कोविड-19) के संक्रमण से 1007 लोगों की मौत हो गयी जिसमें महाराष्ट्र, तमिलनाडु और कर्नाटक राज्यों में सबसे अधिक मौत हुई है। तीन राज्यों महाराष्ट्र, तमिलनाडु और कर्नाटक में पिछले 24 घंटों के दौरान क्रमशः 390, 119 और 107 लोगों की कोरोना के संक्रमण से जान चली गयी है। महाराष्ट्र में जहां अब तक 351,710 मरीज स्वस्थ हो गए हैं वहीं तमिलनाडु में 238,638 मरीज इस महामारी से उबर गये हैं जबकि आंध्र प्रदेश और दिल्ली से कोरोना के कुल क्रमशः 138,712 और 130,587 मरीज स्वस्थ हुए हैं। देशभर में अब तक 15,35,743 लोग संक्रमणमुक्त हुए हैं। केन्द्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय की ओर से सोमवार को जारी आंकड़ों के मुताबिक पहली बार एक दिन में सर्वाधिक 62,063 संक्रमण के मामले आने से इनकी संख्या 22,15,074 हो गयी है। पिछले 24 घंटों के दौरान 1007 लोगों की मौत होने से मृतकों की संख्या 44,386 पर पहुंच गयी है।

अवमानना मामला : भूषण का स्पष्टीकरण नामंजूर,सुनवाई जारी

नयी दिल्ली.एजेंसी।

उच्चतम न्यायालय ने 11 साल पुराने अवमानना मामले में जाने माने वकील प्रशांत भूषण का स्पष्टीकरण नामंजूर करते हुए गुण-दोष के आधार पर सुनवाई करने का सोमवार को निर्णय लिया। इसके साथ ही, श्री भूषण के खिलाफ अदालत की अवमानना का मामला जारी रहेगा। अब इस मामले की सुनवाई 17 अगस्त को होगी। न्यायमूर्ति अरुण मिश्रा, न्यायमूर्ति बी आर गवई और न्यायमूर्ति कृष्ण मुरारी की खंडपीठ ने अपने आदेश में कहा, हमें इस बात को (कानून की कसौटी पर) परखने की जरूरत है कि श्री भूषण का भ्रष्टाचार को लेकर दिया गया बयान अदालत की अवमानना का मामला बनता है या नहीं? इस प्रकार इस मामले की सुनवाई करना जरूरी है। न्यायालय ने मामले की अगली सुनवाई के लिए 17 अगस्त की तारीख मुकर्रर की।

श्री भूषण ने अदालत कक्ष में फिर से परम्परागत तरीके से सुनवाई शुरू होने के बाद मामले को सूचीबद्ध करने का अनुरोध किया, लेकिन इसे ठुकरा दिया गया। श्री भूषण के पिता एवं पूर्व कानून मंत्री शांति भूषण ने न्यायालय से अपनी बातें रखने की इजाजत मांगी, लेकिन न्यायमूर्ति मिश्रा ने कहा कि वह 17 अगस्त को सुनवाई के दौरान उन्हें अपनी बात रखने का मौका देंगे।

राहुल गांधी से मिले पायलट, बोले-अशोक गहलोत के खिलाफ हूं, कांग्रेस के नहीं

- राहुल गांधी से मिले सचिन पायलट, बैठक में प्रियंका गांधी भी रहीं मौजूद
- पायलट ने राहुल से कहा- कांग्रेस के खिलाफ कुछ भी नहीं किया है
- पायलट बोले- मैं अशोक गहलोत के खिलाफ हूं, कांग्रेस के नहीं

जयपुर.एजेंसी

राजस्थान में चल रहे सियासी संकट के बीच सोमवार को कांग्रेस के 'बागी' सचिन पायलट ने AICC के वरिष्ठ नेताओं से मुलाकात की। सचिन पायलट ने कांग्रेस के पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष राहुल गांधी के साथ मुलाकात की। राहुल गांधी के साथ हुई पायलट की इस बैठक में प्रियंका गांधी भी मौजूद थीं। सूत्रों के मुताबिक, पायलट ने बैठक में राहुल गांधी को उन परिस्थितियों के बारे में बताया, जिनके चलते उन्होंने 'बगावत' करने का निर्णय लिया। सूत्रों के मुताबिक, सचिन पायलट ने राहुल गांधी से कहा कि उन्होंने कांग्रेस के खिलाफ कुछ भी नहीं किया है। वह अशोक गहलोत के खिलाफ हैं, कांग्रेस के नहीं। इस बीच खबर ये भी आ रही है कि कांग्रेस की राष्ट्रीय अध्यक्ष सोनिया गांधी आज सीएम गहलोत से बात करने वाली हैं। दिल्ली में राहुल गांधी और सचिन पायलट के बीच हुई इस मुलाकात में सचिन पायलट ने अपनी बात रही। सूत्रों के मुताबिक, सचिन पायलट ने राहुल गांधी से कहा कि वो पहले से कहते आएं हैं कि उन्होंने कांग्रेस नहीं छोड़ी है, पार्टी ने उनकी नाराजगी नहीं है, जो विरोध है वो मुख्यमंत्री अशोक गहलोत को लेकर है।

पायलट और उनके विधायकों की कांग्रेस में वापसी तय!

सूत्रों के मुताबिक, सचिन पायलट की शिकायतों को सुनने के बाद राहुल गांधी ने फैसला लिया गया है कि वे कांग्रेस के वरिष्ठ नेताओं से मिलेंगे और मुद्दों को सुलझाने के लिए कमिटी बनाई जाएगी। पायलट कैंप को कई विधायकों को मनाने में भी पार्टी कामयाब रही है। इसके साथ ही पायलट और उनके समर्थित 18 कांग्रेसी विधायकों की पार्टी में वापसी की अटकलें तेज हो गई हैं। बताया जा रहा है कि पायलट सशर्त पार्टी में अपनी शर्तों पर वापसी कर रहे हैं।

संक्षिप्त समाचार

राउत, आदित्य ठाकरे का नारको टेस्ट करे सीबीआई : भाजपा

पटना। बिहार भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने मुंबई के मेयर की सीबीआई को धमकी देने की निंदा करते हुए कहा कि सुशांत सिंह राजपूत के कथित आत्महत्या मामले में शिवसेना का दामन भी दागदार है। ऐसे में सच को सामने लाने के लिए सीबीआई को शिवसेना नेता संजय राउत और आदित्य ठाकरे का नारको टेस्ट करना चाहिए। बिहार भाजपा प्रवक्ता डॉ निखिल आनंद ने मुम्बई की मेयर द्वारा सीबीआई को धमकी देकर पहुंचते ही क्वारंटाइन करने की चेतावनी देने को निंदनीय करार देते हुए कहा कि इससे स्पष्ट हो गया है कि बीएमसी ने महाराष्ट्र सरकार के इशारे पर ही बिहार के आईपीएस विनय तिवारी को क्वारंटाइन किया गया था। निखिल ने आरोप लगाया कि रिया के साथ मिलकर संजय राउत सुशांत की 'सलेक्टीव फैमिली डिटेल' को सार्वजनिक कर रहे हैं जिससे कि मामले को दूसरा मोड़ दिया जा सके। शक होता है कि शिवसेना के घनिष्ठ संबंध आरोपियों के साथ हैं। इन सब कारणों से सीबीआई से गुजारिश है कि संजय राउत और आदित्य ठाकरे का नारको एनालिसिस टेस्ट कराये, जिससे सारे रहस्य से परदा उठ सके।

बारिश के बीच गिरा मकान, एक ही परिवार के तीन की मौत

गोधरा। गुजरात में पंचमहाल जिले के जांबुघोडा क्षेत्र में सोमवार को बारिश के बीच मकान गिरने से एक ही परिवार की एक महिला समेत तीन लोगों की मौत हो गयी तथा एक अन्य घायल हो गया। पुलिस ने बताया कि कणजीपाणी गांव में रात से ही भारी बारिश हो रही थी, इस बीच आज सुबह इंदिरा आवास योजना इलाके में अचानक मकान की दीवार ढह गयी जिससे उसमें सो रहे तीन लोगों की मलबे में दब जाने से मौत हो गयी तथा एक अन्य घायल हो गया। मृतकों की पहचान रडताभाई ब. बारिया (38), उनकी माता डायलीबेन (70) और उनके पुत्र विष्णुभाई (6) के रूप में हुयी है। इस दौरान उनका भाई रमेश घायल हो गया। उसे अस्पताल में भर्ती कराया गया है। पुलिस ने मौके पर पहुंच कर आवश्यक कार्रवाई शुरू कर दी है।

बरेली की सेंट्रल जेल और जिला जेल में 56 कैदी कोरोना पॉजिटिव

बरेली। उत्तर प्रदेश के बरेली सेंट्रल जेल और जिला जेल में 5 6 कैदी कोरोना पॉजिटिव मिले हैं। इसके अलावा रविवार देर रात सेना के जवानों और स्वास्थ्य कर्मियों समेत 198 लोगों की रिपोर्ट पॉजिटिव आई है. अब जिले में सक्रिय संक्रमित 3773 हैं,जबकि 1108 लोग स्वस्थ हो चुके है। जिले में अब तक कोरोना से 98 लोगों की मौत हो चुकी है। जिला सर्विलांस अधिकारी ,एसीएमओ डॉक्टर अशोक कुमार ने बताया कि सेंट्रल जेल के 51 कैदियों और जिला जेल के 5 कैदियों की कोरोना पॉजिटिव रिपोर्ट आयी है। सेंट्रल जेल में 3 दिन पूर्व कैदी की कोरोना से मौत के बाद रविवार को जांच कराई गई थी. वहीं जिला जेल में संक्रमित पाए जाने के चलते वहां भी जांच हुई थी। डॉक्टर अशोक कुमार ने बताया कि एसपी देहात के कार्यालय में तैनात दो पुलिसकर्मियों की रिपोर्ट पॉजिटिव आई ,इसके अलावा खुफिया विभाग में भी एक कर्मचारी में संक्रमण की पुष्टि हुई। इसके अलावा पुलिस लाइन में एक जवान की रिपोर्ट पॉजिटिव आई है। डॉ अशोक ने बताया कि दो कोरोना पॉजिटिव मरीजों की मृत्यु के बाद शव परिजनों को दिए गए थे लेकिन परिजनों ने शिकायत की कि शव बदले हुए है।

श्रीकृष्ण की ससुराल कुंडिनपुर को नहीं मिला पौराणिक महत्व

औरैया। उत्तर प्रदेश का औरैया जिला जहां क्रांतिकारियों की भूमि के नाम से इतिहास में दर्ज है वही पौराणिक धरोहरों के साथ जिले के गांव कुदरकोट (पूर्व में कुंडिनपुर) का नाम भी इतिहास के पन्नो में दर्ज है। मान्यता है कि यहां भगवान श्रीकृष्ण की ससुराल है । यहां भगवान श्रीकृष्ण द्वारा रुकमिणी के हरण करने के प्रमाण भी मिलते हैं। भागवत पुराण में उल्लेख है कि कुंदनपुर में पांडु नदी पार करके भगवान कृष्ण रुकमिणी का हरण कर ले गए थे और द्वारका ले जाकर विवाह कर उन्हें अपनी रानी बनाया था। इसके अलावा देवी के अदृश्य होने का भी तथ्य भागवत पुराण में मिलता है। कुदरकोट में अलोपा देवी का मंदिर भी है। हालांकि भगवान श्रीकृष्ण की ससुराल को लेकर लोगों के अलग-अलग तर्क भी हैं। तर्क है कि कुंडिनपुर जिसका अपभ्रंस कुंदनपुर का नाम बाद में कुदरकोट पड़ा है। भगवान कृष्ण की ससुराल होने के बाद भी आज तक न कुदरकोट का न तो विकास हो सका है और न ही इस स्थल को पौराणिक महत्व मिल सका है।

सोपोर में दो ओजीडब्ल्यू गिरफ्तार, हथियार गोलाबारूद बरामद

बारामूला। उत्तर कश्मीर के बारामूला जिले के सोपोर शहर में पुलिस ने आंतकवादियों के लिए काम करने वाले (ओजीडब्ल्यू) दो आरोपियों को गिरफ्तार कर उनके पास से हथियार और गोला बारूद बरामद किया है। पुलिस प्रवक्ता ने सोमवार को बताया कि जम्मू कश्मीर पुलिस की विशेष अभियान सूमह (एसओजी) और केन्द्रीय रिजर्व पुलिस बल तथा राष्ट्रीय राइफल्स द्वारा सोपोर के दारपोरा बोमई में एक संयुक्त जांच चौकी स्थापित किया गया। जांच के दौरान एक आतंकवादी संगठन के लिए काम करने वाले दो लोगों की पहचान अशफाक अहमद मीर और मोहम्मद सफी भट के रूप में हुई और दोनों को गिरफ्तार कर लिया गया। उन्होंने कहा कि आरापियों के पास से एक हैंड ग्रेनेड और 20 राउंड गोली समेत हथियार और गोलाबारूद बरामद किए गए। पुलिस ने दोनों के खिलाफ मामला दर्ज कर लिया और आगे की जांच की जा रही है।

नीम पर चढ़ी गिलोय युक्त काढ़ा के निरन्तर सेवन से कोरोना की संभावना कम

मऊ। वैश्विक महामारी कोरोना कोविड-19 चलते पूरा विश्व महामारी की चपेट में आ चुका है। किसी एक कारण को लेकर पूरे विश्व में भय व दहशत का माहौल ही नहीं बल्कि तालाबंदी चल रही हो, संभवत यह भारत ही नहीं बल्कि विश्व के लिए पहला अवसर है। ऐसे में यह सिद्ध हो गया है कि यदि हम प्राचीन काल से चली आ रही आयुर्वेद को अपनी दिनचर्या में नियमित रूप से शामिल कर ले तो कोरोना संक्रमित होने की उम्मीद कम ही नहीं बल्कि समाप्त हो सकती है। यह बातें केवल कही नहीं बल्कि मऊ जनपद में सिद्ध भी हो चुका है। गौरतलब हो कि गत दिनों जनपद के मुख्य विकास अधिकारी रामसिंह वर्मा के चार कर्मचारी कोरोना पॉजिटिव संक्रमित पाए गए। जिनमें उनके एक रसोईया व ड्राइवर भी शामिल रहे। ड्राइवर व रसोईया सहित चार कर्मचारियों की कोरोना पॉजिटिव पाए जाने की खबर के बाद सीडीओ आवास पर हड़कंप मच गया।

नई जनशक्ति सामाजिक संस्था व अखिल भारतीय जेटीबीएस संघ के महासचिव जमील अहमद ने दिल्ली मंडल के अध्यक्ष रामनिवास बघेल के अच्छे कार्यों के लिए शॉल उड़ाकर सम्मानित किया इस उपलक्ष पर राजेश गुप्ता अध्यक्ष निजामुद्दीन और प्रमोद तोमर उपस्थित थे।

राउत के बयान को लेकर मानहानि का मामला दर्ज कराएंगे सुशांत के परिजन

पटना/एजेंसी। शिवसेना के नेता संजय राउत के सुशांत सिंह राजपूत के पिता के. के. सिंह के दो विवाह करने के आरोपों का सुशांत के परिजन ने ना केवल खंडन किया है बल्कि वे अब इस बयान को लेकर मानहानि का मामला दर्ज भी कराने की बात कही है। सुशांत के चचेरे भाई और भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के विधायक नीरज कुमार बबलू ने बातचीत में कहा कि संजय राउत 'डिस्टर्ब' हो गए हैं। उन्होंने राउत के बयान पर कहा, 'उन्हें हर चीज में राजनीति नजर आ रही है। यह एक संवेदनशील मामला है। उन्हें सोच-समझकर बयान देना चाहिए।' उन्होंने कहा कि जिनके देश में करोड़ों प्रशंसक हों और उनके पिता जी के खिलाफ ऐसा कहना काफी शर्मनाक है। राउत को इस बयान के लिए माफी मांगनी चाहिए। उन्होंने कहा, 'ऐसे बयान से मेरे परिवार का अपमान हुआ है। इससे परिवार के मान सम्मान पर आघात हुआ है। इस कारण इसे लेकर अदालत में मानहानि का मुकदमा दर्ज किया जाएगा।' राउत ने रविवार को मुंबई में संदेह जताते हुए पूरे मामले को सुनियोजित बताया था। बिहार पुलिस पर निशाना साधते हुए राउत ने कहा कि यह अनावश्यक रूप से इस मामले में कूदी है। अभिनेता ने जो

कुछ हासिल किया वह मुंबई के कारण था। राउत ने कहा, 'सुशांत और उनके पिता कृष्ण किशोर सिंह के बीच सौहार्दपूर्ण संबंध नहीं थे, क्योंकि वह पुनर्विवाह (पिता के) फैसले से परेशान थे। उन्हें बिहार पुलिस में एफआईआर दर्ज करने के लिए उकसाया गया था, जो मुंबई में एक घटना की जांच करने आई थी।'

कोरोनावायरस से एक सैनिक की तरह लड़ें : अमरिंदर सिह

चंडीगढ़। पंजाब के मुख्यमंत्री अमरिंदर सिंह ने राज्य के लोगों से अपील की कि वे एक सैनिक की तरह कोरोनोवायरस महामारी से लड़ें और मजबूत मनोबल के साथ उससे संघर्ष करें। उन्होंने अपने ट्वीट में कहा, 'अपने सेना के दिनों में मैंने एक बहुत ही महत्वपूर्ण सबक सीखा था कि जब हम एक साथ लड़ते हैं तो हमें लड़ाई की थकान नहीं होती है। उन्होंने आगे कहा, 'मैं सभी पंजाबियों से आग्रह करता हूं कि वे कोविड -19 के खिलाफ एक साथ आएं, क्योंकि यह एक लंबी लड़ाई है और हमें एक-दूसरे को प्रेरित करने की जरूरत है और महत्वपूर्ण बात यह है कि अपना मनोबल बनाए रखें।

मुख्यमंत्री के निर्देश पर राज्य के चिकित्सा शिक्षा और अनुसंधान विभाग ने अगामी महीने से हर दिन 4,000 टेस्ट की क्षमता को बढ़ाने के लिए चार नए कोविड -19 वायरल टेस्टिंग लैब की स्थापना की है, ताकि हर लैब प्रति दिन 1,000 टेस्ट करने में सक्षम हो। एक आधिकारिक प्रवक्ता ने बताया कि इसके अलावा, पटियाला, अमृतसर और फरीदकोट शहरों के तीन मेडिकल कॉलेजों में कल वायरल परीक्षण क्षमता 1 अगस्त तक प्रति दिन 5,000 टेस्ट तक बढ़ाई जाएगी।

बिहार में 75 हजार से अधिक सैंपलों की जांच में 3021 नए पॉजिटिव मामले, कुल संक्रमित 82 हजार के पार

पटना/एजेंसी। बिहार में दो दिनों तक करीब चार हजार कोरोना पॉजिटिव के मिलने के बाद सोमवार को थोड़ी राहत मिली है। आज स्वास्थ्य विभाग की ओर से जारी रिपोर्ट में 75346 सैंपलों की जांच में 3021 नए संक्रमित मिले हैं। राज्य में कोरोना के कुल मामले 82,741 हो गए हैं। पटना में आज 402 नए मामले सामने आए हैं। जबकि कल 781 कोरोना पॉजिटिव थे। एक दिन पहले राज्य में 3934 नए संक्रमित मिले थे। 24 घंटे में 2824 कोरोना को मात देकर स्वस्थ हो गए हैं। बिहार में अबतक 54139 मरीज कोरोना निगेटिव हो चुके हैं। राज्य में मरीजों के ठीक होने की दर 65.43 प्रतिशत पर आ गई है। वर्तमान में 28151 कोरोना के एक्टिव मरीज हैं। जिनका इलाज चल रहा है। आज जारी रिपोर्ट में

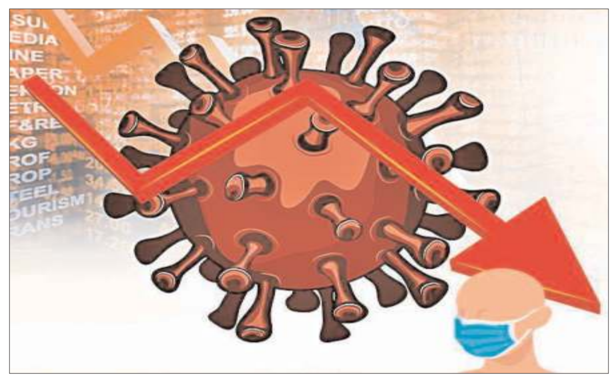

पटना से सबसे अधिक 402, बेगूसराय में 171, बक्सर से 169, वैशाली से 149, पूर्वी चंपारण से 141, समस्तीपुर से 116, मुजफ्फरपुर से 114, सारण से 113 और पश्चिम चंपारण से 108 कोरोना पॉजिटिव मिले हैं। बिहार की राजधानी पटना में अबतक कोरोना के सबसे अधिक मामले सामने आ चुके हैं। यहां अबतक 13,890 कोरोना संक्रमित हो चुके हैं। रविवार को कोरोना से 17 लोगों ने जान गंवा दी थी।

आज अबतक तीन की मौत हो चुकी है। कोविड अस्पताल एनएमसीएच में इलाजरत पटना के एक समेत तीन कोरोना पॉजिटिव मरीज की सोमवार को मौत हो गई। नोडल पदाधिकारी डॉ. मुकुल कुमार सिंह ने बताया कि पटना के बाकरगंज निवासी 76 वर्षीय कोरोना पॉजिटिव आठ अगस्त को भर्ती हुए थे। इलाज के दौरान नौ अगस्त को हृदय गति रुकने से मौत हो गयी। बिहार की राजधानी पटना में अबतक कोरोना के सबसे अधिक मामले सामने आ चुके हैं।

यहां अबतक 13,890 कोरोना संक्रमित हो चुके हैं। रविवार को कोरोना से 17 लोगों ने जान गंवा दी थी। उन्होंने बताया कि हाजीपुर के महनार निवासी 38 वर्षीय युवक को सांस लेने में परेशानी थी। यह भी आठ अगस्त हो भर्ती हुए थे और अगले ही दिन कोरोना से इनकी जान चली गई। सुपौल के राघोपुर निवासी 74 वर्षीय वृद्ध दमा, टीबी और हाइपरटेंशन के शिकार थे। ये 30 जुलाई को भर्ती हुए थे। इलाज के दौरान इन्होंने दम तोड़ दिया।

इस्कॉन बैंगलोर में इस बार की जन्माष्टमी वर्चुअली मनाई जाएगी

नई दिल्ली। देश में महामारी की वर्तमान स्थिति और इसके भयावहता के कारण अनिश्चितता और सुरक्षा को देखते हुए इस बार कई प्रमुख लोग जैसे हेमा मालिनी, अनुपम खेर, प्लेबैक सिंगर अनुराधा पौडवाल, अनुपम जलोटा, सेफ संजीव सहित कई अन्य कलाकार और अन्य क्षेत्रों से जुड़े लोग भी जन्माष्टमी 2020 को वर्चुअल रुप में मनाएंगे ये सभी वर्चुअली इस्कोन बैंगलोर से 11-12 अगस्त को जुड़े रहते हुए अपने-अपने कौशल के द्वारा कृष्ण जन्माष्टमी को 'स्वागतम कृष्णा' नामक डिजिटल उत्सव से मनाएंगे। इस के अलावा वर्तमान कोरोनाकल से निपटने के लिए आहार विहार सहित कई विषयों पर चर्चा सत्र भी होगा जिसके अंतर्गत लोग उनके घरों के भीतर सुरक्षित रहते हुए वर्चुअल तरीके से इस उत्सव में भाग ले सकते भी शामिल होगा। स्वागतम कृष्णा 40 घंटों का कार्यक्रम होगा जिसे इस्कॉन बैंगलोर के यू-ट्यूब चैनल

इन्स्टाग्राम और फेसबुक पर दुनियाभर के लाखों दर्शकों के लिए वेबकास्ट किया जाएगा। श्रीकृष्ण जन्माष्टमी सबसे महत्वपूर्ण उत्सव है जिसमें लाखों की संख्या में भक्त दिव्य आशीर्वाद प्राप्त करने के लिए मंदिर में आते हैं। देश और दुनियाभर में वर्तमान की निराशा और हताशा की परिस्थिति में सकारात्मकता और आशावाद को फैलाने के लिए महत्वपूर्ण हस्तियां और प्रख्यात कलाकार उनके विचार और महत्वाकांक्षाएं सांझा करने के लिए इस कार्यक्रम में सहभागी होंगे। मंदिर प्रबंधन भक्तों से इस उत्सव को ऑनलाइन देखने और सुरक्षित और स्वस्थ रहने का आग्रह करता है। इसके साथ ही कार्यक्रम में उल्लेखनीय चर्चासत्र और प्रदर्शन,परफॉर्मेन्स भी आयोजित किए गए हैं। इसके अलावा प्रेरणादायक संदेश का वर्चुअल सत्र और संगीत कार्यक्रम होंगे जिसमें कई नामी विभुतियां सहित अक्षय पात्र फाउंडेशन के अध्यक्ष मधु पंडित दासा इत्यादि रहेंगे।

आईटीबीपी के डीजी भारत-चीन सीमा दौरे पर

गोपेश्वर। भारत चीन सीमा पर तनातनी के चलते सीमावर्ती क्षेत्रों में तैनात आईटीबीपी के जवानों की हौसला अफजाई के लिए आईटीबीपी के महानिदेशक सुरजीत सिंह देशवाल भारत चीन सीमा के चार दिवसीय दौरे पर हैं। वह आईटीबीपी के 28 हिमवीरों के साथ माणा पास के लिए रवाना हुए। फूलों की घाटी से भारत की अग्रिम सीमा चौकी माणा पास तक जायेंगे। यह सबसे साहसिक ट्रैक रूट भी है। माना जा रहा है कि डीजी भारत चीन से सीमा से लगी भारत की सीमा चौकी माणा पास में तैनात हिमवीरों से मुलाकात कर सीमा की अग्रिम चौकियों पर जा सकते हैं। माना जा रहा है कि डीजी इस इलाके में भारत के अन्य सीमा क्षेत्र नीती, माणा इलाकों के साथ साथ अन्य चौकियों पर भी जवानों से मुलाकात कर सकते हैं।

रिया, शोविक के बाद अब पिता इंद्रजीत से भी ईडी ने की पूछताछ

मुंबई/एजेंसी। अभिनेता सुशांत सिंह राजपूत की मौत से जुड़े मनी लॉन्ड्रिंग के बारे में पूछताछ के लिए तलब किए गए अभिनेत्री रिया चक्रवर्ती, उनके भाई शोविक और पिता इंद्रजीत चक्रवर्ती सोमवार को प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) के समक्ष पेश हुए। दोपहर 12.15 बजे के आसपास उनसे पूछताछ शुरू हुई। ईडी ने शुक्रवार को रिया, उनकी पूर्व मैनेजर श्रुति मोदी, सुशांत के घर के मैनेजर सैमुअल मिरांडा से इस मामले में पूछताछ की थी। ईडी ने शोविक से भी शुक्रवार को आठ घंटे से अधिक और शनिवार को 18 घंटे से अधिक और रविवार की देर रात तक पूछताछ की थी। यह पहली बार है कि रिया के पिता इंद्रजीत से ईडी मामले के संबंध में पूछताछ कर रही है। ईडी के सूत्रों ने कहा कि एजेंसी को अवैध रूप से धन के लेनदेन का संदेह है और जांचकर्ताओं के पास पूरे मामले के बारे में स्पष्ट तस्वीर है। इससे पहले हुई पूछताछ के दौरान रिया खुद को निर्दोष बताती आई हैं। ईडी राजपूत की तीन कंपनियों के बारे में रिया और उनके परिवार के सदस्यों से पूछताछ करेगी। वह इन कंपनियों में पार्टनर रही हैं। ईडी रिया और उनके परिवार के

स्वामित्व वाली दो संपत्तियों के मामले में भी जांच कर रही है। खार (पूर्व) के फ्लैट के बारे में, रिया ने ईडी के अधिकारियों को बताया कि उन्होंने 60 लाख रुपये का हाउसिंग लोन (आवासीय ऋण) लिया था और बाकी की राशि, लगभग 25 लाख रुपये, अपनी आय के माध्यम से भुगतान किया था।

11 साल बाद अमनदीप हत्याकांड में मुख्य आरोपी रॉयल को उम्रकैद

जम्मू। बहुचर्चित अमनदीप हत्याकांड के मुख्य आरोपित रॉयल सिंह को ग्यारह वर्ष बाद द्वितीय अतिरिक्त सत्र न्यायाधीश विरेंद्र सिंह भाऊ ने उम्र कैद की सजा सुनाई है। इस हत्याकांड में शहर के नामी ठेकेदार नागर सिंह उर्फ नागो का बेटा जितेंद्र सिंह उर्फ राजा भी मुख्य आरोपित था लेकिन ट्रायल के दौरान राजा की जेल में मौत हो गई थी। ग्यारह वर्ष पहले 29 अगस्त, 2009 को पीडीपी की पूर्व एमएलसी एडवोकेट दविंद्र कौर के बेटे अमनदीप को उसके शास्त्री नगर स्थित घर के बाहर बुलाकर जितेंद्र सिंह उर्फ राजा और रॉयल सिंह ने गोली मार दी थी। अमनदीप को उपचार के लिए पहले जीएमसी अस्पताल जम्मू ले जाया गया जहां से उसे बाद में परिजन दिल्ली ले गए थे लेकिन वहां पर अमन ने दम तोड़ दिया था। अमनदीप पीडीपी की पूर्व एमएलसी एडवोकेट दविंद्र कौर का बेटा था और इस बहुचर्चित हत्याकांड की शहर में खूब चर्चा रही। अमनदीप हत्याकांड में मुख्य आरोपितों के अलावा हत्या के सबूत नष्ट करने के आरोप भी लगे।

सबूत नष्ट मामले में राजा के पिता नागर सिंह, तत्कालीन एसएसपी मनोहर सिंह, गांधी नगर के तत्कालीन एसएचओ सुलतान मिर्जा, बैलेस्टिक एक्सपर्ट सरवर हुसैन बुखारी, नागर के भाई जागर सिंह व राकेश सिंह को आरोपित बनाया गया था।

'करो कम, कहो ज्यादा' की नीति अपनाकर जनता को छल रही सरकार : हरीश रावत

-पूर्व मुख्यमंत्री ने किया जिला भ्रमण, प्रदेश सरकार पर जमकर किए प्रहार

-सरकार से स्वरोजगार को लेकर अपनी सोच स्पष्ट करने को कहा

बागेश्वर/एजेंसी। पूर्व मुख्यमंत्री हरीश रावत ने प्रदेश में बढ़ रही बेरोजगारी को लेकर प्रदेश सरकार पर प्रहार किया। उन्होंने कहा कि सरकार 'करो कम और कहो ज्यादा' की नीति अपनाकर जनता के साथ छल कर रही है। पहले से ही पहाड़ में बेरोजगारी थी, अब कोरोना संकट के कारण इसमें भारी इजाफा हो गया है। इसके बावजूद सरकार अब तक उन्हें रोजगार देने की कोई नीति नहीं बना सकी है। उन्होंने प्रदेश

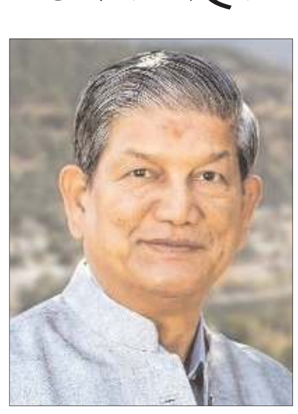

सरकार से स्वरोजगार के बारे में अपनी सोच स्पष्ट करने और नारा देने की बजाय धरातल पर काम करने को कहा। उन्होंने कहा कि जब तक प्रवासी युवाओं को रोजगार नहीं मिलेगा तब तक स्वरोजगार की नीति जुमलेबाजी के अलावा कुछ नहीं है। जिला भ्रमण पर आए पूर्व मुख्यमंत्री रावत का कार्यकर्ताओं ने फूल मालाओं से भव्य स्वागत किया। उसके बाद उन्होंने पूर्व ब्लॉक प्रमुख राजेंद्र सिंह टंगड़िया के घर में पत्रकारों से बातचीत की। उन्होंने कहा कि नोटबंदी के वक्त डबल इंजन की सरकार ने खूब वारे-न्यारे किए। इस धन से भाजपा ने पूरे देश में आलीशान कार्यालय बना डाले हैं। बागेश्वर जिले में भी दस करोड़ की धनाराशि से भवन बना है। उन्होंने कहा कि सारे भवन जनता के पैसे से बने हैं। इसके बाद भी भाजपा खुद को पाक साफ बता रही है। उन्होंने कहा कि प्रदेश में विकास कार्य ठप हैं। सरकारी धन को कार्यकर्ताओं में बांटा जा रहा है। भ्रष्टाचार का यह आलम है कि प्रदेश में प्रश्नपत्र लीक होने के कारण 18 हजार युवाओं को आज तक रोजगार नहीं मिल पाया है। सरकार की कार्यशैली से जनता परेशान हो गई है। सरकार को आम आदमी की समस्या से कुछ भी लेना-देना नहीं रहा गया है। कहा कि उनके कार्यकाल में शुरू की गई कई जनहित की योजनाओं को सरकार नाम बदल कर चला रही है। इस मौके पर जिलाध्यक्ष लोकमणि पाठक, राज्यसभा सदस्य प्रदीप टम्टा, पूर्व विधायक ललित फर्स्वाण, पूर्व जिपं अध्यक्ष हरीश ऐठानी, महिला जिलाध्यक्ष गीता रावल, नगर अध्यक्ष धीरज कोरंगा आदि मौजूद रहे। इसके बाद पूर्व सीएम कांडा पहुंचे, जहां कार्यकर्ताओं ने उनका भव्य स्वागत किया। इस मौके पर जिपं सदस्य सिमकूना पूजा आर्या, जिपं सदस्य भैरूचौबट्टा गोपा धपोला, विरेंद्र नगरकोटी आदि मौजूद रहे।

opensearch

कार की गश्ती वाहन से टक्कर, हेड कान्स्टेबल की मौत

नई दिल्ली.एजेंसी। उत्तरी दिल्ली में रविवार देर रात एक तेज रफ्तार कार सवार ने गश्त कर रहे पुलिस वाहन को टक्कर मार दी जिससे एक कांस्टेबल की मौत हो गई और एक अन्य घायल हो गया। यह जानकारी पुलिस ने दी। पुलिस के एक अधिकारी ने बताया कि टक्कर इतनी जबर्दस्त थी कि गश्त कर रहा वाहन पलट गया और और 10-15 फुट तक घिसट गया और हेड कान्स्टेबल वजीर सिंह (50) वाहन में फंस गए। अधिकारी ने बताया कि तुषार गुप्ता (19) एक मित्र से मिलने के बाद अपनी होंडा सिटी कार से लौट रहा था। उसने देर रात करीब डेढ़ बजे खालसा कालेज के पास अपनी कार से पुलिस के गश्ती वाहन में टक्कर मार दी।

पुलिस उपायुक्त (उत्तर) मोनिका भारद्वाज ने बताया कि गश्ती वाहन चला रहे कान्स्टेबल अमित ने लोगों की मदद से सिंह को बाहर निकाला और एक अस्पताल पहुंचाया जहां उनकी इलाज के दौरान मौत हो गई। भारद्वाज ने बताया कि अमित को चोटें आयी थीं और उन्हें अस्पताल से छुट्टी दे दी गई है। डीसीपी ने बताया कि गुप्ता एक कालेज छात्र है और मॉडल टाउन का रहने वाला है। वह भी इस घटना में घायल हुआ है और उसे गिरफ्तार कर लिया गया है। पुलिस के अनुसार मेडिकल रिपोर्ट में चिकित्सकों ने कहा है कि किशोर दुर्घटना के समय शराब के नशे में था।डीसीपी ने बताया कि इस संबंध में भारतीय दंड संहिता की धारा 304, 279 और 337 के तहत एक मामला दर्ज कर लिया गया है।

नव निर्माण संघ ने सेवा बस्ती में जरूरतमंदों को वितरित किया राशन

नई दिल्ली। कोरोना का कहर दिल्ली सहित पूरे देश में जारी है। संकट के इस दौर में कई गैर-सरकारी संगठन (एनजीओ) पीड़ित और जरूरतमंद लोगों के लिए संजीवनी का काम कर रहे हैं। 'नव निर्माण संघ' नामक एनजीओ सेवा कार्यक्रम के तहत लगातार जरूरतमंद लोगों के बीच राशन वितरण कर रहा है। नव निर्माण संघ के कार्यकर्ताओं ने सोमवार को आजादपुर मेट्रो स्टेशन के पास गाड़िया लुहार सेवा बस्ती में राहत सामग्री का वितरण किया। बस्ती के मुखिया महाराणा ने बताया कि वैसे तो कई संगठन के लोग यहां आकर मिलते हैं, कुछ दिनों तक सहयोग करते हैं और फिर गायब हो जाते हैं, लेकिन लगभग पांच वर्षों से नव निर्माण संघ के लोग लगातार हमारे बीच काम कर रहे हैं। बस्ती के कई बच्चों का स्कूल में दाखिला भी करवाया और यहां प्रतिदिन बच्चों की क्लास भी चलाई है, लेकिन बड़ी बात यह है कि कोरोना जैसी महामारी के समय भी इन्होंने हमारा साथ नहीं छोड़ा। इसके लिए हम इनके आभारी हैं। नव निर्माण संघ के राष्ट्रीय अध्यक्ष प्रखर खरे ने कहा कि शिक्षा जीवन का एक अहम हिस्सा है। किसी भी देश की प्रगति के लिए, देश के नागरिकों का शिक्षित होना बहुत आवश्यक होता है। लेकिन हमारे देश में बहुत से ऐसे बच्चे हैं जो आर्थिक तंगी और कुछ मजबूरियों के कारण शिक्षा ग्रहण नहीं कर पाते। इन्हीं बच्चों को एक नई दिशा दिखाने के लिए नव निर्माण संघ ने एक पहल की है। इससे जुड़ा प्रत्येक कार्यकर्ता बच्चों को अच्छी शिक्षा देने के लिए संकल्पित है। इस महामारी के समय में कोई भी व्यक्ति भूखा न सोए इसके लिए हम लगातार प्रयासरत हैं। इसी के तहत आज बस्ती में राशन का वितरण किया गया है। संघ के सचिव देवेंद्र सिंह ने कहा कि हम गाड़िया लुहार सेवा बस्ती के उत्थान के लिए विगत पांच वर्षों से कार्य कर रहे हैं। हमारा उद्देश्य है कि बस्ती के सभी बच्चे शिक्षित हों। शिक्षा के साथ-साथ उनके सर्वांगीण विकास के लिए हमारा संगठन प्रयासरत है।

मरीज का धन लेकर चंपत हुआ एम्स का कर्मी गिरफ्तार

नई दिल्ली। दिल्ली स्थित अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान (एम्स)) में आंखों का आपरेशन कराने गये एक मीडियाकर्मी के नकद साठ हजार रूपये लेकर चंपत होने के आरोप में 52 साल के एक व्यक्ति को गिरफ्तार किया गया है। पुलिस ने सोमवार को इसकी जानकारी दी। पुलिस ने बताया कि आरोपी की पहचान सतीश कुमार धामा के रूप में की गयी है। वह नर्सिंग सहायक के रूप में काम कार्यरत था और एक एजेंसी के माध्यम से उसकी सेवा ली गयी थी। वह उत्तराखंड के हरिद्वार का रहने वाला है। पुलिस के अनुसार मरीज 25 जुलाई को आंख का आपरेशन कराने के लिये एम्स गया था। प्रक्रियाओं से गुजरने से पहले उसने साठ हजार रुपये धामा को थमा दिया जो अस्पाल में उसका मेडिकल सहायक था। मरीज ने उससे कहा कि प्रक्रियाओं के पूरा होने तक वह इंतजार करे लेकिन इससे पहले ही आरोपी पैसे लेकर चंपत हो भाग गया। पुलिस उपायुक्त दक्षिण अतुल कुमार ठाकुर ने बताया, 'हमने इस संबंध में मामला दर्ज कर लिया और हरिद्वार, गाजियाबाद और नोएडा में छापेमारी की लेकिन उसका पता नहीं चल सका।' उन्होंने बताया कि बाद में विस्तार से जांच करने पर पता चला कि वह कई फोन नंबरों का इस्तेमाल कर रहा है और लगातार अपनी जगह बदल रहा है और एक एप के माध्यम से उसने होटल बुक किया है। उपायुक्त ने कहा कि इसके बाद हमारी टीम ने गुड़गांव में छापेमारी की और रविवार रात आरोपी को होटल के कमरे से गिरफ्तार कर लिया। अधिकारी ने बताया कि पुलिस ने उसके पास से 29, 500 रुपये बरामद कर लिये हैं और जांच जारी है।

राष्ट्रीय शिक्षा नीति पर डीयू के कॉलेजों में अभाविप कर रही ऑनलाइन व्याख्यान का आयोजन

नई दिल्ली। अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद (एबीवीपी) दिल्ली विश्वविद्यालय से संबद्ध मिरांडा हाउस, दिल्ली स्कूल ऑफ जर्नलिज्म, किरोड़ीमल कॉलेज, खालसा कॉलेज सहित कई कॉलेजों में राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020 पर ऑनलाइन व्याख्यान का आयोजन कर रही है। शिक्षा नीति को समझने के लिए इन व्याख्यानों में बड़ी संख्या में छात्र-छात्राएं हिस्सा ले रहे हैं। इन व्याख्यानों में डीयू के प्राध्यापक, शिक्षा क्षेत्र के विशेषज्ञों के साथ अभाविप के स्टूडेंट एक्टिविस्ट भी छात्रों के बीच शिक्षा नीति से संबंधित महत्वपूर्ण बिंदुओं को रख रहे हैं और छात्रों के प्रश्नों का जवाब देकर उनकी जिज्ञासा का समाधान कर रहे हैं। एबीवीपी नार्थ कैंपस के विभाग सह-संयोजक वेणुगोपाल ने सोमवार को बताया कि हम शिक्षा नीति संबंधी विभिन्न तथ्यों पर छात्रों के बीच ऑनलाइन माध्यम से चर्चा कर रहे हैं। शिक्षा नीति 2020, देश के शिक्षा क्षेत्र में अभूतपूर्व बदलाव करने वाली है। छात्रों के लिए सकारात्मक दृष्टिकोण के साथ शिक्षा नीति की व्याख्या करना हमारे इन कार्यक्रमों का उद्देश्य है। हमारे इस रचनात्मक प्रयास के माध्यम से छात्रों को शिक्षा नीति पर विचार-विमर्श करने का एक अच्छा प्लेटफार्म मिला है। वेणुगोपाल ने बताया कि एबीवीपी की रामजस कॉलेज इकाई मंगलवार शाम पांच बजे व्याख्यान आयोजित करेगी। वहीं, खालसा कॉलेज इकाई बुधवार को व्याख्यान आयोजित करेगी।

झंडा गीत के रचयिता श्याम लाल गुप्ता की पुण्यतिथि पर आदेश गुप्ता ने दी श्रद्धांजलि

नई दिल्ली। दिल्ली भाजपा अध्यक्ष आदेश गुप्ता ने गुरुवार को ध्वज गीत 'विजयी विश्व तिरंगा प्यारा, झंडा ऊंचा रहे हमारा' के रचयिता 'पद्मश्री' श्यामलाल गुप्त 'पार्षद' की पुण्यतिथि पर उन्हें याद करते हुए श्रद्धांजलि अर्पित की। प्रदेश अध्यक्ष गुप्ता ने ट्विटर पर लिखा कि ध्वज गीत 'विजयी विश्व तिरंगा प्यारा, झंडा ऊंचा रहे हमारा' के रचयिता 'पद्मश्री' श्यामलाल गुप्त 'पार्षद' की पुण्यतिथि पर उन्हें विनम्र श्रद्धांजलि। उल्लेखनीय है कि श्याम लाल गुप्ता का जन्म कानपुर के जिले नरवल कस्बे में 16 सितंबर 1893 को हुआ था। उनके पिता का नाम विश्वेश्वर गुप्ता था और वे पेशे से साधारण व्यवसायी थे। उन्होंने मिडिल की परीक्षा के बाद विशारद की उपाधि हासिल की। उसके बाद जिला परिषद तथा नगरपालिका में अध्यापक की नौकरी प्रारंभ की लेकिन दोनों जगहों पर तीन साल का बॉन्ड (अनुबंध) भरने की वजह से नौकरी से त्यागपत्र दे दिया। उनके द्वारा रचित झंडा गीत वर्ष 1924 के कांग्रेस महाधिवेशन में आधिकारिक रूप से स्वीकार किया गया। 10 अगस्त 1977 को उनका निधन हो गया।

वाजपेयी से आगे निकलेंगे मोदी, बनायेंगे रिकार्ड

नयी दिल्ली (ओपन सर्च)

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी 15 अगस्त को स्वतंत्रता दिवस के मौके पर सातवीं बार लाल किले के प्राचीर पर तिरंगा फहरायेंगे और राष्ट्र को संबोधित करेंगे , जिसके साथ ही वह सबसे अधिक बार ऐसा करने वाले पहले गैर-कांग्रेसी प्रधानमंत्री होंगे।

श्री मोदी ने पहली बार 2014 में लालकिले पर राष्ट्रीय ध्वज फहराया था और पिछले वर्ष अपनी सरकार के दूसरे कार्यकाल में छठवीं बार तिरंगा फहराकर भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) सरकार के पहले प्रधानमंत्री अटलबिहारी वाजपेयी की बराबरी कर ली थी। वह इस बार श्री वाजपेयी से एक कदम आगे बढ़कर सातवीं बार तिरंगा फहरायेंगे।

भाजपा नीत राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) के मुखिया रहे अटल बिहारी वाजपेयी 19 मार्च 1998 से 22 मई 2004 के बीच छह बार तिरंगा फहराया था। श्री वाजपेयी हालांकि 1996 में पहली बार प्रधानमंत्री बने थे लेकिन उनकी सरकार ज्यादा दिन नहीं चल पायी थी और उन्हें राष्ट्रीय ध्वज फहराने का अवसर नहीं मिल पाया था।

देश में आपातकाल को लेकर आम जनता में आक्रोश की लहर ने 1977 के आम चुनाव में तत्कालीन कांग्रेस सरकार को सत्ता से बाहर कर दिया और केंद्र में जनता पार्टी की सरकार बनी । आजादी के बाद यह पहली गैर-कांग्रेसी सरकार थी। श्री मोरारजी देसाई इस सरकार के मुखिया बने। उन्होंने दो बार 1977 और 1978 में लाल किले की प्राचीर पर तिरंगा फहराया था।

इसके बाद 28 जुलाई 1979 को चौधरी चरण सिंह समाजवादी दलों और कांग्रेस (यू) के सहयोग से प्रधानमंत्री बने तथा उसी साल पहली एवं आखिरी बार तिरंगा फहराया । श्री चरण सिंह के अलावा विश्वनाथ प्रताप सिंह, एच डी. देवेगौड़ा और इंद्र कुमार गुजराल भी ऐसे गैर-कांग्रेसी प्रधानमंत्री रहे , जिन्हें एक-एक बार तिरंगा फहराने का सौभाग्य हासिल हुआ।

दिलचस्प तथ्य यह भी है कि ऐसी दो शख्सियतें भी रही , जो प्रधानमंत्री तो बने , लेकिन उन्हें लालकिले पर राष्ट्रीय ध्वज फहराना नसीब नहीं हुआ। देश के प्रथम प्रधानमंत्री जवाहर लाल नेहरू के निधन के बाद 27 मई 1964 को श्री गुलजारी लाल नंदा कुछ समय के लिए कार्यवाहक प्रधानमंत्री बने। श्री लाल बहादुर शास्त्री के निधन के बाद भी वह कुछ समय के लिए कार्यवाहक प्रधानमंत्री बने। इसी प्रकार श्री चंद्रशेखर 10 नवंबर 1990 को प्रधानमंत्री बने लेकिन छह महीने बाद ही कांग्रेस ने उनकी पार्टी की सरकार से अपना समर्थन वापस ले लिया और उन्हें 21 जून 1991 को पद से हटना पड़ा।

अतीत के झरोखों में देखा जाये तो यही नजर आता है कि स्वाधीन भारत के इतिहास में सबसे अधिक बार तिरंगा फहराने का रिकार्ड प्रथम प्रधानमंत्री जवाहर लाल नेहरू के नाम है । उन्होंने सर्वाधिक 17 बार लालकिले पर तिरंगा फहराया है। वह 15 अगस्त 1947 से 27 मई 1964 तक प्रधानमंत्री रहे।

श्री नेहरू के बाद उनकी पुत्री श्रीमती इंदिरा गांधी 24 जनवरी 1966 से 24 मार्च 1977 तथा 14 जनवरी 1980 से 31 अक्टूबर 1984 के दौरान प्रधानमंत्री रही। इन दो अवधि में श्रीमती गांधी ने 16 बार राष्ट्रीय ध्वज फहराया। तीसरे नंबर पर डॉ मनमोहन सिंह है जिन्होंने 10 बार लालकिले पर तिरंगा फहराया। वह 22 मई 2004 से 26 मई 2014 तक प्रधानमंत्री रहे।

श्री राजीव गांधी और तेलुगु क्षत्रप एवं देश में आर्थिक सुधारों के प्रणेता रहे पामुलपति वेंकटपति नरसिम्हा राव ने पांच-पांच दफे लाल किले की प्राचीर पर तिरंगा फहराया और देश को संबोधित किया।

श्री राजीव गांधी 31 अक्टूबर 1984 से एक दिसंबर 1989 तक प्रधानमंत्री रहे जबकि श्री राव का कार्यकाल 21 जून 1991 से 10 मई 1996 तक रहा।

देश में एक ईमानदार शासक की छवि के प्रतीक लालबहादुर शास्त्री नौ जून 1964 से 11 जनवरी 1966 तक प्रधानमंत्री रहे और दो बार तिरंगा फहराया।

दिल्ली विश्वविद्यालय की परीक्षाएं शुरू, छात्रों ने उत्तर पुस्तिकाएं अपलोड होने में दिक्कत की शिकायत की

नई दिल्ली.एजेंसी

दिल्ली विश्वविद्यालय के स्नातक पाठ्यक्रमों के अंतिम वर्ष के लिए ऑनलाइन ओपन बुक परीक्षाएं सोमवार को शुरू हुईं। वहीं कई छात्रों ने दो प्रश्न पत्र प्राप्त होने और उत्तर पुस्तिकाओं को अपलोड करने में कठिनाई होने की शिकायत की। परीक्षाएं सुबह 7.30 बजे शुरू हुई और तीन पालियों में आयोजित की जा रही हैं। स्कूल ऑफ ओपन लर्निंग (एसओएल) के एक छात्र जुबैर खान ने कहा, ''डेट-शीट के अनुसार आज मेरी हिंदी की परीक्षा थी। जब मैंने अपना प्रश्न पत्र डाउनलोड करने के लिए पोर्टल खोला, तो मैंने पाया कि दो प्रश्न पत्र अपलोड किए गए थे। एक हिंदी का और दूसरा जिसका पेपर 13 अगस्त के लिए निर्धारित है। मैंने एसओएल को मेल भेजे, लेकिन कोई जवाब नहीं आया। मैंने एक प्रोफेसर से सलाह ली, जिन्होंने मुझे आज के लिए निर्धारित पेपर देने की सलाह दी।'' एक अन्य छात्र, दीपक गुप्ता ने कहा कि उन्हें यकीन नहीं था कि वह पूर्वाह्न 11.30 बजे के निर्धारित समय से पहले अपनी उत्तर पुस्तिकाओं को सफलतापूर्वक अपलोड कर पाएंगे या नहीं। उन्होंने कहा, ''पीडीएफ फाइलें (अपनी उत्तर पुस्तिकाएं की) बनाना समाप्त करने तक 11.28 बज गए थे। मैंने उन्हें अपलोड करने की कोशिश की, लेकिन वे अपलोड नहीं हुए। मैंने उन्हें निर्दिष्ट आईडी पर मेल कर दिया है, लेकिन यह नहीं जानते कि उन्हें स्वीकार किया जाएगा या नहीं।'' बीएससी फिजिकल साइंस के एक छात्र ने अपनी पहचान गुप्त रखने की शर्त पर कहा कि पेपर काफी कठिन था और ऐसी स्थिति में, जब कक्षाएं ठीक से नहीं हो सकीं, यह छात्रों के लिए अन्यायपूर्ण था। मिरांडा हाउस की प्रोफेसर आभा देव हबीब ने कहा कि उनकी कक्षा के अधिकांश छात्रों को उनकी उत्तर पुस्तिकाएं अपलोड करने के बाद कोई पुष्टिकरण मेल नहीं मिला। तब छात्रों ने अपनी उत्तर पुस्तिकाएं विश्वविद्यालय की वेबसाइट को मेल की और उन्हें ऑटो जनरेटेड प्रतिक्रिया मिली।

राजधानी कॉलेज के प्रोफेसर, पंकज गर्ग ने कहा कि छात्रों को मुख्य समस्या उत्तर पुस्तिकाओं को अपलोड करने की आयी।गर्ग ने यह भी कहा कि उत्तर पुस्तिकाओं के मूल्यांकन के दौरान शिक्षक दिक्कतों का सामना करेंगे।उन्होंने कहा, ''इस बात की काफी संभावना है कि स्कैन और अपलोड करते समय पृष्ठों की अदला-बदली होगी, यह अनुक्रम को बिगाड़ देगा .... शिक्षकों को उन सभी पृष्ठों को जोड़ने में बहुत सावधानी बरतनी होगी जो एक ही प्रश्न के हैं।'' उन्होंने कहा कि कुछ पृष्ठों के स्कैन धुंधले हो सकते हैं और उन्हें पढ़ना मुश्किल होगा और अगले पृष्ठ से जोड़ना अधिक कठिन होगा और इसलिए उत्तर की निरंतरता खो जाएगी।उन्होंने कहा कि शिक्षकों के लिए, सबसे चुनौतीपूर्ण बिंदु पृष्ठों का अंकन होगा, ऐसा लगता है कि मूल्यांकन में अधिक समय लगेगा। परीक्षाएं कई बार स्थगित की गई हैं। दिल्ली विश्वविद्यालय शिक्षक संघ मांग कर रहा था कि परीक्षाएं रद्द कर दी जाए और छात्रों का मूल्यांकन पिछले प्रदर्शन और आंतरिक मूल्यांकन के आधार पर किया जाए।दिल्ली उच्च न्यायालय ने परीक्षा आयोजित करने के लिए विश्वविद्यालय को अनुमति दे दी।

कालका जी मंदिर में 11 अगस्त को मनेगी जन्माष्टमी

नई दिल्ली.एजेंसी।

हर बार की तरह इस बार भी श्री कृष्ण जन्माष्टमी दो दिन यानि 11 अगस्त और 12 अगस्त को पड़ रही है लेकिन सनातन हिन्दू वाहिनी के राष्टीय अध्यक्ष और कालका पीठ मंदिर के महंत सुरेंद्रनाथ अवधूत ने कहा है कि मंदिर में 11 अगस्त को जन्माष्टमी मनाई जाएगी और साथ ही कोरोना वायरस महामारी के चलते भक्तों को सख्त निर्देशों का पालन भी करना होगा। महंत सुरेंद्र नाथ अवधूत ने सोमवार को कहा कि हर बार की तरह इस बार भी श्री कृष्ण जन्माष्टमी को लेकर भक्तों के मन मे दुविधा बनी हुई है। वास्तव में इसका कारण स्मार्त और श्रोत की परंपरा है। स्मार्त काल व्यापिनी तिथि ग्रहण करते हैं, वही श्रोत सूर्योदय व्यापिनी तिथि को ग्रहण करते हैं। इस बार गृहस्थ (स्मार्त) मंगलवार 11 अगस्त को श्री कृष्ण जन्माष्टमी मनाएंगे। सन्यासी और वैष्णव 12 अगस्त को जन्माष्टमी मनाएंगे। कालका जी मंदिर में 11 अगस्त को श्री कृष्ण जन्माष्टमी मनाई जाएगी। उन्होंने कहा कि बहुत ही कम भक्तों को इस बात की जानकारी नहीं होगी कि जिस दिन श्री कृष्ण जन्माष्टमी होती है तो उसी दिन काली जयंती भी मनाई जाती है। इस कारण 11 अगस्त को मध्य रात्रि 11 बजे से विशेष पूजा और हवन किया जाएगा। कोरोना का असर श्री कृष्ण जन्माष्टमी पर भी पड़ा है और इस बार कोई बड़ा महोत्सव मंदिर में नहीं मनाया जाएगा। इस पर अवधूत ने कहा कि कोरोना जैसी वैश्विक महामारी के कारण मंदिर में इस बार कोई बड़ा महोत्सव नहीं मनाया जाएगा बल्कि सादगी तरीके से बाल गोपाल का जन्मोत्सव मनाया जाएगा। कोरोना को देखते हुए नंद गोपाल के दर्शन करने के लिए भक्तों को छट फीट की उचित दूरी पर खड़ा होना होगा।

opensearch

दो महीने हो गए, ग्राहकों की कमी से अभी भी जूझ रहे दिल्ली के रेस्टोरेंट

नई दिल्ली.एजेंसी।

कोरोना संक्रमण काल से पहले, दिन ढलते ही दक्षिणी दिल्ली के कुछ प्रमुख मार्केट में गतिविधियां तेज हो जाती थीं। डिफेंस कॉलोनी, लाजपत नगर, न्यू-फ्रेंड्स कॉलोनी और ग्रेटर कैलाश मार्केट के रेस्टोरेंट (भोजनालय या जलपान गृह) ग्राहकों से सजे रहते थे। कार पार्किंग में तिल रखने की जगह नहीं होती थी, लेकिन आज ऐसा नहीं है। कोरोना ने सब कुछ बदल दिया है। दिल्ली में रेस्टोरेंट खुले करीब दो महीने हो चुके हैं, लेकिन पहले के मुकाबले अभी आधे ग्राहक भी नहीं आ रहे हैं।

केंद्र सरकार की अनलॉक-1 घोषणा के साथ ही दिल्ली सरकार ने 8 जून को शर्तों के साथ भोजनालय और जलपान गृह को खोलने की इजाजत दी थी। दो महीने हो गए, लेकिन अभी भी अधिकतर रेस्टोरेंट के मालिक ग्राहकों की कमी से जूझ रहे हैं। हालांकि उनकी उम्मीद अभी भी बरकरार है कि अच्छे दिन फिर आएंगे। दक्षिणी दिल्ली न्यू फ्रेंड्स कॉलोनी स्थित ग्रांडले मार्केट में चावला चिकन कार्नर के मालिक जगन चावला ने हिन्दुस्थान समाचार को बताया, 'पहले के मुकाबले अभी आधे से भी कम ग्राहक रह गए हैं, लेकिन धीमे-धीमे ग्राहकों की संख्या बढ़ रही है। कोरोना महामारी के बीच अनलॉक-1 के तहत जब रेस्टोरेंट खोले गए थे तो सिटिंग नहीं थी, लेकिन अब सिटिंग भी शुरू हो गयी है। मेरे पास 10-12 लोग काम करते थे, अब चार-पांच ही काम पर रह गए हैं।

बच्चों नें चलाया पौधे लगाने का संकल्प अभियान

नई दिल्ली.एजेंसी। पूर्वी दिल्ली की समाजसेवी संस्थाओं वृक्ष मित्र, निशा निशा जैन फाउंडेशन, स्पर्श ए टच सोसाइटी, नीम टीम द्वारा एक संकल्प चलाया गया, जिसमें बच्चों के द्वारा पौधे लगाने का कार्यक्रम चलाया गया, बच्चों के लिए सुविधा अनुसार गूगल फॉर्म भरकर रजिस्ट्रेशन किया और दिए गए लिंक पर पौधों की फोटो भेजी। 20 जुलाई से 31जुलाई तक आयोजित इस प्रतियोगिता के दौरान बच्चों ने बड़े ही उत्साह से अपने घर के आस-पास पौधे लगाए और पर्यावरण संरक्षण में योगदान दिया .निर्णायक मंडल की भूमिका निभाने वाले विनय एवं गौरव दत्त ने प्रथम, द्वितीय और तृतीय स्थान पर 6 बच्चों का चयन किया और बच्चों को मोमेंटो देकर प्रोत्साहित किया गया एवं अन्य 10 प्रतिभागियों को प्रोत्साहन पुरस्कार दिया गया। पुरस्कृत किए जाने वाले बच्चों में खासतौर से प्रथम स्थान पर रही पूजा, रक्षित, त्रिशा प्रत्यूष, अनमोल आदित्य, विरेष, अनुनय, माधव कृतिशा, रेनिशा जैन, पीहुल जैन आदि उपस्थित रहे। कार्यक्रम संयोजक धीरज यादव ने बताया कि प्रतियोगिता में करीब 200 बच्चों ने भाग लेकर 1100 पौधे लगाए।

रोजगार योजना पर दिल्ली के लोगों को गुमराह कर रही केजरीवाल सरकार : आदेश गुप्ता

नई दिल्ली.एजेंसी।

दिल्ली भाजपा अध्यक्ष आदेश गुप्ता ने कहा कि रोजगार योजना में फेल हो चुकी सत्तारूढ़ आम आदमी पार्टी फिर से यह योजना शुरू करके राजधानी की जनता को भ्रमित करने का काम कर रही है। उन्होंने कहा कि जिस प्रकार से बाइस्कोप में घुमा फिराकर एक ही तस्वीर दिखाई जाती है उसी तरह केजरीवाल सरकार फ्लॉप हुई पुरानी योजनाओं को दोबारा शुरू करती रहती है। प्रदेश अध्यक्ष गुप्ता ने सोमवार को प्रदेश मुख्यालय में आयोजित पत्रकार वार्ता में कहा कि कभी ऑड-ईवन, कभी डोर स्टेप डिलीवरी, कभी ई-व्हीकल और कुछ दिनों पहले ही केजरीवाल सरकार ने रोजगार योजना की शुरुआत की है जो दो साल पहले भी शुरू की गई थी, लेकिन फेल हो गई थी। इस योजना के लिए केजरीवाल सरकार ने 34 करोड़ 41 लाख रुपये खर्च किए थे, लेकिन रोजगार सिर्फ 334 लोगों को ही मिला था। अब एक बार फिर से दिल्ली के

लोगों को रोजगार के नाम पर बरगलाने के लिए केजरीवाल सरकार रोजगार योजना लेकर आई है जहां पर रोजगार की गारंटी ही नहीं है। उन्होंने कहा कि 2018 में भी केजरीवाल सरकार ने रोजगार मेले का जमकर प्रचार-प्रसार किया था। उसी तरह इस साल केजरीवाल सरकार ने यह घोषणा की है कि नौकरी पाने वाले और नौकरी देने वाले दोनों ही दिल्ली सरकार के जॉब पोर्टल पर रजिस्टर कर सकते हैं और नौकरी के लिए आवेदन कर सकते हैं। दिल्ली के श्रममंत्री गोपाल राय ने शुक्रवार को दावा किया कि जॉब पोर्टल पर 9 लाख से ज्यादा वैकेंसी हैं और आवेदनकर्ता 8 लाख 64 हजार हैं। उन्होंने कहा कि अगर दावे सच हैं तो केजरीवाल सरकार बताए कि पोर्टल के माध्यम से अब तक कितने लोगों को नौकरी मिली है।

दिल्ली को कूड़ा मुक्त करने के लिए तीनों निगम मिलकर चलाएंगे विशेष स्वच्छता अभियान

नई दिल्ली.एजेंसी।

दिल्ली के तीनों नगर निगम के महापौर ने सोमवार को प्रेसवार्ता कर बताया कि दिल्ली की तीनों नगर निगम प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा शुरू किए गए 'गंदगी भारत छोड़ो' अभियान के अंतर्गत पूरी दिल्ली में गंदगी मुक्त करने के लिए अभियान चलाएंगी। इस मौके पर उत्तरी दिल्ली के महापौर जय प्रकाश ने बताया कि हमारे देश के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा शुरू किए गए 'गंदगी भारत छोड़ो' अभियान के अंतर्गत दिल्ली नगर निगम गंदगी मुक्त दिल्ली अभियान चलाएगी। इस अभियान में हर क्षेत्र के सफाई व्यवस्था का बारीकी से जायजा लिया जाएगा। इसके अंतर्गत ठोस अपशिष्ट पदार्थों का निपटान किया जाएगा। उन्होंने बताया कि उत्तरी दिल्ली नगर निगम प्रति दिन 4500 मीट्रिक टन कूड़ा उठाती है जिसमें से 2300 मीट्रिक टन कूड़ा नरेला बवाना संयंत्र में भेजा जाता। उन्होंने बताया कि उत्तरी दिल्ली नगर निगम के अंतर्गत 550 डलाव है जिस में से 303 डलावो को बंद कर के 61 कॉम्पेक्टर मशीनें लगाई गई हैं। उन्होंने बताया कि निगम कूड़ा निष्पादित के लिए निगम 55 कॉम्पेक्टर मशीनें और 6 मोबाईल कॉम्पेक्टर मशीनें लगाएगी। उन्होंने बताया कि उत्तरी दिल्ली नगर निगम 15 ट्रॉम्मेलिंग मशीनों के माध्यम से भलस्वा लैंडफिल साइट पर 2000 मीट्रिक टन कूड़े का निपटान कर रही हैं। श्री जय प्रकाश ने कहा की इस अभियान को सफल बनाने के लिए नागरिकों का सहयोग आवश्यक है। उन्होंने दिल्ली के नागरिकों से दिल्ली को स्वच्छ और हरभरा बनाने में उत्तरी दिल्ली नगर निगम के अधिकारियों व कर्मचारियों की मदद करने की अपील

की। श्री जय प्रकाश ने कहा कि इस अभियान में जागरूकता कार्यक्रमों के माध्यम से नागरिकों को स्वच्छता संबंधित गतिविधियों के बारे में जागरूक किया जाएगा। महापौर अनामिका ने प्रेस वार्ता में कहा कि उन्होंने प्रधानमंत्री द्वारा चलाए जा रहे 'गंदगी भारत छोड़ो अभियान' की शुरुआत करते हुए आज प्राथमिक विद्यालय जैतपुर में सफाई अभियान चलाया। उन्होंने कहा कि दक्षिणी निगम भी अपने सभी 104 वार्ड में स्थानीय पार्षदों, आरडब्ल्यूए, मार्किट एसोसिएशन, धार्मिक और समाजिक संगठनों के सहयोग से व्यापक स्तर पर ऐसे सफाई अभियान चलाएगा। उन्होंने कहा कि वे स्वयं हर जोन में जाकर सफाई व्यवस्था सुनिश्चित करेंगी और इस कार्य में आयुक्त से लेकर सफाई कर्मचारी तक की सहभागिता आवश्यक है। श्रीमती अनामिका ने कहा कि सभी सार्वजनिक स्थानों, धार्मिक स्थलों और मुख्य बाजारों में सफाई और जन जागरूकता के कार्यक्रम भी चलाए जाएंगे। महापौर ने बताया कि द.दि.न.नि. दक्षिणी निगम ने क्षमता से अधिक प्रयोग की गई लैंडफिल साइट की ऊँचाई को कम करने के लिए निरंतर प्रयास किए हैं। आईआईटी दिल्ली की सलाह पर इसकी ऊँचाई कम करने के लिए वैज्ञानिक तरीकों का इस्तेमाल किया जा रहा है। इसके अलावा पिछले दो वर्ष में चारों जोन में लगभग 7000 नीले और हरे कूड़ेदान लगाए गए हैं। उन्होंने कहा कि कूड़े के उचित निष्पादन के लिए अभी तक चार बायोमीथेनेशन प्लांट और चार आईटीपीडी ड्रम कंपोस्टर प्लांट लगाए गए हैं जिसके द्वारा जैविक कचरे को प्रोसेस करके बिजली, खाद और कंपोस्टर बनाया जा रहा है। पूर्वी दिल्ली के महापौर निर्मल जैन ने कहा कि निगम व सफाई आपस में पर्यायवाची हैं। माननीय प्रधानमंत्री जी ने 'गंदगी मुक्त भारत' का जो नारा दिया है, हम सभी मिलकर उस पर अमल करेंगे। हमने सभी पार्षदों से अनुरोध किया है कि वे अपने-अपने वार्ड में निगम अधिकारियों के साथ मिलकर विशेष सफाई अभियान आयोजित करें। त्यौहारों में सघन सफाई अभियान चलाए जाएं। हम कूड़े के बेहतर निष्पादन के लिए भी लगातार काम कर रहे हैं।

सम्पादकीय...
ओपन सर्च

सत्य, न्याय एवं सदाचार के प्रतीक श्रीराम

अयोध्या में पांच अगस्त को श्रीराम मंदिर का भूमि पूजन हो गया है और बहुत लंबे इंतजार के बाद आखिरकार अब भगवान श्रीराम की जन्मभूमि अयोध्या में राममंदिर निर्माण का करोड़ों देशवासियों का सपना साकार होने जा रहा है। अयोध्या में राममंदिर को लेकर कुछ पक्षों द्वारा जानबूझकर बेवजह का विवाद खड़ा किया जाता रहा जबकि तमाम हिन्दू पौराणिक ग्रंथों में अयोध्या नगरी के अस्तित्व और वहीं पर भगवान श्रीराम के जन्म लेने का स्पष्ट उल्लेख मिलता है। सुप्रीम कोर्ट में लंबे समय तक चले मामले की सुनवाई के बाद कोर्ट के आदेश पर ही अब अयोध्या में भव्य राममंदिर का निर्माण होगा। राममंदिर निर्माण को लेकर देशवासियों में उत्साह का प्रमुख कारण यही है कि श्रीराम इस देश की बहुसंख्यक आबादी के आराध्यदेव हैं। श्रीराम न सिर्फ हिन्दुओं अथवा भारतवासियों के लिए परम पूजनीय हैं बल्कि दुनिया के अनेक देशों के लोग भी उन्हें भगवान और मर्यादा पुरूषोत्तम के रूप में मान्यता प्रदान करते हुए पूजते रहे हैं। वे भारत की पहचान और राष्ट्रीय के प्रतीक हैं। लॉकडाउन के दौरान दूरदर्शन पर प्रसारित की गई 'रामायण' देखने के बाद तो नई पीढ़ी के बच्चे भी मर्यादा पुरूषोत्तम श्रीराम के पावन चरित्र के मुरीद हो गए।

दरअसल श्रीराम के आदर्श, उनका अनुकरणीय और आज्ञापालक चरित्र तथा रामायण काल के अन्य सभी पात्रों की अपार निष्ठा, भक्ति, प्रेम, त्याग एवं समर्पण अपने आप में अनुपम है और नई पीढ़ी को धर्म एवं आदर्शों की प्रेरणा देने के साथ-साथ उसमें जागरूकता का संचार करने के लिए भी पर्याप्त है। वाल्मिकी रामायण के अनुसार, ''भगवान श्रीराम चन्द्रमा के समान अति सुंदर, समुद्र के समान गंभीर और पृथ्वी के समान अत्यंत धैर्यवान थे तथा इतने शील सम्पन्न थे कि दुखों के आवेश में जीने के बावजूद कभी किसी को कटु वचन नहीं बोलते थे। वे अपने माता-पिता, गुरूजनों, भाईयों, सेवकों, प्रजाजनों अर्थात् हर किसी के प्रति अपने स्नेहपूर्ण दायित्वों का निर्वाह किया करते थे। माता-पिता के प्रति कर्त्तव्य पालन एवं आज्ञा पालन की भावना तो उनमें कूट-कूटकर भरी थी। उनकी कठोर से कठोर आज्ञा के पालन के लिए भी वह हर समय तत्पर रहते थे।''श्रीराम का चरित्र बेहद उदार प्रवृत्ति का था। उन्होंने उस अहिल्या का भी उद्धार किया, जिसे उसके पति ने देवराज इन्द्र द्वारा छलपूर्वक उसका शीलभंग किए जाने के कारण पतित घोषित कर पत्थर की मूर्त बना दिया था। जिस अहिल्या को निर्दोष मानकर किसी ने नहीं अपनाया, उसे भगवान श्रीराम ने अपनी छत्रछाया प्रदान की। लोगों को गंगा नदी पार कराने वाले एक मामूली से नाविक केवट की अपने प्रति अपार श्रद्धा व भक्ति से प्रभावित होकर भगवान श्रीराम ने उसे अपने छोटे भाई का दर्जा देकर मोक्ष भी प्रदान किया। अपनी परम भक्त शबरी नामक भीलनी के झूठे बेर खाकर शबरी का कल्याण किया। महारानी केकैयी ने जब महाराजा दशरथ से राम को 14 वर्ष का वनवास और उनके लाड़ले पुत्र भरत को श्रीराम की जगह राजगद्दी सौंपे जाने का वचन मांगा तो दशरथ विकट धर्मसंकट में फंस गए थे। वे बिना किसी कारण राम को 14 वर्ष के लिए वनों में भटकने के लिए भला कैसे कह सकते थे और श्रीराम में तो वैसे भी उनके प्राण बसते थे। दूसरी ओर वचन का पालन करना रघुकुल की मर्यादा थी। ऐसे में जब श्रीराम को माता केकैयी द्वारा यह वचन मांगने और अपने पिता महाराज दशरथ के इस धर्मसंकट में फंसे होने का पता चला तो उन्होंने खुशी-खुशी उनकी यह कठोर आज्ञा भी सहज भाव से शिरोधार्य की और उसी समय 14 वर्ष का वनवास भोगने तथा छोटे भाई भरत को राजगद्दी सौंपने की तैयारी कर ली। श्रीराम द्वारा लाख मना किए जाने पर भी उनकी पत्नी सीता जी और अनुज लक्ष्मण भी उनके साथ वनों में निकल पड़े। वास्तव में विधि के विधान के अनुसार राम को दुष्ट राक्षसों का विनाश करने के लिए ही वनवास मिला था। उन्होंने अपने मानव अवतार में न तो भगवान श्रीकृष्ण की भांति रासलीलाएं खेली और न ही कदम-कदम पर चमत्कारों का प्रदर्शन किया बल्कि उन्होंने सृष्टि के समक्ष अपने क्रियाकलापों के जरिये ऐसा अनुकरणीय उदाहरण प्रस्तुत किया, जिसकी वजह से उन्हें 'मर्यादा पुरूषोत्तम' कहा गया।

राम-रावण के बीच हुए भीषण युद्ध की बात की जाए तो वह केवल दो राजाओं के बीच का सामान्य युद्ध नहीं था बल्कि दो विचारधाराओं का संघर्ष था, जिसमें एक मानव संस्कृति थी तो दूसरी राक्षसी संस्कृति। एक ओर क्षमादान की भावना को महत्व देने वाले और जनता के दुख-दर्द को समझने एवं बांटने वाले वीतरागी भाव थे तो दूसरी ओर दूसरों का सब कुछ हड़प लेने की राक्षसी प्रवृत्ति। रावण अन्याय, अत्याचार व अनाचार का प्रतीक था तो श्रीराम सत्य, न्याय एवं सदाचार के। यही नहीं, सीता जी के अपहरण के बाद भी श्रीराम ने अपनी मर्यादाओं को कभी तिलांजलि नहीं दी। इसलिए भी उन्हें मर्यादा पुरूषोत्तम कहा जाता है। मर्यादा पुरूषोत्तम श्रीराम में सभी के प्रति प्रेम की अगाध भावना कूट-कूटकर भरी थी। उनकी प्रजा वात्सल्यता, न्यायप्रियता और सत्यता के कारण ही उनके शासन को आज भी 'आदर्श' शासन की संज्ञा दी जाती है और आज भी अच्छे शासन को 'रामराज्य' कहकर ही परिभाषित किया जाता है। 'रामराज्य' यानी सुख, शांति एवं न्याय का राज्य। तो ऐसे थे मर्यादा पुरूषोत्तम श्रीराम, जिनकी जन्मभूमि पर भव्य मंदिर निर्माण की प्रक्रिया शुरू होने को लेकर आज करोड़ों देशवासी उत्साहित हैं।

युवा संकल्प एवं हौसलों को नये पंख मिले

ललित गर्ग

आज भारत में ऐसी युवाक्रांति घटित होने को तत्पर हैं, जिससे युवकों की जीवनशैली में रचनात्मक परिवर्तन आएंगे, हिंसा-आतंक-विध्वंस की राह को छोड़कर वे निर्माण की नयी पगडंडियों पर अग्रसर हो सकेंगे। क्योंकि युवा क्रांति का प्रतीक है, ऊर्जा का स्रोत है, इस क्रांति एवं ऊर्जा का उपयोग रचनात्मक एवं सृजनात्मक हो, इसी ध्येय से सारी दुनिया प्रतिवर्ष 12 अगस्त को अन्तर्राष्ट्रीय युवा दिवस मनाती है और भारत के लिये यह दिवस इसलिये विशेष महत्वपूर्ण है, क्योंकि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी युवाओं के बल पर ही आत्मनिर्भर भारत के सपने को आकार देने को तत्पर है।

सन् 2000 में अंतर्राष्ट्रीय युवा दिवस का आयोजन आरम्भ किया गया था। यह दिवस मनाने का मतलब है कि युवाशक्ति का उपयोग विध्वंस में न होकर निर्माण में हो। पूरी दुनिया की सरकारें युवा के मुद्दों और उनकी बातों पर ध्यान आकर्षित करे। न केवल सरकारें बल्कि आम-जनजीवन में भी युवकों की स्थिति, उनके सपने, उनका जीवन लक्ष्य आदि पर चर्चाएं हो। युवाओं की सामाजिक, आर्थिक, सांस्कृतिक और राजनीतिक स्तर पर भागीदारी सुनिश्चित की जाए। इन्हीं मूलभूत बातों को लेकर यह दिवस मनाया जाता है। स्वामी विवेकानन्द ने भारत के नवनिर्माण के लिये मात्र सौ युवकों की अपेक्षा की थी। क्योंकि वे जानते थे कि युवा 'विजनरी' होते हैं और उनका विजन दूरगामी एवं बुनियादी होता है। उनमें नव निर्माण करने की क्षमता होती है। नया भारत निर्मित करते हुए नरेन्द्र मोदी भी इसी युवाशक्ति के बल पर भारत को विश्वगुरु एवं दुनिया की एक महाशक्ति बनाने को अग्रसर है। कोरोना जैसी महाव्याधि को परास्त करने के संघर्ष में जुटी शक्तियां देश को सशक्त बनाने में भी जुटी है, जिसमें युवाओं के संकल्प एवं हौसलों की उड़ान ने नये पंख दिये हैं।

आज का युवा सचमुच आत्मनिर्भर होने को व्याकुल है, छटपटा रहा है। वह केवल ख्याली आत्मनिर्भरता से सराबोर नहीं है, बल्कि करियर की रेस में सबको पीछे छोड़ देने को बेचैन, एक गैर राजनीतिक प्राणी है, जिसकी देशभक्ति अपने उफान पर है जब श्रीराम मन्दिर के शिलान्यास का दृश्य हो या कश्मीर के निर्माण की बात, वह इतना भावुक भी है कि इन्हीं संवेदनशील अवसरों पर वह सोशल मीडिया पर अपनी रचनात्मक सक्रियता को प्रदर्शित करते हुए संकल्पबद्ध होता है, भारत को विश्व गुरु बनने को अग्रसर या अपनी सांस्कृतिक पहचान को संकट उबारने को। प्रेम, विवाह, परिवार के नए आयाम गढ़ता या भीड़ में अकेला या भीड़ में रचा-बसा। थोड़ा-थोड़ा शायद यह सब सच है। कथित उदारीकरण ने

जब पूरी दुनिया पर असर डाला है तो उसने उस पीढ़ी को क्यों नहीं प्रभावित किया होगा जो इसी के छाते तले पली बढ़ी है। आज युवा बहुमत में हैं। आज वह सिर्फ उपभोक्ता ही नहीं बाजार निर्माता भी है। बड़ी-बड़ी कंपनियां उसी के मुताबिक नए-नए प्रोडक्ट लांच कर रही हैं। राजनीतिक दल भी उसे लुभाने में लगे हैं। विभिन्न राजनीतिक दलों को उसमें राष्ट्र निर्माता के दर्शन होते हैं, लेकिन ऐसा राष्ट्र निर्माता जो वोट बैंक के तौर पर उन्हें मजबूत तो करें, परन्तु नेताओं की औलादों के राजनीतिक विरासत के आरक्षित प्राकृतिक अधिकार पर आंखें न गड़ाए। शिक्षित सामान्य युवा अगर राजनीति में सक्रिय नहीं है तो उसका क्या दोष?

युवा किसी भी देश का वर्तमान और भविष्य हैं। वो देश की नींव हैं, जिस पर देश की प्रगति और विकास निर्भर करता है। लेकिन आज भी बहुत से ऐसे विकसित और विकासशील राष्ट्र हैं, जहाँ नौजवान ऊर्जा व्यर्थ हो रही है। कई देशों में शिक्षा के लिए जरूरी आधारभूत संरचना की कमी है तो कहीं प्रछन्न बेरोजगारी जैसे हालात हैं। इन स्थितियों के बावजूद युवाओं को एक उन्नत एवं आदर्श जीवन की ओर अग्रसर करना वर्तमान की सबसे बड़ी जरूरत है। युवा सपनों को आकार देने का अर्थ है सम्पूर्ण मानव जाति के उन्नत भविष्य का निर्माण। यह सच है कि हर दिन के साथ जीवन का एक नया लिफाफा खुलता है, नए अस्तित्व के साथ, नए अर्थ की शुरूआत के साथ, नयी जीवन दिशाओं के साथ। हर नई आंख देखती है इस संसार को अपनी ताजगी भरी नजरों से। इनमें जो सपने उगते हैं इन्हीं में नये समाज की, नयी आदमी की नींव रखी जाती है। यौवन को प्राप्त करना जीवन का सौभाग्य है। युवाशक्ति जितनी विराट् और उपयोगी है, उतनी ही खतरनाक भी है। इस परिप्रेक्ष्य में युवाशक्ति का रचनात्मक एवं सृजनात्मक उपयोग करने की जरूरत है। गांधीजी से एक बार पूछा गया कि उनके मन की आश्वस्ति और निराशा का आधार क्या है? गांधीजी बोले- 'इस देश की मिट्टी में अध्यात्म के कण हैं, यह मेरे लिये सबसे बड़ा आश्वासन है। पर इस देश की युवापीढ़ी के मन में करुणा का स्रोत सूख रहा है, यह सबसे बड़ी चिन्ता का विषय है।' गांधीजी की यह चिन्ता सार्थक थी। क्योंकि किसी भी देश का भविष्य उसकी युवापीढ़ी होती है। यह जितनी जागरूक, तेजस्वी, प्रकाशवान, चरित्रनिष्ठ और सक्षम होगी, भविष्य उतना ही समुज्ज्वल और गतिशील होगा।

मूल प्रश्न है कि क्या हमारे आज के नौजवान भारत को एक सक्षम देश बनाने का स्वप्न देखते हैं? या कि हमारी वर्तमान युवा पीढ़ी केवल उपभोक्तावादी संस्कृति से जन्मी आत्मकेन्द्रित पीढ़ी है? दोनों में से सच क्या है? दरअसल हमारी युवा पीढ़ी महज स्वप्नजीवी पीढ़ी नहीं है, वह रोज यथार्थ से जूझती है, उसके सामने भ्रष्टाचार, आरक्षण का बिगड़ता स्वरूप, महंगी होती जाती शिक्षा, कैरियर की चुनौती और उनकी नैसर्गिक प्रतिभा को कुचलने की राजनीति विसंगतियां जैसी तमाम विषमताओं और अवरोधों की ढेरों समस्याएं भी हैं। उनके पास कोरे स्वप्न ही नहीं, बल्कि आंखों में किरकिराता सच भी है। इन जटिल स्थितियों से लोहा लेने की ताकत युवक में ही हैं। क्योंकि युवक शब्द क्रांति का प्रतीक है।

विचारों के नभ पर कल्पना के इन्द्रधनुष टांगने मात्र से कुछ होने वाला नहीं है, बेहतर जिंदगी जीने के लिए मनुष्य को संघर्ष आमंत्रित करना होगा। वह संघर्ष होगा विश्व के सार्वभौम मूल्यों और मानदंडों को बदलने के लिए। सत्ता, संपदा, धर्म और जाति के आधार पर मनुष्य का जो मूल्यांकन हो रहा है मानव जाति के हित में नहीं है। दूसरा भी तो कोई पैमाना होगा, मनुष्य के अंकन का, पर उसे काम में नहीं लिया जा रहा है। क्योंकि उसमें अहं को पोषण देने की सुविधा नहीं है। क्योंकि वह रास्ता जोखिम भरा है। क्योंकि उस रास्तें में व्यक्तिगत स्वार्थ और व्यामोह की सुरक्षा नहीं है। युवापीढ़ी पर यह दायित्व है कि संघर्ष को आमंत्रित करे, मूल्यांकन का पैमाना बदले, अहं को तोड़े, जोखिम का स्वागत करे, स्वार्थ और व्यामोह से ऊपर उठे।

युवा दिवस मनाने का मतलब है-एक दिन युवकों के नाम। इसका सबसे पहला लाभ तो यही है कि संसार भर में एक वातावरण बन रहा है युवापीढ़ी को अधिक सक्षम और तेजस्वी बनाने के लिए। भारत में नरेन्द्र मोदी की इस दृष्टि से सोच एवं सक्रियता युवकों को नये आयाम दे रही है, जो समूची दुनिया के लिये भी प्रेरणादायी है। विशेषतः राजनीति में युवकों की सकारात्मक एवं सक्रिय भागीदारी को सुनिश्चित करने की जरूरत को महसूस करते हुए कदम उठाये जायें। युवकों के लिये भी जरूरी है कि वे जोश के साथ होश कायम रखे। वे अगर ऐसा कर सके तो भविष्य उनके हाथों संवर सकता है। इसीलिये सुकरात को भी नवयुवकों पर पूरा भरोसा था। वे जानते थे कि नवयुवकों का दिमाग उपजाऊ जमीन की तरह होता है। उन्नत विचारों का जो बीज बो दें तो वही उग आता है।

युवी पीढ़ी पर नशीले पदार्थ की पकड़ मजबूत

ज्योति मांझी

opensearch

किसी भी देश का युवा उसके विकास का सशक्त आधार होता है। युवाओं का देश के विकास में अहम् रोल होता है और वे देश की अर्थव्यवस्था को संभालकर रखते है। हमारे भारत को भी युवाओं का देश कहा जाता है, ये देश और समाज को नए शिखर पर ले जाते हैं। आज के समय में हर क्षेत्रा राजनीति, सिनेमा, इंजीनियर, डॉक्टर, और डिफेंस आदि में ज्यादातर युवाओ का समर्पण है। वह गहन ऊर्जा और उच्च महत्वाकांक्षाओं से भरे हुए होते हैं। उनके आंखों में हमेशा भविष्य के बड़े-बड़े सपने होते हैं। वह समाज को बेहतर बनाने और राष्ट्र के निर्माण में सर्वाधिक योगदान देने का प्रयास करते है, लेकिन जब यही युवा अपनी सामाजिक और राजनीतिक जिम्मेदारियों को भूलकर विलासिता के कार्यों में लिप्त हो जाता है तो देश बर्बादी की ओर बढ़ जाता है। जिस युवा पीढ़ी के बल पर भारत विकास के पथ पर प्रगतिशील होने का दंभ भर रहा है, उस युवा पीढ़ी में नशे की सेंध लग रही है, जो दिन ब दिन युवा पीढ़ी में अपने पैर पसार रहा है और युवा नशे की गिरफ्त में आ रहे है,जो अत्यंत ही चिंता का विषय है। हमारे देश में ही नहीं पूरी दुनिया में युवा पीढ़ी पर नशीले पदार्थों की पकड़ लगातार मजबूत हो रही है। युवतियों में ड्रग्स स्टेटस सिंबल बन जाने से इस बुराई की समाप्ति की मुश्किल बढ़ती जा रही है। स्कूल, कालेज नशे से अछूते नहीं हैं।

युवाओं में नशा अब इस कदर हावी हो गया है कि नशा अब मौजमस्ती का नहीं अपितु आज की युवा पीढ़ी के लिए आवश्यकता बन गया है। चाइल्ड लाइन इंडिया फॉउन्डेशन रिपोर्ट के मुताबिक देश में 65 प्रतिशत नशाखोरी से वे युवा ग्रस्त है,जिनकी उम्र 18 वर्ष से भी कम है। सरकारी आकड़ों के हिसाब से देश की 70 से 75 प्रतिशत आबादी किसी न किसी प्रकार का नशा करती है। जिसमे सिगरेट,शराब व गुटखा की ओर युवा सबसे ज्यादा आकर्षित हो रहे है और तीन में से एक युवा किसी न किसी प्रकार के नशे का आदी है। एक सर्वेक्षण के मुताबिक देश में हर रोज लगभग 5500 युवा तम्बाकू उत्पाद का सेवन करने वालों की श्रेणी में जुड़ रहे हैं। तंबाकू का उपयोग 48 प्रतिशत चबाने, 38 प्रतिशत बीड़ी एवं 14 प्रतिशत सिगरेट के रूप में होता है। उसमें सबसे ज्यादा 86 प्रतिशत तंबाकू सूखी, खैनी, जर्दा के रूप में इस्तेमाल होती है। नशे के सेवन में महिलायें भी पीछे नहीं रह रही है,भारत में 12 करोड़ लोग धूम्रपान करते है,जिसमे 20 प्रतिशत महिलाएं धूम्रपान करती है। सिगरेट पीने के मामले में भारत की लड़कियां और औरतें अमेरिका के बाद पूरी दुनिया में दूसरे नंबर पर हैं।

वाशिंगटन यूनिवर्सिटी ने 1980 से 2012 तक 185 देशों में सिगरेट पीने वालों पर एक लंबा-चौड़ा रिसर्च करने के बाद बताया है कि महिला स्मोकर्स के मामले में भारत दुनिया में दूसरे नंबर पर है। 1980 में भारत में करीब 53 लाख महिलाएं सिगरेट पी रही थीं जो संख्या 2012 में बढ़कर 1 करोड़ 27 लाख तक पहुंच गई। इसके अलावा शराब का सेवन भी भारतीय युवाओं में तेजी से फैल रहा जिससे महिलाएं भी अछूती नहीं रही है। पैरिस के ऑर्गनाइजेशन फार इकोनोमिक कोआप्रेशन एंड डिवैल्पमैंट द्वारा अमेरिका, चीन, जापान, रूस, ब्रिटेन, फ्रांस व जर्मनी सहित 40 देशों में शराबनोशी के हानिकारक प्रभाव संबंधी अध्ययन किया गया, जिसमें सामने आया है कि 1992 से 2012 तक मात्र 20 वर्षों में ही भारत में शराब के उपयोग में 55 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की गई है। 20 साल पहले जहाँ 300 लोगों में से एक व्यक्ति शराब का सेवन करता था, वहीं आज 20 में से एक व्यक्ति शराब सेवन कर रहा है। परंतु महिलाओं में इस प्रवृत्ति का आना समस्या की गंभीरता दर्शाता है। पिछले दो दशकों में मद्यपान करने वाली महिलाओं की संख्या में तेजी से वृद्धि हुई है। विशेष कर उच्च तथा उच्च मध्यम वर्ग की महिलाओं में यह एक फैशन के रूप में आरंभ होता है और फिर धीरे-धीरे आदत में शुमार होता चला जाता है। महिलाओं में मद्यपान की बढ़ती प्रवृत्ति के संबंध में किए गए सर्वेक्षण दर्शाते हैं कि करीब 40 प्रतिशत महिलाएँ इसकी गिरफ्त में आ चुकी हैं।

विश्व स्वास्थ्य संगठन की रिपोर्ट के मुताबिक लगभग 30 प्रतिशत भारतीय शराब का सेवन करते हैं जिनमें से लगभग 13 प्रतिशत प्रतिदिन शराब पीने वाले हैं और इनमें से 50 प्रतिशत बुरी तरह शराबखोरी की लत के शिकार हैं। युवाओं में नशा सिर्फ सिगरेट व शराब सीमित नहीं रहा बल्कि वर्तमान समय में कोकीन ,हेरोइन ,गांजा ,चरस ,नशीली दवाइयाँ आदि का नशा युवाओं को तेजी अपनी गिरफ्त में ले रहा है। सरकारी आकड़ो के अनुसार, देश में 50 लाख युवा हेरोइन जैसे नशे के आदी है। हेरोइन की तरह युवाओं में नशीली दवाइयों का सेवन भी नशे के रूप में तेजी से बढ़ रहा है। भारत की आबादी का बहुत बड़ा हिस्सा, एक करोड़ सात लाख लोग नशीली दवाइयों का सेवन ही नहीं करते है बल्कि इसके पूर्णतया आदी हो चुके है। जिसमें पंजाब,असम ,उत्तर प्रदेश समेत कई राज्यों में बड़ी संख्या में लोग आदी है। चूंकि अब कोरोना वायरस महामारी का दौर चल रहा हैं। ऐसे में हजारों युवा बेरोजगार हो गए हैं, उनके पास अपना गुजारा कर पाना मुश्किल हो रहा है। पैसा नहीं होने वजह से उन्हें शौक पूरें करना तो दूर खाना तक नसीब नहीं हो पा रहा हैं। ऐसे में युवाओं ने अपराध करने की ओर कदम बढ़ा लिया है। वह अब अपने जीवन का गुजारा करने के लिये चोरी-चकारी, लूटपाट, मारपीट जैसे हिंसात्मक काम करने लगे हैं। भारत देश में हर दिन युवाओं द्वारा अपराध करने के मामले सामने आ रहे हैं। ऐसी स्थिति में सरकार को युवाओं के मुद्दों और उनकी बातों पर ध्यान आकर्षित करने और उन्हें उचित मार्गदर्शन देकर देश की उन्नति में भागीदार बनाने की जरुरत है। इस कोरोना महामारी के कारण दुनिया भर में गंभीर आर्थिक और सामाजिक प्रभाव हुए हैं। महामारी के कारण होने वाले अवरोधों के लिए युवा विशेष रूप से कमजोर हैं। इन परिस्थितियों में आर्थिक और सामाजिक हस्तक्षेप के विकास में युवाओं से परामर्श लिया जाए।

सेज को प्रभावी बनाना जरूरी

डा. जयंतीलाल भंडारी

यकीनन इस समय चीन को आर्थिक मोर्चे पर टक्कर देने के लिए सरकार के द्वारा देश में मैन्युफैक्चरिंग सेक्टर को अधिकतम प्रोत्साहन और निर्यात में तेज वृद्धि की जाना जरूरी है। इस परिप्रेक्ष्य में देश में कार्यरत विशेष आर्थिक क्षेत्र यानी स्पेशल इकोनॉमिक जोन (सेज) को प्रभावी बनाया जाना आवश्यक दिखाई दे रहा है। गौरतलब है कि कोविड-19 के बीच दुनिया में चीन के प्रति बढ़ी हुई नकारात्मकता के मद्देनजर इस समय वैश्विक निर्यात बाजार में भारत के कदम आगे बढ़ाने तथा चीन से निकलती वैश्विक निर्यातक कंपनियों को भारत की ओर आकर्षित करने के लिए सेज का अधिकतम उपयोग किया जाना होगा। साथ ही तटीय आर्थिक क्षेत्र (सीईजेड) की नई स्थापना को मूर्तरूप दिया जाना होगा। ऐसा किए जाने पर भारत वैश्विक मैन्युफैक्चरिंग और वैश्विक निर्यात के हब के रूप में उभरकर दिखाई दे सकता है।

नि:संदेह भारत के अब तक निर्यात मोर्चे पर पीछे रहने के मद्देनजर एक बड़ा कारण सेज का अपने मकसद में कामयाब नहीं होना भी है। हाल ही में प्रकाशित विदेश व्यापार संबंधी आंकड़ों के अनुसार वित्त वर्ष 2019-20 में देश से किया गया निर्यात 314 अरब डॉलर का रहा है, जो लक्ष्य से बहुत कम है। गौरतलब है कि देश में वर्ष 2000 से शुरू हुई सेज की अवधारणा का मकसद निर्यात आधारित इकाइयों को विशेष प्रोत्साहन देना है। निर्यात को बढ़ाने के साथ-साथ अर्थव्यवस्था को गति देने और रोजगार के अवसर बढ़ाना भी सेज का प्रमुख उद्देश्य है। सेज के तहत निर्यात आधारित उद्योगों को न्यूनतम कागजी कार्यवाही और नियमों के साथ अच्छे इन्फ्रास्ट्रक्चर और आकर्षक वित्तीय सुविधाएं देने की व्यवस्था की गई है। सेज का मकसद घरेलू और विदेशी निवेशकों को आकर्षित करना है। ज्ञातव्य है कि देश में मार्च 2020 के अंत तक 238 सेज के तहत 5000 से अधिक औद्योगिक इकाइयां काम कर रही हैं, जिनमें 21 लाख से अधिक लोग काम कर रहे हैं।

सेज में करीब 5.37 लाख करोड़ रुपए का निवेश किया गया है। पिछले वित्त वर्ष 2019-20 में सेज इकाइयों से करीब 7.85 लाख करोड़ रुपए का निर्यात किया गया था। विभिन्न अध्ययन रिपोर्टों में पाया गया है कि सेज से निर्यात बढ़ाने के लक्ष्य की प्राप्ति असंतोषजनक रही है। भारतीय वाणिज्य एवं उद्योग मंडल (एसोचैम) की सेज से संबंधित एक रिपोर्ट के मुताबिक देश में जितने सेज हैं, उनमें आधे से अधिक बेकार पड़े हैं और निर्यात बढ़ाने में सेज अधिक उपयोगिता सिद्ध नहीं कर पाए हैं। यदि हम सेज के अब तक के कार्यकलापों का अध्ययन करें तो पाते हैं कि बड़ी संख्या में सेज की अधिसूचना रद्द किए जाने तथा अधिसूचित सेजों के खाली पड़े रहने का कारण इसके तहत दिए जाने वाले कर लाभ एवं छूट को लेकर नीतियों की अस्थिरता प्रमुख कारण है।

यदि हम पिछले पांच वर्षों के बजट प्रावधानों को देखें तो पाते हैं कि सेज के लिए अनुकूल प्रावधान नहीं होने से सेज से निर्यात वृद्धि के लक्ष्य पूरे नहीं हो सके। नि:संदेह इस समय सेज के अच्छे प्रस्तुतीकरण से भारत के लिए फिनिश्ड उत्पादों के नए हब बनने और देश से निर्यात बढ़ाने की संभावनाओं को साकार किया जा सकता है। हाल ही में प्रख्यात वैश्विक कंपनी ब्लूमबर्ग के द्वारा प्रकाशित रिपोर्ट के मुताबिक कोरोना वायरस महामारी के कारण चीन के प्रति नाराजगी से चीन में कार्यरत कई वैश्विक निर्यातक कंपनियां अपने मैन्युफैक्चरिंग का काम पूरी तरह या आंशिक रूप से चीन से बाहर स्थानांतरित करने की तैयारी कर रही हैं।

रिपोर्ट में कहा गया है कि चीन से बाहर निकलती कंपनियों को आकर्षित करने के लिए भारत इन्हें बिना किसी परेशानी के जमीन मुहैया कराने पर काम कर रहा है। खासतौर से जापान, अमरीका, दक्षिण कोरिया और ब्रिटेन की कई कंपनियां भारत को प्राथमिकता देते हुए दिखाई दे रही हैं। ये चारों देश भारत के टॉप-10 ट्रेडिंग पार्टनर्स में शामिल हैं। चूंकि इस समय दुनिया में दवाओं सहित कृषि, प्रोसेस्ड फूड, गारमेंट, जेम्स व ज्वैलरी, लेदर एवं लेदर प्रोडक्ट, कारपेट और इंजीनियरिंग प्रोडक्ट जैसी कई वस्तुओं के निर्यात की अच्छी संभावनाएं हैं। अतएव ऐसे निर्यात क्षेत्रों के लिए सरकार के रणनीतिक प्रयत्न लाभप्रद होंगे।

इसमें कोई दो मत नहीं है कि भारतीय फार्मा उद्योग पूरी दुनिया में अहमियत रखता है। भारत अकेला एक ऐसा देश है जिसके पास यूएसएफडीए के मानकों के अनुरूप अमरीका से बाहर सबसे अधिक संख्या में दवा बनाने के प्लांट हैं। यहां यह भी उल्लेखनीय है कि भारत के आईफोन मैन्युफैक्चरिंग और इसके निर्यात क्षेत्र में आगे बढ़ने की संभावनाएं तेजी से बढ़ती जा रही हैं। आईफोन बनाने वाले दुनिया के दो बड़े कॉन्ट्रेक्टर्स फॉक्सकॉन और विस्ट्रॉन ने भारत सरकार की ओर से घोषित प्रोडक्शन लिंक्ड इंसेंटिव (पीएलआई) योजना में आवेदन किया है।

ऐसे में सरकार के द्वारा इन्हें अनुमति दी जाने पर भारत आईफोन का सबसे बड़ा हब बन सकता है और भारत से इसके निर्यात तेजी से बढ़ाए जा सकते हैं। नि:संदेह दुनिया के निर्यात बाजार में चीन को टक्कर देने के लिए जहां एक ओर सेज को प्रभावी बनाना होगा, वहीं दूसरी ओर बंदरगाहों के आसपास सीईजेड की नई स्थापना को मूर्तरूप दिया जाना होगा। कई रिपोर्टों में यह पाया गया है कि सेज के उत्पादन को किसी नजदीकी बंदरगाह तक ले जाने में लॉजिस्टिक और कनेक्टिविटी की बड़ी समस्या आती है।

ऐसे में यदि देश के पूर्वी और पश्चिमी तटों पर दो-दो, तीन-तीन सीईजेड को उपयुक्त बुनियादी ढांचे के साथ विकसित किया जाए तो इससे लॉजिस्टिक्स और कनेक्टिविटी की समस्या काफी सीमा तक दूर हो सकती है। सीईजेड के कारण विदेशों से कच्चे माल के आयात तथा विदेशों के लिए तैयार माल के निर्यात में आसानी हो सकती है। विश्व के अनेक देशों के साथ कारोबार बढ़ाने का अवसर भी मिल सकता है। इससे निर्यात बढ़ाने, अधिक प्रत्यक्ष विदेशी निवेश प्राप्त करने तथा रोजगार के अवसर बढ़ाने में भी मदद मिल सकती है।

निश्चित रूप से देश से निर्यात बढ़ाने के लिए सरकार के द्वारा एक ओर चीन को भेजे जा रहे कच्चे माल के निर्यात पर सख्ती की जाए, जरूरत पड़ने पर उन पर उपकर भी लगाए जाएं तथा दूसरी ओर ऐसे कच्चे माल पर आधारित उत्पादन को अधिकतम प्रोत्साहन दिए जाएं और उनके निर्यात बाजार में नई उपस्थिति दर्ज कराई जाए। इसी तरह पूरी दुनिया के कई देशों में चीन के प्रति फैली नकारात्मकता का फायदा लेते हुए उन देशों में उपयोग किए जा रहे विभिन्न चीनी सामानों के विकल्प बनाने के लिए भारतीय सामानों को गुणवत्ता के साथ आगे बढ़ाने के अधिकतम प्रयास किए जाने चाहिए।

खास तौर से अमरीका, यूरोपीय संघ, जापान, कनाडा, ऑस्ट्रेलिया, दक्षिण कोरिया और न्यूजीलैंड जैसे देशों में भारतीय उत्पाद चीनी सामानों का स्थान ले सकते हैं। इन देशों में भारत विभिन्न वस्तुओं मसलन रेडिमेड गारमेंट, टेक्सटाइल, लेदर आदि का निर्यात सरलतापूर्वक बढ़ा सकता है। हम उम्मीद करें कि सरकार सेज को उपयोगी बनाने, देश में आधे से ज्यादा बेकार पड़े सेज को सक्रिय बनाने तथा सीईजेड की शीघ्रतापूर्वक नई स्थापनाओं की डगर पर आगे बढ़ेगी।

(लेखक विख्यात अर्थशास्त्री है)

संक्षिप्त समाचार

मिस्र ने अल जजीरा के पत्रकार हुसैन की कैद की अवधि 45 दिन बढ़ाई

काहिरा। मिस्र में अधिकारियों ने अल जजीरा के पत्रकार मोहम्मद हुसैन की कारावास की अवधि सोमवार को 45 दिनों के लिए बढ़ा दी। श्री हुसैन मिस्र के निवासी हैं और दिसंबर 2016 से कारावास में हैं। उन पर सरकारी संस्थानों के खिलाफ लोगों को उकसाने तथा अराजकता फैलाने के उदेश्य से झूठी खबरें प्रसारित करने का आरोप है, हालांकि उन्होंने (श्री हुसैन) और अल जजीरा मीडिया नेटवर्क ने इससे इनकार किया है। श्री हुसैन मिस्र में निजी दौरे पर जब 2016 में मिस्र आए थे, तो उन्हें गिरफ्तार कर लिया गया था और तब से वह 1300 दिन से अधिक जेल में बिता चुके हैं। कतर की राजधानी दोहा स्थित अल जजीरा न्यूज चौनल ने श्री हुसैन की रिहाई के लिए दुनियाभर में अभियान चला रहा है। मिस्र की एक अदालत ने पिछले साल मई में श्री हुसैन को रिहा करने का आदेश दिया था, जिसे सरकारी अभियोजक ने खारिज कर दिया था और अनिर्दिष्ट आरोपों के लिए नई जांच शुरू कर उन्हें (श्री हुसैन) फिर से जेल में डाल दिया था। अल जजीरा ने श्री हुसैन की कारावास को मिस्र के दंड संहिता का उल्लंघन में बताया है। मिस्र में किसी अपराध की जांच लिए किसी भी व्यक्ति को अधिकमत 620 दिनों तक हिरासत में रखने का प्रावधान है।

मलेशिया के पूर्व वित्त मंत्री पर रिश्वत मामले में फिर से लगे आरोप

पेनांग (मलेशिया)। मलेशिया के पूर्व वित्त मंत्री ने समुद्र के भीतर सुरंग बनाने की परियोजना से जुड़े 1.5 अरब डॉलर की रिश्वत के दूसरे आरोप में सोमवार को खुद को निर्दोष बताया और इसे नई सरकार की ओर से बनाया एक फर्जी मामला करार दिया। लिम ग्वान इंग पर सबसे पहले शुक्रवार को आरोप लगाया गया। आरोप में उन पर 2011 में उत्तरी पेनांग राज्य से जुड़ी परियोजना में संभावित लाभ का 10 फीसदी मांगने का आरोप लगाया गया। सोमवार को उन पर आरोप लगा है कि उन्होंने पेनांग के मुख्यमंत्री के रूप में अपनी शक्ति का इस्तेमाल एक स्थानीय कंपनी को ठेका दिलाने में मदद करके 7,86,182 डॉलर हासिल करने में किया। इस परियोजना को लिम के पेनांग के मुख्यमंत्री रहने के दौरान मंजूरी मिली। वह मलेशिया का वित्त मंत्री बनने से पहले 2008-2018 के बीच यहां मुख्यमंत्री थे। लिम मार्च में सत्ता से बाहर हुई सरकार का हिस्सा थे। उन्होंने कहा कि रिश्वत रोधी अधिकारियों ने उनसे कभी 7,86,182 डॉलर के मामले में पूछताछ नहीं की और न ही ऐसा कोई सबूत है कि उन्होंने रिश्वत ली। उन्होंने इस ओर भी इशारा किया कि इस आरोप में कोई स्पष्ट समय (2011-2017) भी नहीं दिया गया है।

अमेरिका के उत्तर कैरोलाइना में 5.1 तीव्रता का भूकंप

स्पार्टा (अमेरिका)। उत्तर कैरोलाइना में रविवार सुबह आठ बजकर सात मिनट पर 5.1 तीव्रता का भूकंप आया। सौ साल से भी अधिक समय में यह पहली बार है जब यहां भूकंप का इतना तेज झटका आया है। ग्रीनविले में 'नेशनल वेदर सर्विस' ने बताया कि इस झटके के कुछ घंटे पहले एक छोटा झटका आया था। इसमें किसी के घायल होने की खबर नहीं है हालांकि स्पार्टा में कुछ इमारतों को नुकसान पहुंचा, सड़कों में दरारें देखी गईं। सोशल मीडिया पर आई तस्वीरों में दुकानों का सामान नीचे गिरा नजर आया। माइकल हल नाम के एक व्यक्ति ने बताया कि वह घर के पास ही खड़े थे जब उन्होंने हिरणों के झुंड को भागते देखा। उन्होंने बताया कि एक मिनट भी नहीं बीता होगा कि धरती हिलने लगी। केरल बेकर ने कहा, ''अब 2020 में मुझे कुछ भी चौंकाने वाला नहीं लगता। हालांकि एक ही हफ्ते में तूफान और फिर भूकंप, यह कुछ ज्यादा ही है।'' हाल में आया भूकंप वर्जीनिया, दक्षिण कैरोलाइना तथा टेनेसी में भी महसूस किया गया। इससे पहले, राज्य में 1916 में 5.5 तीव्रता का भूकंप आया था।

इजराइल में बनाया जा रहा है 15 लाख डॉलर का सोने का मास्क

मोत्जा (इजराइल)। इजराइल में गहने बनाने वाली एक कम्पनी ने दावा किया है कि वह कोरोना वायरस के लिए दुनिया का सबसे महंगा मास्क बना रही है जिसकी कीमत 15 लाख डॉलर होगी। सोने के इस मास्क में हीरे भी लगे होंगे। डिजाइनर इस्साक लेवी ने बताया कि 18 कैरट सोने से बने इस मास्क में 3,600 काले तथा सफेद हीरे और एन99 फिल्टर लगा है। एक खरीददार की मांग पर इसे बनाया गया है।'यवेल कम्पनी' के मालिक लेवी ने बताया कि क्रेता की दो और मांगें थीं कि यह साल के अंत तक बन जाए और यह विश्व में सबसे महंगा हो।लेवी ने क्रेता की पहचान उजागर करने से मना कर दिया लेकिन इतना जरूर बताया कि वह अमेरिका में रहने वाले एक चीनी उद्योगपति हैं। उन्होंने कहा, ''मैं खुश हूं कि इस मास्क के जरिए इस बेहद चुनौतीपूर्ण समय में मेरे कर्मचारियों को काम मिला।''

यूनान के द्वीप पर तूफान के बाद आई बाढ़ के कारण सात लोगों की मौत

एथेंस। यूनान के इविया द्वीप पर तूफान और उसके बाद बाढ़ आने के कारण सात लोगों की मौत हो गई। मृतकों में एक बुजुर्ग दम्पत्ति तथा आठ महीने का एक बच्चा भी शामिल है। अधिकारियों ने रविवार को बताया कि एक व्यक्ति लापता भी है और बड़ी संख्या में लोग अपने घरों या कारों में बाढ़ के पानी के बीच फंसे हुए हैं। यूनान की मौसम विज्ञान सेवा ने बताया कि इविया के कुछ हिस्सों में 11.8 इंच बारिश हुई जो यहां की सालाना बारिश 14.8 इंच का 80 फीसदी है। पुलिस ने बताया कि बुजुर्ग दम्पत्ति रविवार सुबह पोलितिका के समुद्र किनारे स्थित गांव के अपने घर में बेसुध मिले। उनके घर में बाढ़ का पानी भरा हुआ था। इसी गांव में बच्चा भी एक अपार्टमेंट के भूतल में मिला। अधिकारियों के मुताबिक बच्चे के माता-पिता पर्यटक हैं।

पाकिस्तान में भारी बारिश से 64 लोगों की मौत

इस्लामाबाद। पाकिस्तान में मानसून की भारी बारिश के कारण करीब 64 लोग मारे गए हैं। यह जानकारी राष्ट्रीय आपदा प्रबंधन प्राधिकरण (एनडीएमए) ने दी है। समाचार एजेंसी सिन्हुआ की रिपोर्ट के अनुसार, एनडीएमए द्वारा रविवार रात जारी की गई एक रिपोर्ट से जानकारी मिली है कि देश के उत्तर से दक्षिण तक के क्षेत्रों में बारिश से जुड़ी विभिन्न घटनाओं में मारे गए लोगों में करीब 19 बच्चे और नौ महिलाएं शामिल हैं। खैबर पख्तूनख्वा प्रांत 25 मौतों के साथ सबसे ज्यादा प्रभावित क्षेत्र रहा, उसके बाद सिंध (12) और बलूचिस्तान और पंजाब प्रांतों में आठ-आठ लोगों की मौत हुई। देश के उत्तर में गिलगित-बाल्तिस्तान क्षेत्र में करीब 10 लोगों की मौत हो गई। रिपोर्ट में कहा गया है कि बाढ़ के कारण पुल क्षतिग्रस्त हो गए हैं और परिवहन संपर्क टूट गया है। इसके साथ ही 300 से अधिक घर भी क्षतिग्रस्त और कुछ पूरी तरह से नष्ट हो गए हैं।

स्कोप्जे : उत्तर मैसेडोनिया का स्कोप्जे क्षेत्र प्रकाश से जगमगाता हुआ।

ब्राजील में कोरोना से 572 की मौत

ब्राजीलिया/एजेंसी। ब्राजील में 24 घंटों के दौरान कोरोना वायरस (कोविड-19) से 572 मरीजों की मौत हुई है और इसके साथ ही यहां इस जानलेवा विषाणु से होने वाली मौतों की संख्या 101049 हो गयी है। वहीं यहां पिछले 24 घंटों के दौरान इस संक्रमण के 23010 नये मामले दर्ज किये गये हैं और अब इससे प्रभावित होने वाले लोगों का आंकड़ा 3035422 हो गया है। ब्राजील में कोविड-19 से होने वाली मौतों की संख्या शनिवार को एक लाख के पार पहुंची थी। यह इस प्राण घातक विषाणु से होने वाली मौतों तथा इससे प्रभावित होने के मामले में अमेरिका के बाद विश्व में दूसरे नंबर पर है। ब्राजील में कोरोना से सबसे अधिक प्रभावित साओ पाउलो हुआ है। यहां पर इसके कारण अब तक 25114 लोगों की जान गई है तथा 627126 लोग प्रभावित हुए हैं। इसके बाद रियो डी जनेरिया में 14080 लोगों की मौत हुई है तथा 178850 लोग संक्रमित हुए हैं।

सामने आई दुनिया के सबसे महंगे मास्क की तस्वीरें

नई दिल्ली। कोरोना वायरस के दौर में लोगों की जिंदगी का हिस्सा बन गए हैं नाक और मुंह को ढकने वाले मास्क। क्या आप सोच सकते हैं कि किस-किस तरह के मास्क बनाए जा सकते हैं या किस-किस तरह के मास्क इन दिनों बाजार में उपलब्ध हैं। रोजाना नई-नई रेंज के मास्क बाजार में आ रहे हैं। अब से पहले तक 10 रूपये की कीमत से शुरू होकर चंद हजार रूपये तक की कीमत के ही मास्क बाजार में मिल रहे थे। कुछ दिनों पहले मुंबई में एक व्यक्ति को सोने का मास्क पहने हुए देखा गया था, उस समय इसे ही सबसे कीमती मास्क बताया जा रहा था मगर उससे एक कदम आगे बढ़ते हुए एक इजरायली जूलरी कंपनी ने सोने और हीरे का इस्तेमाल करते हुए मा[illegible] बनाय[illegible] है। इस मास्क की कीमत 1.5 मिलियन डॉलर यानी [illegible] 11 करोड़ रुपये बताई जा रही है कोरोना काल में सबसे ज्यादा किसी चीज की उपयोगिता बढ़ी है तो वो मास्क है। कोरोना वायरस के संक्रमण से बचने के लिए केंद्र और राज्य सरकारें और पुलिस भी लोगों से सार्वजनिक स्थानों पर मास्क

पहनने की अपील कर रही है। अब तो कुछ राज्य मास्क न पहनने वालों पर जुर्माना भी लगा रहे हैं। कुछ राज्य ऐसे लोगों से जुर्माना वसूल भी रहे हैं। जुर्माना वसूले जाने के [illegible] की एक बड़ी [illegible] है कि लो[illegible] इ[illegible] अपनी [illegible]निक दिनचर्या में शामि[illegible] कर[illegible] में [illegible] उसके बाद भी कई लोग मान नहीं रहे हैं।

विश्व के कुल संक्रमितों में करीब 52 फीसदी अमेरिका, ब्राजील व भारत से

बीजिंग/जिनेवा/नई दिल्ली। वैश्विक महामारी कोरोना वायरस (कोविड-19) का कहर थमने का नाम नहीं ले रहा है और विश्व के तीन देशों अमेरिका, ब्राजील और भारत में कुल संक्रमित 19,780,612 मामलों में से करीब 52 फीसदी लोग संक्रमित पाए गए हैं। कोविड-19 के संक्रमितों के मामले में अमेरिका दुनिया भर में पहले, ब्राजील दूसरे और भारत तीसरे स्थान पर है। वहीं इस महामारी से हुई मौतों के मामले में अमेरिका पहले, ब्राजील दूसरे, मेक्सिको तीसरे और ब्रिटेन चौथे स्थान पर है जबकि भारत मृतकों की संख्या के मामले में पांचवें स्थान [illegible] है। [illegible]का की जॉन हॉ[illegible] यूनि[illegible] के विज्ञान एव[illegible] इंजीनियरि[illegible] केन्द्र (सीएसएसई) की ओर से जारी

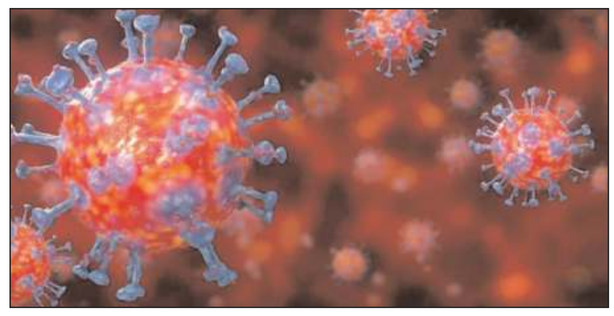

आंकड़ों के अनुसार कोरोना से विश्वभर में 19,780,612 लोग संक्रमित हुए हैं तथा 729,768 लोगों की मृत्यु हुई है। विश्व महाशक्ति माने जाने वाले अमेरिका में कोरोना से अब तक 5,044,769 लोग कोरोना वायरस [illegible] संक्रमि[illegible] हो चुके हैं तथा 162,9[illegible]8 लो[illegible]ों की मौत हो चुकी है। [illegible]ाजील में अब तक 3,035,422 लोग इसकी चपेट में आ चुके हैं जबकि 101,049 लोगों की मौत हो चुकी है। भारत में कोरोना के बढ़ते प्रकोप के बीच पिछले 24 घंटों में 54,859 लोग स्वस्थ हुए तथा 1007 की मृत्यु हुई। इसके साथ ही देश में कोरोना संक्रमितों की कुल संख्या 22,15,074 तथा मृतकों का आंकड़ा 44,386 हो गया है। वहीं 1,535,743 लोग इस महामारी से ठीक हुए हैं। रूस कोविड-19 संक्रमित मामलों में चौथे नंबर पर है और यहां इसके संक्रमण से अब तक 885,718 लोग प्रभावित हुए हैं तथा 14,903 लोगों ने जान गंवाई है। दक्षिण अफ्रीका में कोरोना महामारी का प्रकोप बढ़ता ही जा रहा है जिसके कारण कोरोना से संक्रमित होने के मामले में वह पांचवें स्थान पर पहुंच गया है। यहां इस वायरस से अब तक 559,859 लोग संक्रमित हुए हैं तथा 10,408 लोगों की मौत हो चुकी है। वहीं मेक्सिको में कोरोना से अब तक 480,278 लोग संक्रमित हुए हैं तथा इस वायरस से मरने वालों की संख्या 52,298 हो गयी हैं। पेरू में भी कोरोना संक्रमण से लगातार हालात खराब होते जा रहे है। यहां संक्रमितों की संख्या 480,278 हो गई तथा 20,844 लोगों की मौत हो चुकी है।

भारतीय-अमेरिकियों ने भारत के खिलाफ चीन की आक्रामकता का विरोध किया

वाशिंगटन/एजेंसी। राजधानी वाशिंगटन और उसके आस-पास के क्षेत्रों में भारतीय-अमेरिकियों के एक समूह ने भारत के प्रति चीन की आक्रमकता और देश के अशांत मुस्लिम बहुल शिनजियांग क्षेत्र में उइगर अल्पसंख्यक समूह के मानवाधिकार उल्लंघन के खिलाफ यहां प्रदर्शन किए। शारीरिक दूरी बरकरार रखते हुए और मास्क पहने हुए, शांतिपूर्ण प्रदर्शनकारी रविवार को यूएस कैपिटल के सामने स्थित ऐतिहासिक राष्ट्रीय मॉल पर एकत्रित हुए और उन्होंने चीन विरोधी पोस्टर, बैनर दिखाए तथा कम्युनिस्ट पार्टी ऑफ चाइना (सीपीसी) और उसके नेताओं के खिलाफ नारेबाजी की। ओवरसीज फ्रेंड्स ऑफ बीजेपी यूएसके के अदापा प्रसाद ने कहा, 'इन गर्मियों में जब पूरी दुनिया कोरोना वायरस से लड़ रही थी, चीन दूसरे की जमीन पर अतिक्रमण करने की कोशिश कर रहा था। यह न सिर्फ भारत में लद्दाख की बात है बल्कि उसके अन्य पड़ोसियों के संबंध में भी है। अब समय है कि विश्व इस चीनी आक्रमता के खिलाफएकजुट हो।' भारतीय और चीनी सैनिकों के बीच पांच मई के बाद से पूर्वी लद्दाख में वास्तविक नियंत्रण रेखा (एलएसी) के आस-पास के कई इलाकों में गतिरोध जारी है। यह स्थिति 15 जून को गलवान घाटी संघर्ष के बाद से बिगड़ गई थी जिसमें 20 भारतीय सैनिक शहीद हो गए थे और चीनी सैनिकों के मारे जाने की भी खबरें आईं लेकिन उनकी संख्या पता नहीं चली। भारतीय मूल के अमेरिकी रिपब्लिकन एवं प्राउड अमेरिकन पॉलिटिकल एक्शन कमिटी के संस्थापक पुनीत अहलुवालिया ने कहा, 'चीन की कम्युनिस्ट पार्टी ने उइगर समुदाय के धार्मिक अधिकारों का हनन किया है और हांगकांग के लोगों के मानवाधिकारों का उल्लंघन किया है।' वर्जीनिया के लेफ्टिनेंट गवर्नर बनने की दौड़ में शामिल अहलुवालिया ने कहा कि अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप का चीन के खिलाफ सख्त कदम बिलकुल सही दिशा में है। उन्होंने कहा, 'चीन को अंतरराष्ट्रीय नियमों को मानना ही होगा।' अहलुवालिया ने कहा, 'हमने देखा है कि उन्होंने अफ्रीका में क्या किया। हमने देखा कि वे ईरान में क्या कर रहे हैं। सबसे ज्यादा गौर करने वाली बात है कि उन्होंने हाल में भारत की पीठ में छुरा घोंपा।' साथ ही आरोप लगाया कि चीन विभिन्न सोशल मीडिया ऐप के जरिए और डेटा एवं सूचना चोरी कर अमेरिकियों की जासूसी कर रहा है।

अमेरिका के 11 राजनेताओं पर चीन ने लगाया प्रतिबंध

बीजिंग/एजेंसी। हांगकांग में लोकतांत्रिक मूल्यों को बढ़ावा देने के आरोप में चीन ने अमेरिका के 11 राजनेताओं और कुछ संगठनों के प्रमुखों के खिलाफ प्रतिबंध की घोषणा की है। यह प्रतिबंध किस तरह के होंगे, इस बारे में कुछ नहीं बताया गया है। जिनके खिलाफ कार्रवाई की गई है, उनमें सीनेटर मार्को रूबियो और टेड क्रूज के साथ ही प्रतिनिधि सभा के सदस्य क्रिस स्मिथ भी शामिल हैं। रूबियो, क्रूज और स्मिथ पर पिछले महीने ही बीजिंग यात्रा प्रतिबंध लगा चुका है। विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता झाओ लिजियान ने सोमवार को कहा, इन 11 अमेरिकी राजनेताओं ने हांगकांग के मुद्दों को बेवजह का तूल दिया है। चीन ने पिछले महीने इस अर्ध स्वायत्त क्षेत्र में असहमति की आवाजों को दबाने के लिए राष्ट्रीय सुरक्षा कानून लागू किया था। बता दें कि चीन ने यह कदम अमेरिका की उस कार्रवाई के बाद उठाया है, जिसमें उसने राष्ट्रीय सुरक्षा कानून का हवाला देकर हांगकांग और चीन के अधिकारियों के खिलाफ कार्रवाई की थी। जिन अन्य अमेरिकी नेताओं के खिलाफ कार्रवाई की गई है, उनमें सीनेटर जोश हावले और

टॉम कॉटन हैं। इसके अलावा प्रतिनिधि सभा के सदस्य क्रिस स्मिथ पर भी प्रतिबंध लगाने की घोषणा की गई है। नेशनल एंडोमेंट फॉर डेमोक्रेसी एंड फ्रीडम हाउस सहित कई दूसरे संगठनों के प्रमुखों के खिलाफ भी प्रतिबंध की घोषणा की गई है।

इजराइल में कोरोना से 600 लोगों की मौत

येरूशलम। इजरायल के स्वास्थ्य मंत्रालय ने कहा है कि इजरायल में कोविड -19 के कारण हुई सात नई मौतों के बाद यहां मरने वालों की कुल संख्या बढ़कर 600 तक पहुंच गई है। सिन्हुआ ने बताया कि मंत्रालय ने रविवार को जानकारी दी है कि कोरोना के 678 नए मामले सामने आए हैं, जिससे मामलों की कुल संख्या बढ़कर 83,002 हो गई है। वहीं गंभीर स्थिति वाले रोगियों की संख्या 388 से बढ़कर 395 हो गई। वर्तमान में 847 रोगी अस्पताल में भर्ती हैं। अब तक ठीक हुए रोगियों की संख्या 57,533 हो गई है, जबकि देश में सक्रिय मामलों की संख्या 24,867 है। इससे पहले रविवार को ही मंत्रालय ने घोषणा की थी कि इजरायल 4 बिलियन नए शेकेल (1.17 बिलियन डॉलर) की लागत से दैनिक कोरोनावायरस परीक्षणों की संख्या को 60 हजार तक बढ़ाएगा।

श्रीलंका में नवनिर्वाचित संसद की बैठक 20 अगस्त को

कोलंबो/एजेंसी। श्रीलंका से सोमवार को दो अहम खबरें आईं। पहला, स्कूल खुल गए। दूसरा, नवनिर्वाचित संसद की पहली बैठक 20 अगस्त को होगी। कोरोना संक्रमण की रोकथाम के लिए चार महीने पहले देश में लॉकडाउन लगाया गया था। स्कूल तभी से बंद थे। जुलाई में जरूर चुनिंदा क क्षाओं के लिए स्कूल खुले, लेकिन संक्रमण के मामले बढ़ते ही फिर बंद कर दिए गए थे। स्कूल अब पहले की तरह कक्षाओं का संचालन कर सकेंगे, लेकिन एक मीटर की शारीरिक दूरी के नियम का पालन करना अनिवार्य होगा। इसके अलावा बच्चों की संख्या 200 से अधिक नहीं होगी। इससे ज्यादा छात्र संख्या वाले स्कूलों को यह तय करना होगा कि किस दिन किस कक्षा की पढ़ाई होगी। वहीं, कोविड-19 से संबंधित सख्त दिशा-निर्देशों के बीच नवनिर्वाचित संसद की पहली बैठक 20 अगस्त को होगी। किसी दर्शक को प्रवेश की अनुमति नहीं होगी। श्रीलंका एशिया के उन चुनिंदा देशों में है,

जहां महामारी के बीच आम चुनाव कराया गया। श्रीलंका में इस बार 225 सदस्यों वाली नौवीं संसद का गठन होगा। महिंदा के नेतृत्व में उनकी पार्टी वाले गठबंधन ने हाल के चुनाव में दो तिहाई सीटें पाई हैं।

यज्ञोपवीत व युवा संस्कार का भव्य उदघाटन

संस्कारित युवा पीढ़ी ही राष्ट्र की धरोहर : प्रवीण आर्य

ग़ाज़ियाबाद। केन्द्रीय आर्य युवक परिषद नन्द ग्राम शाखा गाज़ियाबाद के तत्वावधान में युवा संस्कार अभियान के अन्तर्गत युवकों व युवतियों को सी-503, नन्द ग्राम में यज्ञ के दौरान यज्ञोपवीत धारण कराया गया। केन्द्रीय आर्य युवक परिषद के राष्ट्रीय अध्यक्ष अनिल आर्य ने ऑनलाइन अपने संदेश में कहा कि व्यक्ति का निज जीवन समाज के लिये आदर्श होना चाहिये, आपके जीवन को देखकर ही व्यक्ति आपके अनुगामी बनेंगे। उपनयन का अर्थ है समीपता को प्राप्त करना, आचार्य की समीपता को प्राप्त करके बालक शिक्षा द्वारा अपने जीवन को समुन्नत करता है, शिक्षा व्यक्ति को काम करने में समर्थ बनाती है। उपनयन संस्कार जीवन निर्माण की आधारशिला है यज्ञोपवीत के तीन धागे स्वजीवन को समुन्नत बनाना तथा राष्ट्र के लिये भावी सन्तति समुन्नत बना कर देने के

व्रत का प्रतीक हैं। प्रत्येक भारतीय का यह संस्कार होना चाहिये जिससे राष्ट्र में सद्चरित्र शिक्षित नागरिक उपलब्ध हो सकें। यज्ञ के ब्रह्मा श्री प्रवीन आर्य ने यज्ञोपरांत युवा पीढ़ी को संबोधित करते हुये कहा कि यज्ञ से त्याग व उपकार की भावना जागृत होती है यज्ञोपवीत हमारी पुरातन गौरवशाली संस्कृति का आधार है।यज्ञ में युवाओं ने भाग लेकर महर्षि दयानन्द के पदचिन्हों पर चलने, नशा मुक्त समाज की स्थापना करने,एवं बीड़ी - सिगरेट, अंडा मांस, शराब तथा गुटके से दूर रहने का संकल्प लिया। परिषद के प्रधान शिक्षक सौरभ गुप्ता ने कहा कि धर्म समाज को जोड़ता है, तोड़ता नही, वैदिक धर्म सर्वे भवन्तु सुखिनः की बात करता है। पारिवारिक सद्भावना के बिना जीवन सफल नहीं हो सकता,समाज का उत्थान-राष्ट्र का उद्धार नहीं हो सकता। श्रेष्ठ संस्कारों से ही युवा पीढ़ी उत्थान के शिखर पर पहुंच सकती है। उन्होंने बताया कि 8 अगस्त से 22 अगस्त तक 70 ऑनलाइन कार्यक्रमों के माध्यम से युवा पीढ़ी को संस्कारित करने का लक्ष्य है। समारोह के मुख्य अतिथि नन्दग्राम आर्य समाज के प्रधान प्रेमपाल आर्य ने कहा कि सदा से ही युवा पीढ़ी समाज सुधार करती आई है ओर आज भी करना होगा समाज में फैली हर बुराई को दूर करने का बीड़ा उठाना होगा।अब चाहे वे बुराईयाँ दैहिक हों,दैविक हों, मानसिक हों, सामाजिक हों, भौतिक हों या फिर राजकीय हों, आज कल के युवकों को हम शिक्षा तो दे रहे हैं पर दिशा नहीं आज युवकों को सही दिशा का ज्ञान अपने कर्तव्यों का ज्ञान सुचारू रूप से होना बहुत आवश्यक है। इस अवसर पर मुख्य रूप से सुरेश प्रसाद आर्य, गौरव गुप्ता, प्रगति, विकास, हन्नी, सत्यम, बिन्नी कुमार आदि उपस्थित हुए।

opensearch

संक्षिप्त समाचार

जौनपुर में जमीनी विवाद में लाठी-डंडे से पीटकर वृद्ध की हत्या

जौनपुर। उत्तर प्रदेश में जौनपुर जिले में नेवढ़िया थाना क्षेत्र के शेखपुर गांव में भूमि विवाद को लेकर लाठी-डंडे से पीटकर वृद्ध की हत्या कर दी गई। गांव में तनाव के माहौल को देखते हुए शांति व्यवस्था बनाए रखने को दो थानों की फोर्स तैनात कर दी गई है। पुलिस ने आज यहां कहा कि शेखपुर गांव में जूड़पुर-गोपालापुर मार्ग पर तीन सगे भाइयों सभाशंकर यादव, बद्री यादव व बच्चन यादव की जमीन है। सभाशंकर व बच्चन अपने हिस्से की जमीन पर मकान का निर्माण करा चुके हैं। तीसरे भाई बद्री यादव मकान का निर्माण करा रहे थे। इसी दौरान रामपुर थाना क्षेत्र के धर्मपुर गांव निवासी मोलई व शेखपुर गांव निवासी नसीम अंसारी मौके पर पहुंचकर जमीन पर अपना मालिकाना हक जताने लगे। इसी को लेकर शुरू हुई कहासुनी में मोलई व नसीम ने साथियों संग लाठी-डंडे से हमलाकर सभाशंकर यादव (60) की बुरी तरह से पिटाई कर दी। गंभीर चोटें आने से उनकी मौके पर ही मृत्यु हो गई। मृतक के स्वजनों की सूचना पर मौके पर पहुंची पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिये भेज दिया है। घटना को लेकर गांव में तनाव की सुगबुगाहट के बारे में पता चलते ही तीन थानों की पुलिस पहुंच गई।

जौनपुर में बालिका हत्याकाण्ड का अभियुक्त गिरफ्तार

जौनपुरं। उत्तर प्रदेश में जौनपुर जिले के मड़ियाहूँ थाना के तहत कुम्भ गांव में बालिका की निर्मम हत्या करने वाले अभियुक्त को 36 घंटे के अन्दर गिरफ्तार कर लिया गया। इस मामले में पुलिस अधीक्षक ने क्षेत्राधिकारी मडियाहू विजय सिंह का स्थानांतरण और प्रभारी निरीक्षक मडियाहू त्रिवेणी लाल सेन को निलंबित कर दिया था। पुलिस अधीक्षक अशोक कुमार ने आज कहा कि थाना मड़ियाहूँ अन्तर्गत ग्राम कुम्भ में एक 12 साल की बालिका का शव गांव के ही मक्के के खेत में मिला था, जिसके सम्बन्ध में मृतका के परिजनों की तहरीर के आधार पर धारा 363,302, 201 भादवि पंजीकृत किया गया था। इस घटना में संलिप्त अभियुक्त की गिरफ्तारी के लिये टीम गठित कर 36 घंटे के अन्दर गिरफ्तारी करने का निर्देश दिया गया इस क्रम में टीम ने अभियुक्त बालगोविन्द उर्फ गोविन्दा को 36 घंटे के अन्दर गिरफ्तार किया गया। उन्होंने कहा कि गिरफ्तार अभियुक्त बालगोविन्द उर्फ गोविन्दा पुत्र लम्बू उर्फ रामलाल बनवासी निवासी पवरा थाना सकलडीहा जनपद चन्दौली हाल पता कुम्भ थाना मड़ियाहूँ जौनपुर ससुराल में रहता था।

बेगमपुरा और दून जौनपुर हो के नहीं चलेंगी अब

जौनपुर। ट्रेन का सफर करने वाले जौनपुर जिले के लोगों के लिए यह खबर तकलीफदेह है। लॉकडाउन के कारण निरस्त चल रहीं कई ट्रेनें हालात सामान्य होने पर पटरियों पर दौड़ेंगी भी तो उनके रूट बदल चुके होंगे। रेलवे बोर्ड ने जिन 50 ट्रेनों का रूट परिवर्तन करने का फैसला लिया है, उनमें बेगमपुरा व दून एक्सप्रेस हैं। यह दोनों ट्रेनें अब जौनपुर होकर नहीं चलेंगी। रेलवे सूत्रों के अनुसार रेलवे जोनल मुख्यालयों ने कई रूटों पर 50 ट्रेनों का मार्ग स्थाई रूप से बदलने का प्रस्ताव रेलवे बोर्ड को भेजा था। रेलवे बोर्ड ने स्वीकृत कर आदेश जारी कर दिया है। हालांकि, रूट डायवर्जन की तिथि रेलवे अपने नए टाइम टेबल में ही जारी करेगा। रेलवे सूत्रों का कहना है कि नए रूट से दूरी कम होने के कारण इन ट्रेनों को गंतव्य तक पहुंचने में कम समय लगेगा। यह पहला मौका है, जब इतने बड़े पैमाने पर ट्रेनों का तय रूट बदला जा रहा है। सिटी स्टेशन, सुल्तानपुर होते हुए लखनऊ होकर जम्मूतवी जाने वाली वाराणसी-जम्मूतवी 12237 अप व 38 डाउन बेगमपुरा एक्सप्रेस अब वाराणसी से प्रतापगढ़-रायबरेली-लखनऊ होकर चलेगी। इसका ठहराव प्रतापगढ़ व रायबरेली में होगा।

बीएड प्रवेश परीक्षा में 82 फीसदी ने लगायी हाजिरी

लखनऊ। उत्तर प्रदेश में एक साथ 1089 केन्द्रों में रविवार को सम्पन्न बीएड की संयुक्त प्रवेश परीक्षा में 82 फीसदी से अधिक परीक्षार्थियों ने हिस्सा लिया। कोविड-19 के भय के बावजूद परीक्षार्थियों ने उत्साह के साथ परीक्षा में भाग लिया। का जबरदस्त जोश देखने को मिला। लखनऊ विश्वविद्यालय द्वारा संचालित परीक्षा के लिये 431904 अभ्यर्थियों ने आवेदन किया था हालांकि केन्द्रो पर कुल 3,57064 परीक्षार्थियों की उपस्थिति रही। परीक्षा केंद्रों पर हालांकि शारीरिक दूरी के मानकों की खुलकर धज्जियां उड़ीं। थर्मल स्कैनिंग के बाद अभ्यर्थियों को प्रवेश दिया गया। जिनका तापमान मानक अधिक से पाया गया, उन्हें अलग बैठाकर परीक्षा कराई गई। ऐसे परीक्षार्थियों के कोरोना टेस्ट भी कराए गए। बीएड की संयुक्त प्रवेश परीक्षा के लिए राजधानी लखनऊ में 82 केंद्र बनाए गए थे। इस परीक्षा में करीब 30500 अभ्यर्थी शामिल होने थे। केंद्रों पर उमड़ी भीड़ ने शारीरिक दूरी के मानक की खुलकर धज्जियां उड़ाई। इस दौरान केंद्रों पर मौजूद रहे पुलिकर्मी और व्यवस्थापक भी असहाय दिखे। बिना मास्क और सैनिटाइजर के किसी भी अभ्यर्थी को केंद्र के अंदर प्रवेश नहीं दिया जा रहा था।

अंतरराष्ट्रीय कॉल और फेसबुक पर पुलिस की नजर

प्रयागराज। अयोध्या में श्रीराम मंदिर निर्माण के लिए भूमि पूजन के बाद अंतरराष्ट्रीय कॉल और फेसबुक पर नजर रखी जा रही है। खुफिया विभाग से इनपुट मिला है कि सामाजिक सौहार्द बिगाड़ने के लिए कुछ शरारती तत्व सोशल मीडिया पर आपत्तिजनक संदेश फैला सकते हैं। इसलिए जोन के सभी पुलिस अधिकारियों को एडीजी ने सचेत किया है। शुक्रवार को प्रतापगढ़ के अंतू थानांतर्गत गौराडाड़ निवासी नफीस अहमद पुत्र अरशद अली ने फेसबुक पर आपत्तिजनक पोस्ट किया था। शनिवार सुबह लोगों ने हंगामा किया तो पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर नफीस को गिरफ्तार कर लिया था। इसकी जानकारी एडीजी जोन प्रेम प्रकाश को हुई तो उन्होंने मामले को गंभीरता से लिया। एडीजी जोन प्रेम प्रकाश ने प्रयागराज, प्रतापगढ़, कौशांबी, फतेहपुर, महोबा, बांदा, हमीरपुर और चित्रकूट के पुलिस अधिकारियों के साथ ही एसटीएफ, क्राइम ब्रांच, साइबर सेल, सर्विलांस की टीमों को इस ओर नजर रखने को कहा।

78 नए संक्रमित मिले, कुल 4633

वाराणसी। बीएचयू लैब से सोमवार को अभी तक प्राप्त रिपोर्ट में कोरोना संक्रमण के 78 पॉजिटिव मरीज मिले हैं, एक मरीज की मौत भी हुई है। कोरोना मरीजों की संख्या 4633 मरीज हो गया है, कोरोना संक्रमण को हराकर 2755 लोग स्वस्थ होकर डिस्चार्ज हो चुके हैं, एक्टिव मरीज की संख्या 1796 है कोरोना के कारण अब तक 82 मरीजो की मौत हो चुकी है। एडीएम प्रशासन ने दो दिन पहले अपना सैंपल जांच के लिए दिया था। सूत्रों के मुताबिक इसके बाद भी वे लगातार बैठकें लेते रहे। एडीएम सिटी सहित कई अन्य प्रशासनिक अधिकारी उनके सीधे संपर्क में थे। कांटेक्ट ट्रेसिंग के तहत अब सभी की जांच की जाएगी। उधर, उनके कोरोना पॉजिटिव होने के बाद कलेक्ट्रेट परिसर को दो दिन के लिए सील कर दिया गया है।

लखनऊ व कानपुर में तैनात होंगे दो-दो और नोडल अधिकारी, निजी अस्पतालों की भी हो मॉनिटरिंग

लखनऊ/एजेंसी। वैश्विक महामारी कोरोना वायरस के संक्रमण के बढ़ते प्रसार पर नियंत्रण के लिए अब निजी अस्पतालों की भी मॉनिटरिंग होगी। इसके साथ ही सर्वाधित प्रभावित लखनऊ व कानपुर में विशेष सचिव स्तर के दो-दो और नोडल अधिकारी तैनात होंगे। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने सोमवार को अपने आवास पर समीक्षा बैठक में इसके निर्देश दिए हैं। उन्होंने कहा कि कोविड-19 के संक्रमण की चेन को तोड़ने के लिए सभी प्रयास जारी रखे जाएं। कानपुर व लखनऊ में कोविड-19 के संक्रमण को नियंत्रित करने तथा चिकित्सा व्यवस्थाओं को बेहतर बनाने के कार्यों में संबंधित जिलाधिकारी को सहयोग प्रदान करने के उद्देश्य से दोनों जनपदों में विशेष सचिव स्तर के दो-दो अधिकारी तैनात किए जाएं। इसके अलावा, जनपद वाराणसी, प्रयागराज, बरेली, गोरखपुर तथा बहराइच में भी संबंधित जिलाधिकारी को सहयोग प्रदान करने के लिए विशेष सचिव स्तर का एक अधिकारी तैनात किया जाए। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने समस्त कोविड अस्पतालों में गुणवत्तापरक चिकित्सा व्यवस्था बनाए रखने के निर्देश दिए हैं। उन्होंने कहा है कि आवश्यकतानुसार इन अस्पतालों में अतिरिक्त चिकित्साज्ञ्मयों की तैनाती की जाए। उन्होंने सभी जनपदों में कोविड-19 के दृष्टिगत एल-2 व एल-3 कोविड अस्पतालों में बेड्स की संख्या बढ़ाने के निर्देश दिए। उन्होंने यह भी निर्देश दिए कि इन अस्पतालों में आइसीयू बेड्स की भी पर्याप्त व्यवस्था सुनिश्चित की जाए। सीएम योगी आदित्यनाथ ने कहा कि जिन निजी मेडिकल कॉलेजों में कोविड चिकित्सालय स्थापित किए गए हैं, वहां की व्यवस्थाओं की मॉनिटरिंग के लिए चिकित्सा शिक्षा विभाग के नियंत्रक अधिकारी नामित किया जाए। कोरोना वायरस से लोगों को सुरक्षित रखने के लिए जनता को निरन्तर जागरूक किया जाए।

इसके साथ सभी अस्पतालों में फायर सेफ्टी के सभी मानक पूरे किए जाएं। उन्होंने प्रदेश में समस्त कोविड अस्पतालों में गुणवत्तापरक चिकित्सा व्यवस्था बनाए रखने के निर्देश दिए हैं। उन्होंने कहा कि आवश्यकतानुसार इन अस्पतालों में अतिरिक्त चिकित्साज्ञ्मयोंकी तैनाती की जाए। इसके साथ ही कोरोना वायरस से लोगों को सुरक्षित रखने के लिए जनता को निरंतर जागरूक किया जाए। यह काम टीवी, रेडियो, समाचार पत्र, तथा पोस्टर बैनर आदि के माध्यम से लोगों को जानकारी प्रदान की जाए। मुख्यमंत्री ने समीक्षा बैठक में बाढ़ नियंत्रण व्यवस्था की समीक्षा करते हुए आवश्यक सुझाव दिए। उन्होंने कहा कि बाढ़ प्रभावित व जलमग्न इलाकों में लोगों को समय से राहत पहुंचाई जाए।

अमौसी एयरपोर्ट रनवे की रोज साफ होती है रबर

लखनऊ। उत्तर प्रदेश की राजधानी लखनऊ के चौधरी चरण सिंह एयर पोर्ट के रनवे से आज कल रोज रबर को साफ किया जा रहा है। कोझीकोड में हुये विमान हादसे को रनवे पर जमा रबर को इसका बड़ा कारण बताया जा रहा है । अब यहां रोज रनवे पर जमा रबर को साफ करने का काम चल रहा है ।पहले यह काम कांट्रेक्ट पर कराया जाता था लेकिन अब एयरपोर्ट प्राधिकरण ने इसकी मशीन खरीद ली है। रनवे पर जब भी कोई विमान उतरता है तो उसमें पहियों के घर्षण से पहिये का रबर रनवे पर चिपक जाता है। अगर इसे हटाया नहीं जाये जो रनवे पर विमान के फिसलने का डर रहता है। चोधरी चरण सिंह ण्यरपोर्ट का पुराना नाम अमौसी भी है। एयरपोर्ट के निदेशक एके शर्मा का कहना है कि सफाई नियमित होती है और हर तीन महीने पर इसकी जांच की जाती है।

भैंस नहलाने गए मामा व भांजे की तालाब में डूबने से मौत

प्रयागराज। जिले के यमुनापार इलाके में करछना थानाक्षेत्र के सेमरी तालुकापुरवा के सनातन का पूरा गांव में सोमवार सुबह पास के तालाब में भैंसों को नहलाने गए दो किशोर डूब गए। आसपास के बच्चों ने दोनों डूबते देख शोर मचाया तो आसपास के लोग पहुंचे। गांव लोगों ने किसी तरह डूबे हुए दोनों किशोरों को बाहर निकाला तो उनकी सांसे थम चुकी थी। दोनों की मौत से कोहराम मच गया। सूचना पर करछना पुलिस पहुंची। सनातन का पूरा गांव निवासी केवला प्रसाद पाल के घर इन दिनों उनकी बेटी का बेटा दस वर्षीय सत्यम निवासी डांडी, नैनी ननिहाल आया हुआ था। सोमवार की दोपहर में सत्यम अपने मामा राजकुमार (17) भैंस चराने गया था। इस दौरान वे गांव के ही तालाब में भैंस को नहलाने लगे। भैंस को नहलाने के चक्कर में राजकुमार और सत्यम भी गहरे पानी में चले गए। दोनों डूबने लगे तो शोर मचाया। यह देखकर तालाब के आसपास मौजूद बच?चे भागकर पहुंचे। शोर गुल सुनकर गांव के लोग भी गए और डूब रहे दोनों किशोरों को बचाने के प्रयास किया। लेकिन जब तक दोनों को बाहर निकाला जाता, उनकी सांसे थम चुकी

थीं। खबर पाकर राजकुमार के घरवाले भी आ गए। दोनों का शव देखकर बिलख पडे। सूचना पाकर करछना पुलिस भी मौके पर पहुंची। आसपास के लोगों से पूछताछ के बाद शव का पंचनामा भरकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। हादसे की सूचना पाकर सत्यम के घर वाले भी डांडी, नैनी से करछना पहुंच गए हैं।

यूपी से रास. की खाली दो सीट में से एक पर 24 को मतदान, भाजपा को उम्मीदवार की तलाश

लखनऊ। समाजवादी पार्टी के वरिष्ठ नेता तथा पूर्व केंद्रीय मंत्री बेनी प्रसाद वर्मा के बाद राज्यसभा सदस्य रहे अमर सिंह के निधन से उत्तर प्रदेश के कोटे की 31 में से दो राज्यसभा सीट खाली हैं। निर्वाचन आयोग ने इनमें से बेनी प्रसाद वर्मा के निधन से खाली हुई सीट पर 24 अगस्त को मतदान रखा है। बेनी प्रसाद वर्मा तथा अमर सिंह का कार्यकाल चार जुलाई 2022 तक का है। उत्तर प्रदेश की इस एक सीट पर होने वाले मतदान को लेकर लड़ाई भले ही आसन है, लेकिन उम्मीदवार का नाम तय करने की मशक्कत काफी कठिन है। समाजवादी पार्टी के नेता बेनी प्रसाद वर्मा के निधन के बाद सीट खाली हुई पर किसको राज्यसभा भेजा जाता है यह सवाल बेहद मुश्किल हो गया है। इस एकमात्र सीट पर होने वाले राज्यसभा के उपचुनाव में विधायकों की संख्या को

देखते हुए भाजपा के उम्मीदवार की जीत तय है। भाजपा को अब तय करना है कि भाजपा इस सीट पर प्रदेश के किसी नेता को भेजती है या फिर दूसरे राज्य के किसी नेता को यहां से राज्यसभा भेज कर केंद्रीय समायोजन किया जाएगा। प्रदेश भाजपा के रणनीतिकार मामले में फिलहाल कोई संकेत देने की स्थिति में नहीं हैं। इनका भी यही कहना है कि दिल्ली जिसे तय करे। दिल्ली की राजनीति में फिलहाल संबित पात्रा व शाहनवाज हुसैन का राजनीतिक समायोजन होना बाकी है। इनके साथ ही भाजपा उत्तर प्रदेश के पूर्व अध्यक्ष डॉ.लक्ष्मीकांत वाजपेयी भी दावेदार हैं, जिनको तो मध्य प्रदेश का राज्यपाल बनने की खबरें सोशल मीडिया पर उडने के बाद बधाइयां भी मिलने लगी थीं। उनका दावा तो प्रदेश में इस समय गरमाई ब्राह्मण राजनीति के मद्देनजर भी काफी मजबूत हो जा रहा है। यह तय हो रहा है कि किसी ब्राह्मण भेजा जाएगा। इनमें पूर्व प्रदेश अध्यक्ष डॉ. लक्ष्मीकांत वाजपेयी के साथ वाराणसी तथा पास के जिलों से कोई नाम हो सकता है। राज्यसभा की चुनाव प्रक्रिया के अनुसार, उपचुनाव वाली सीटों पर भाजपा के उम्मीदवार की जीत तय है। इसलिए सबसे बड़ा यह सवाल ही लोगों के बीच चर्चा में है कि भाजपा इस सीट पर प्रदेश के किसी जमीनी नेता को भेजती है अथवा दूसरे राज्य के किसी नेता को यहां से राज्यसभा भेजकर समायोजन करती है। देश में 2014 में नरेंद्र मोदी की सरकार बनने के बाद उत्तर प्रदेश ने विधायकों के संख्याबल पर राज्य के बाहर के नेताओं को उच्च सदन भेजा।

कांग्रेस की बागी विधायक अदिति सिंह ने योगी को बताया अपना राजनीतिक गुरु

रायबरेली/एजेंसी। कांग्रेस के गढ़ माने जाने वाले रायबरेली में कांग्रेस से ही बगावत करने का साहस दिखाने वाली युवा विधायक अदिति सिंह ने मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ को अपना राजनीतिक गुरू बताया है। कांग्रेस अध्यक्ष सोनिया गांधी के संसदीय क्षेत्र रायबरेली की सदर सीट से विधायक अदिति सिंह की सदस्यता समाप्त करने को लेकर कांग्रेस ने विधानसभा अध्यक्ष के पास याचिका दायर की थी। जिसको उन्होंने खारिज कर दिया। कांग्रेस से निलंबित विधायक अदिति सिंह ने रायबरेली में सोमवार को बड़ा बयान दिया हैं। रायबरेली सदर से विधायक अदिति सिंह क्षेत्र में काफी लोकप्रिय हैं। वह अपने आवास पर लगभग रोज ही दरबार लगाकर लोगों की समस्या सुनने के साथ निराकरण का भी प्रयास करती है। आज भी लोगों की समस्या

सुलझाने के दौरान कहा कि मेरी सियासत के राजनीतिक गुरु सीएम योगी आदित्यनाथ हैं। आज जिनकी वजह से मैं हर लड़ाई लड़ रही हूं। रायबरेली के सिविल लाइन चौराहे पर कमला नेहरू ट्रस्ट की जमीन पर कई दशकों से काबिज पटरी दुकानदारों को कोर्ट के आदेश पर वहां से हटाने के लिए जिला प्रशासन के नोटिस जारी करने के बाद सदर विधायक अदिति सिंह उन दुकानदारों के पक्ष में खुल कर उतर आई। समर्थकों के जोश के साथ अदिति सिंह कहा कि मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ मेरे राजनीतिक गुरु है और मै इस मामले को मुख्यमंत्री योगी के संज्ञान में ले जाऊंगी। उन्होंने बताया कि मुख्यमंत्री ने मामले की जांच कराने का भरोसा दिया है।

बाराबंकी में कोरोना के 81 नये मामले

बाराबंकी। उत्तर प्रदेश के बाराबंकी जिले में रविवार शाम आई कोरोना रिपोर्ट 81 लोग संक्रमित पाए गए हैं। इनको मिलाकर अब जिले में संक्रमित लोगों की संख्या 555 हो गई है। जिला अधिकारी डॉक्टर आदर्श सिंह के अनुसार 81 लोग संक्रमित पाए गए है। सभी को एल1 लेवल के अस्पताल में भेज दिया गया है जबकि उनके संपर्क में आए लोगों को चिन्हित कर उनके सैंपल जांच को भेजे जा रहे है और क्षेत्र को सील कर सैनिटाइजर का छिड़काव कराया जा रहा है। जिला अधिकारी ने बताया कि अब तक जिले में 33136 लोगों की जांच रिपोर्ट प्राप्त हुई है जिसमें से 1659 लोग संक्रमित पाए गए जबकि 1087 लोग अस्पताल से ठीक होकर अपने घरों को जा चुके है। अब जिले में संक्रमित लोगों की संख्या 555 हो गई है।

बरेली की सेंट्रल जेल और जिला जेल में 56 कैदी कोरोना पॉजिटिव

बरेली/एजेंसी। उत्तर प्रदेश के बरेली सेंट्रल जेल और जिला जेल में 5 6 कैदी कोरोना पॉजिटिव मिले हैं। इसके अलावा रविवार देर रात सेना के जवानों और स्वास्थ्य कर्मियों समेत 198 लोगों की रिपोर्ट पॉजिटिव आई है। अब जिले में सक्रिय संक्रमित 3773 हैं, जबकि 1108 लोग स्वस्थ हो चुके है। जिले में अब तक कोरोना से 98 लोगों की मौत हो चुकी है। जिला सर्विलांस अधिकारी ,एसीएमओ डॉक्टर अशोक कुमार ने बताया कि सेंट्रल जेल के 51 कैदियों और जिला जेल के 5 कैदियों की कोरोना पॉजिटिव रिपोर्ट आयी है। सेंट्रल जेल में 3 दिन पूर्व कैदी की कोरोना से मौत के बाद रविवार को जांच कराई गई थी. वहीं जिला जेल में संक्रमित पाए जाने के चलते वहां भी जांच हुई थी। डॉक्टर अशोक कुमार ने बताया कि एसपी देहात के कार्यालय में तैनात दो पुलिसकर्मियों की रिपोर्ट पॉजिटिव आई, इसके अलावा खुफिया विभाग में भी एक कर्मचारी में संक्रमण की पुष्टि हुई। इसके अलावा पुलिस लाइन में एक जवान की रिपोर्ट पॉजिटिव आई है। डॉ अशोक ने बताया कि दो कोरोना पॉजिटिव मरीजों की मृत्यु के बाद शव

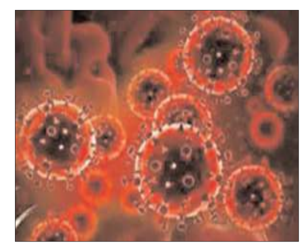

परिजनों को दिए गए थे लेकिन परिजनों ने शिकायत की कि शव बदले हुए है। एक शव तो शमशान में पहुंच गया था। शिकायत होने पर तत्काल शवों को बदल वाया गया बरेली के मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ विनीत कुमार शुक्ला ने बताया कि यह अस्पताल प्रबंधन और कर्मचारियों के घोर लापरवाही है।

योगेश्वर कृष्ण जन्मोत्सव पर्व ऑनलाइन सम्पन्न...

भारतीय इतिहास में कोई दूसरा इतना महान नहीं हुआ जिसे योगेश्वर पुकारा जाता हो : अरोड़ा

गाजियाबाद/ब्यूरो। अखिल भारतीय योग संस्थान सी ब्लॉक कक्षा द्वारा श्रीकृष्ण जन्माष्टमी पर्व हर्ष व उल्लास पूर्वक ऑनलाइन मनाया गया, जन्मोत्सव वेबिनार में भजन व प्रवचन के कार्यक्रम आयोजित किये गये। कार्यक्रम की संयोजिका गीता गर्ग ने ओ3म् की ध्वनि व गायत्री मंत्र से उत्सव का शुभारंभ किया उन्होंने कहा कि योगिराज श्रीकृष्ण ने नीति और अध्यात्म को एक सूत्र में गूँथ कर राजनीति, समाज नीति तथा दर्शन के क्षेत्र में उत्कृष्ट क्रान्ति का शंखनाद किया श्रीमती गर्ग ने कहा कि महाभारत के प्रणेता योगिराज श्रीकृष्ण धर्म के पर्याय थे।लोक संग्रह से भारत को महान् भारत बनाने वाले कृष्ण जहाँ होते थे वहाँ धर्म होता था और जहाँ धर्म होता था अन्ततः वहाँ विजय होती थी।धर्म के कारण ही श्रीकृष्ण का जीवन आप्त महापुरुष के सदृश था, युद्ध क्षेत्र से लौटते हुए भी सन्ध्या काल हो जाने पर वे सन्ध्या व

योगाभ्यास अवश्य किया करते थे। हमें उस आध्यात्मिक बहुगुण सम्पन्न महापुरुष के जीवन से अध्यात्म, राष्ट्र नीति व धर्माचरण की शिक्षा ग्रहण करनी चाहिये। गायिका श्रीमती अनीता गोयल, खुशबू कंसल,रेशमा पायल, गुंजन अग्रवाल, मीनू गोयल, मधु आदि ने कृष्ण गौरव गाथा के गीतों से योगिराज के गुणों का वर्णन करते हुए श्रद्धालुओं का मार्गदर्शन किया। मुख्य अतिथि श्री के के अरोड़ा (अध्यक्ष, अखिल भारतीय योग संस्थान) ने अपने उद्बोधन में कहा कि भारतीय इतिहास में कोई दूसरा इतना महान नही हुआ जिसे योगेश्वर पुकारा जाता हो।श्री कृष्ण के जन्म के समय भारत खण्ड-खण्ड में विभक्त था। गृहे गृहे ही राजानं स्वस्य स्वस्य प्रियं करा अर्थात घर घर राजा हैं और अपने ही हित में लगे हुए हैं। ऐसी घोर अन्धकार पूर्ण रात्रि में श्री कृष्ण का जन्म हुआ।अपने अद्भुत चातुर्य एवं कौशल से श्रीकृष्ण ने इन राजाओं का विनाश करवाकर युधिष्ठिर को चक्रवर्ती सम्राट बनवाया। संस्थान के महामंत्री श्री देवेन्द्र हितकारी ने कहा कि योगिराज श्रीकृष्ण के जीवन का लक्ष्य सज्जनों की रक्षा व दुष्टों का विनाश करना था।अपने इस कर्म के द्वारा श्रीकृष्ण ने धर्म की स्थापना की।हमें भी उनके बताये हुए मार्ग पर चलकर सदा धर्म पर आरूढ़ रहना चाहिये। विशेष आमंत्रित समाज सेवी प्रवीण आर्य ने श्रीकृष्ण जन्मोत्सव की सभी को बधाई दी।उन्होंने श्रीकृष्ण के आचरण को जीवन में उतारने की प्रेरणा दी और कहा कि हम बुद्धि व बल प्राप्त कर अपने राष्ट्र व मनुष्य जाति का कल्याण करें। श्रीकृष्ण जन्मोत्सव लोक गीत पर कु.भव्या कंसल व प्रज्ञा अग्रवाल का नृत्य आकर्षण का केन्द्र रहे जिसे दर्शकों ने ऑनलाइन खूब सराहा।

कार्यक्रम की अध्यक्षता श्रीमती वीना निश्चल ने कहा कि हम अपने बच्चों को राम और कृष्ण तो बनाना चाहते है पर वैसे संस्कार नहीं दे रहे फिर कैसे वैसी संतान की कल्पना करते हैं। इस अवसर पर मुख्य रूप से श्रीमती पूजा निश्चल,दीपा गर्ग, रीतू सिंघल व अनीता गोयल, कुमकुम गोयल, मीना बंसल, चित्रा श्रीवास्तव, प्रमिला सिंह, पुनीत कंसल, हिमांशु अग्रवाल आदि उपस्थित रहे।

अब एक घंटे में भरे जा सकेंगे तीन लाख रिटर्न

प्रयागराज। वस्तु एवं सेवाकर (जीएसटी) लागू होने के बाद रिटर्न दाखिल करने में पोर्टल की क्षमता बड़ी बाधा बनती थी। यही कारण रहा कि बहुत से व्यापारी समय से रिटर्न दाखिल करने से वंचित भी रह जाते थे। अब पोर्टल की क्षमता दोगुनी कर दी गई है। यानी एक घंटे में तीन लाख रिटर्न दाखिल हो सकेगा। पहले डेढ़ लाख रिटर्न भरने की ही थी क्षमता थी। अब इससे व्यापारियों को रिटर्न भरने में सहूलियत की उम्मीद है। देश भर में जीएसटी में पंजीकृत व्यापारियों की संख्या करीब 1.30 करोड़ है। प्रयागराज जोन में यह आंकड़ा लगभग 75 हजार है। यहां स्टेट जीएसटी में करीब 45 और सेंट्रल जीएसटी में 30 हजार व्यापारी पंजीकृत हैं।

इन तीन सरकारी बैंकों ने सस्ता किया कर्ज

नई दिल्ली। सार्वजनिक क्षेत्र के यूनियन बैंक ऑफ इंडिया ने विभिन्न अवधि के कर्ज पर कोष की सीमांत लागत आधारित ब्याज दर (MCLR) 0.15 फीसदी घटा दिया है।

ये नई दर 11 अगस्त से लागू होंगी।

यूनियन बैंक के मुताबिक उसने एक साल के एमसीएलआर को 7.40 प्रतिशत से घटाकर 7.25 प्रतिशत कर दिया है। एक दिन के कर्ज के लिये एमसीएलार 6.80 प्रतिशत होगी जबकि तीन महीने और छह महीने की अवधि के लिये यह क्रमश: 6.95 प्रतिशत और 7.10 प्रतिशत होगी।

जुलाई 2019 के बाद से मानक दर लगातार 14वीं बार घटायी गयी है।

ये बैंक भी घटा चुके हैं एमसीएलआर

इंडियन ओवरसीज बैंक

सार्वजनिक क्षेत्र के एक और बैंक आईओबी (इंडियन ओवरसीज बैंक) ने भी सभी अवधि के लिये एमसीएलआर 0.10 प्रतिशत कम कर दिया है। आईओबी ने पिछले सप्ताह शेयर बाजार को दी सूचना में कहा कि एक साल के लिये एमसीएलआर 7.75 प्रतिशत से कम कर 7.65 प्रतिशत किया गया है। नई दर सोमवार 10 अगस्त से प्रभाव में आ गयी हैं।

बैंक ऑफ महाराष्ट्र

सार्वजनिक क्षेत्र के बैंक ऑफ महाराष्ट्र (बीओएम) ने चुनिंदा परिपक्वता अवधि वाले ऋणों के लिए कोष की सीमान्त लागत आधारित ऋण दर (एमसीएलआर)में 0.20 फीसद तक की कटौती कर चुका है।

पुणे स्थित इस बैंक द्वारा एमसीएलआर में लगातार पांचवीं बार कटौती की है।

एक साल की एमसीएलआर को 0.10 फीसद घटाकर 7.50 से 7.40 फीसद किया गया है। एक दिन की एमसीएलआर को सात से घटाकर 6.80 फीसदी कर दिया है।

एमएसएमई के लिये जल्द बनाएगा 10000 करोड़ का निवेश कोष

नई दिल्ली। स्टेट बैंक ऑफ इंडिया (SBI) दबाव झेल रहे सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यमों (MSME) के लिए 10,000 करोड़ रुपये का निवेश कोष बनाएगा। एसबीआई के चेयरमैन रजनीश कुमार ने कहा कि दबाव झेल रही एमएसएमई यूनिट को 50,000 करोड़ रुपये की इक्विटी सपोर्ट के लिए आत्मनिर्भर भारत अभियान पैकेज के तहत 20.97 लाख करोड़ रुपये के फंड्स ऑफ फंड की घोषणा की गई थी। इस 10,000 करोड़ रुपये के फंड आफ फंड्स योजना का उद्देश्य वृद्धि के बेहतर संभावनाओं वाले एमएसएमई को मौजूदा कठिन समय में मदद उपलब्ध कराना है। ऐसे समय जब ये छोटी इकाइयां कम राजस्व और इक्विटी पूंजी की कमी से जूझ रहीं हैं।

एमएसएमई की मदद के लिये उठाये गये विभिन्न कदमों के बारे में बताते हुये रजनीश कुमार ने कहा कि कोविड-19 महामारी के कारण प्रभावित ऐसे व्यवसायों की नकदी की स्थिति में सुधार लाने के लिये बैंकों ने आपात कर्ज सुविधा की घोषणा की है।

मुश्किल में फंसे एमएसएमई के लिये एक अन्य उपाय सरकार की तरफ से दी गई गारंटी के साथ तरलता विस्तार के तौर पर अधीनस्थ कर्ज के जरिये समर्थन देने का किया गया है। फिक्की द्वारा आयोजित वर्चुअल कार्यक्रम में कुमार ने कहा कि फंड आफ फंड्स जल्द ही परिचालन में आ जायेगा। इस तरह के उपायों से वित्त के लिहाज से मदद की जा सकेगी। वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने मई में 21 लाख करोड़ रुपये के आत्मनिर्भर भारत पैकेज के तहत फंड आफ फंड्स की घोषणा की थी। इसके जरिये वहनीय और वृद्धि की संभावना वाले एमएसएमई की मदद की जा सकेगी। इक्विटी की भारी तंगी के बावजूद इस फंड के जरिये उन्हें मदद मिल सकेगी। सीतारमण ने कहा कि फंड आफ फंड्स योजना में एक मूल कोष होगा जिसके अधीन कुछ छोटे कोष होंगे। इन कोषों के जरिये एमएसएमई को उनके आकार और क्षमता को बढ़ाने के लिये मदद की जा सकेगी। इसके साथ ही एमएसएमई को शेयर बाजारों में सूचीबद्ध होने के लिये भी प्रोत्साहन दिया जायेगा। फंड आफ फंड्स योजना के तहत ऊंचे कर्ज का दबाव झेल रहे एमएसएमई की 15 प्रतिशत पूंजी की खरीद का प्रस्ताव है। इसके जरिये अपने शुरुआती दौर से गुजर रहे नवजात कारोबारों को मदद दी जायेगी जिनके लिये पेशेवर कंपनियों अथवा उद्यम पूंजी कोषों से पूंजी जुटाने की कोई संभावना नहीं है। रजनीश कुमार ने बैंकों के अन्य प्रयासों के बारे में बताया कि बैंक ने हाल ही में एमएसएमई के लिये एक गोल्ड लोन योजना की शुरुआत की है। एक महीने के भीतर ही इस योजना के तहत 88 करोड़ रुपये का रिण मंजूर किया गया है। उन्होंने कहा कि यह एक प्रकार से बेकार रखे गये सोने का व्यवसाय के लिये मौद्रीकरण करने के समान है। आपके आभूषण और सोने की सुरक्षा हम सुनिश्चित कर रहे हैं, आपको लॉकर के लिये भी भुगतान नहीं करना है।

सोने-चांदी की कीमतों में तेजी पर लगा ब्रेक, जानें कितना हुआ सस्ता

नई दिल्ली। पिछले कई दिनों से सोने के भाव में लगातार आ रही तेजी पर आज ब्रेक लग गया। वहीं चांदी के तेवर भी नरम हुए हैं। सोमवार को देश भर के सर्राफा बाजार में शुक्रवार के मुकाबले सोना और चांदी दोनों सस्ते हुए हैं। सर्राफा बाजार में 24 कैरेट सोने का हाजिर भाव आज 576 रुपये गिरकर 55550 रुपये प्रति 10 ग्राम पर खुला। वहीं चांदी का हाजिर भाव 418 रुपये प्रति किलो नीचे 74595 रुपये पर खुला। धातु 10 अगस्त का रेट (रुपये/10 ग्राम) 7 अगस्त का रेट (रुपये/10 ग्राम)

रेट में बदलाव (रुपये/10 ग्राम)

Gold 999 (24 कैरेट) 55550 56126 -576
Gold 995 (23 कैरेट) 55328 55901 -573
Gold 916 (22 कैरेट) 50884 51411 -527
Gold 750 (18 कैरेट) 41663 42095 -432
Gold 585 (14 कैरेट) 32497 32834 -337 Silver 999 74595 Rs/Kg 75013 Rs/Kg -418 Rs/Kg

बार-बार आने वाले भूकंपों से डरे लोग, बढ़ी हाउस इंश्योरेंस की मांग

नई दिल्ली। दिल्ली-एनसीआर क्षेत्र में बार-बार आने वाले कम तीव्रता के भूकंपों ने यहां के लोगों का ध्यान हाउस इंश्योरेंस की ओर खींचा है। ऑनलाइन इंश्योरेंस बेचने वाली कंपनी पॉलिसीबाजार डॉट कॉम ने अपने एक सर्वेक्षण में कहा कि जुलाई महीने में हाउसिंग इंश्योरेंस लेने वाले लोगों की संख्या में बढ़ोतरी हुई है।

कंपनी ने कहा कि उसने 17 से 21 जुलाई के बीच उसके मोबाइल ऐप पर आए 11,000 से अधिक बीमा ग्राहकों के बीच सर्वेक्षण किया गया। इस सर्वेक्षण का मुख्य लक्ष्य आवास बीमा को लेकर लोगों की धारणा और उसकी समझ के बारे में जानना था।

इस ऑनलाइन सर्वेक्षण में शामिल दिल्ली-एनसीआर के दस में से पांच लोगों ने कहा कि बार-बार आने वाले भूकंपों ने उन्हें आवास-बीमा खरीदने को लेकर सजग किया है। पॉलिसी बाजार डॉट कॉम ने कहा कि यह पहले से ही अनिश्चित समय है।

ऐसे में दिल्ली और पूरे भारत में आने वाले भूकंपों को लेकर रहवासियों की बेचैनी बढ़ी है।

इनमें से करीब 42 प्रतिशत लोग निकट भविष्य में आवास बीमा खरीदने पर विचार कर रहे हैं।

देशभर से सर्वेक्षण में शामिल हर पांचवे शख्स ने माना कि उसके पास आवास बीमा है। जबकि दिल्ली-एनसीआर में 35 प्रतिशत लोगों ने आवास बीमा होने की बात कही। सर्वेक्षण में एक और बात सामने आयी कि अधिकतर लोगों के लिए आवास बीमा प्राथमिक बीमा उत्पाद नहीं है। देशभर में जहां 73 प्रतिशत लोगों ने अब तक आवास बीमा खरीदने पर विचार नहीं करने की बात कही, वहीं दिल्ली-एनसीआर में यह आंकड़ा 57 प्रतिशत रहा।

एलआईसी की बंद हो चुकी पॉलिसी शुरू करने के लिए आज से विशेष अभियान

नई दिल्ली, एजेंसी। भारतीय जीवन बीमा निगम (एलआईसी) ने कहा है कि मौजूदा कठिन समय में जोखिम आवरण को जारी रखने को प्रोत्साहित करने के लिए वह अपने पॉलिसीधारकों को बंद हो चुकी पॉलिसी को दोबारा शुरू करने का अवसर देगी। बीमा कंपनी ने 10 अगस्ते से नौ अक्तूबर तक विशेष रिवाइवल अभियान शुरू करने का फैसला किया है, जिसके तहत एलआईसी की बंद हो चुकी व्यक्तिगत पॉलिसी फिर से शुरू की जा सकेगी। एलआईसी ने एक बयान में कहा कि विशेष रिवाइवल अभियान के तहत कुछ खास योजनाओं की पॉलिसी को दोबारा शुरू किया जा सकता हैं।

पीयूष गोयल ने कहा- इस साल 'भुगतान संतुलन' मजबूत स्थिति में रहने की उम्मीद

एजेंसी, नई दिल्ली। इस साल निर्यात में उल्लेखनीय सुधार आने और आयात में गिरावट के चलते देश के 'भुगतान संतुलन' की स्थिति काफी मजबूत रहने की उम्मीद है। वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने कहा कि अर्थव्यवस्था में बेहतर संकेत दिख रहे हैं और निर्यात में काफी सुधार आया है।

निर्यात में हुआ सुधार

वाणिज्य एवं उद्योग मंडल फिक्की के वेबिनार को संबोधित करते हुये गोयल ने कहा कि जुलाई माह में हम पिछले साल जुलाई के 91 प्रतिशत निर्यात स्तर को हासिल कर चुके हैं। वहीं आयात जुलाई 2019 के स्तर का 70 से 71 प्रतिशत के बीच ही है। इस स्थिति में इस साल हमारी भुगतान संतुलन की स्थिति काफी मजबूत रहने वाली है। इस स्थिति को देखते हुये हम आश्वस्त हैं कि भारतीय उद्योग अपने लिये अवसर देखेगा और वृद्धि के अवसर तलाशेगा।

आयात में आई गिरावट

देश के निर्यात में जून 2020 में लगातार चौथे माह गिरावट दर्ज की गई। इस दौरान पेट्रोलियम और कपड़ों के निर्यात में काफी गिरावट दर्ज की गई लेकिन इस दौरान आयात में भी 47.59 प्रतिशत की भारी गिरावट आने के साथ ही पिछले 18 साल में पहली बार देश का व्यापार अधिशेष की स्थिति में पहुंच गया। जून 2020 में देश का व्यापार अधिशेष 0.79 अरब डालर रहा।

ग्रेच्युटी के लिए नहीं करना होगा 5 साल का इंतजार

opensearch

नई दिल्ली। सरकारी और प्राइवेट सेक्टर के कर्मचारियों को सरकार ग्रेच्युटी में राहत दे सकती है। अभी तक कर्मचारियों को कंपनी में पांच साल पूरे करने के बाद ही ग्रेच्युटी मिलती है लेकिन सरकार इस न्यूनतम योग्यता को कम करने पर विचार कर रही है। नौकरी की सुरक्षा में गिरावट, रोजगार के बढ़ते अनुबंधों और कर्मचारियों के हित को ध्यान में रखते हुए संसदीय स्थायी समिति (श्रम) ग्रेच्युटी की पात्रता एक से तीन साल करने की सलाह दे रही है।

3 साल के बाद मिल सकती है ग्रेच्युटी

कोविड-19 के बाद ग्रेच्युटी की समयसीमा कम करने की मांग ज्यादा उठने लगी है। एक अधिकारी ने कहा कि दो विकल्प है, अनुपात आधारित कुछ सेक्टर में बदलाव किये जाएं या पांच साल की समयसीमा सभी सेक्टर्स के लिए खत्म की जाए। सभी दूसरे विकल्प की मांग कर रहे हैं। स्थायी समिति ने एक से 3 साल करने की सलाह दी है, जो अभी पांच साल है।

योजना पर किया जा रहा है विचार

सरकारी अधिकारी ने नाम न बताने की शर्त पर बताया कि ग्रेच्युटी की समयसीमा कम करने की मांग काफी समय से की जा रही है। अब इस योजना को आगे कैसे लेकर जाना है और पांच साल की समयसीमा को कितना कम किया जा सकता है, इस पर विचार किया जा रहा है।

5 साल की सीमा हो गई है पुरानी

लेबर मार्केट एक्सपर्ट ने कहा कि ग्रेच्युटी के लिए पांच साल की सीमा पुरानी है और अब ये कर्मचारियों के हित में काम नहीं करती।

ट्रेड यूनियनों का दावा है कि कई फर्म लागत को बचाने के लिए कर्मचारियों को पांच साल से पहले ही हटा देती है। ताकि, उनकी ग्रेच्युटी की कॉस्ट बच जाए। जीनियस कंसल्टिंग के मुख्य कार्यकारी आर पी यादव ने कहा कि ग्रेच्युटी के लिए पांच साक्ल की समयसीमा लंबे समय तक काम करने के कल्चर को बढ़ावा देने के लिए शुरू की गई थी। उन्होंने कहा कि अब 2-3 साल की ग्रेच्युटी की समयसीमा एक बेहतर विकल्प होगा।

ऐसे कैलकुलेट होती है ग्रेच्युटी

कर्मचारियों को ग्रेच्युटी का भुगतान प्रत्येक वर्ष के वेतन के 15 दिनों के बराबर होता है। ये उसे संगठन में बिताए गए सालों की संख्या के आधार पर दिया जाता है।

सामाजिक सुरक्षा कोड में दी सलाह

श्रम मंत्रालय के अधिकारी ने कहा उन्हें इस बातचीत की आधिकारिक जानकारी नहीं है।

स्थायी समिति ने अपनी रिपोर्ट में सामाजिक सुरक्षा कोड में सलाह दी है कि ग्रेच्युटी पर कार्यबल के सभी वर्गों पर ग्रेच्युटी का विस्तार हो।

एनबीएफसी व एचएफसी कंपनियों को 6,400 करोड़ किए आवंटित

अर्थव्यवस्था को कोरोना के असर से उबारने के लिए हाल ही में संकटों से घिरा हुआ पेश किया गया था

नई दिल्ली । वित्त मंत्रालय ने कहा कि वित्तीय संकट से जूझ रही गैर बैंकिंग वित्तीय कंपनियों (एनबीएफसी) और आवास वित्त कंपनियों (एचएफसी) के लिए विशेष तरलता योजना के तहत 6,399 करोड़ रुपए के 15 प्रस्तावों को मंजूरी दी गई है।

अर्थव्यवस्था को कोरोना के असर से उबारने के लिए हाल ही में घोषित 20.97 लाख करोड़ रुपए के आत्मनिर्भर भारत पैकेज में ही वित्तीय संकटों में घिरे एनबीएफसी व एचएफसी के लिये विशेष तरलता योजना को भी पेश किया गया था। यह योजना एक जुलाई से शुरू हुई है। इसके तहत एनबीएफसी और एचएफसी के तरलता के अल्पकालिक संकट को दूर करने के लिये ऋणपत्रों की प्राथमिक व माध्यमिक बाजार दोनों से खरीद करने की मंजूरी है। वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने एक ट्वीट में कहा कि एनबीएफसी और एचएफसी के लिए तरलता की स्थिति में सुधार करने के उद्देश्य से आत्मनिर्भर भारत राहत पैकेज के एक हिस्से के रूप में 30 हजार करोड़ रुपये की विशेष तरलता योजना की घोषणा की गयी थी। उन्होंने योजना के क्रियान्वयन की स्थिति की जानकारी देते हुए कहा कि सात अगस्त तक 6,399 करोड़ रुपये की कुल स्वीकृत राशि के साथ 15 प्रस्तावों को मंजूरी दे दी गयी है। इनके अलावा 11,037 करोड़ रुपये के वित्तपोषण के लिए 37 अन्य आवेदन विचाराधीन हैं। आईएलएंडएफएस समूह की कंपनियों द्वारा सितंबर 2018 में भुगतान में चूक (डिफॉल्ट) करने के बाद एनबीएफसी और एचएफसी के समक्ष वित्तीय संकट खड़ा हो गया था। इसके बाद कोरोना महामारी ने इनकी चुनौतियों को और बढ़ा दिया। विशेष तरलता योजना के लिये भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) एसबीआई कैपिटल मार्केट्स लिमिटेड द्वारा गठित एक न्यास एसएलएस ट्रस्ट द्वारा जारी सरकारी गारंटी वाली विशेष प्रतिभूतियों को खरीद कर धन उपलब्ध करा रहा है। योजना का क्रियान्वयन भी एसएलएस ट्रस्ट के द्वारा किया जा रहा है। यह योजना तीन महीने के लिए खुली है।

उद्योग जगत बोला, देश को आत्मनिर्भर बनने की दिशा में लीक से हटकर एक बड़ा कदम

रक्षा उत्पादों के आयात पर रोक से उद्योग जगत गदगद

नई दिल्ली। भारतीय उद्योग जगत ने 101 प्रकार के हथियार और रक्षा प्रणालियों/मंचों के आयात पर रोक लगाने और रक्षा-उत्पादन क्षेत्र में अन्य सुधारों के केंद्र सरकार के निर्णय की रविवार को सराहना की। उद्योग जगत ने इन्हें देश को आत्मनिर्भर बनने की दिशा में लीक से हट कर एक बड़ा कदम करार दिया और कहा कि इससे स्वदेशी रक्षा विनिर्माण में तेजी आएगी।

भारतीय उद्योग परिसंघ (सीआईआई) के महानिदेशक चंद्रजीत बनर्जी ने इन सुधारों का स्वागत करते हुए कहा कि रक्षा प्रणालियों व उपकरणों के आयात को रोकने के लिये रक्षा मंत्री के द्वारा घोषित सूची आत्मनिर्भर भारत के लिए नए मार्ग का सृजन करेगी। उन्होंने कहा, घरेलू पूंजीगत खरीद के लिए 52 हजार करोड़ रुपये की घोषणा के साथ ही आयात रोक के लिये 101 वस्तुओं की सूची से आत्मनिर्भर भारत और स्वदेशी रक्षा विनिर्माण को बढ़ावा मिला है।

सीआईआई ने कहा कि आज का दिन रक्षा और एयरोस्पेस में भारतीय उद्योग के लिये एक ऐतिहासिक दिन है। रक्षा मंत्री को हम यह आश्वासन दे सकते हैं कि इससे भारतीय रक्षा और एयरोस्पेस उद्योग ऊपर उठेगा और चुनौती को पूरा करेगा।

फिक्की की रक्षा समिति के अध्यक्ष एसपी शुक्ला ने कहा कि यह कदम आत्मनिर्भर भारत के निर्माण की दिशा में एक बड़ी छलांग है। शुक्ला ने ट्वीट किया,फिक्की आयात पर प्रतिबंध लगाने के लिये 101 प्रकार के साजो सामान की सूची की घोषणा की सराहना करता है। यह रक्षा उत्पादन में आत्मनिर्भ भारत के लिये एक बड़ी छलांग है।

उन्होंने एक अन्य ट्वीट में कहा कि घरेलू पूंजीगत खरीद के लिए 52 हजार करोड़ रुपये का प्रावधान एक शानदार कदम है। यह रक्षा खरीद के ममाले में एक लंबी अवधि की राह स्पष्ट किए जाने के फिक्की की रक्षा समिति के अनुरोध को पूरा करता है। उद्योग अब अपने पूंजीगत व्यय और उत्पादन क्षमता की योजना बना सकता है।

पीएम किसान सम्मान निधि की किस्त अगर नहीं पहुंची खाते में तो ये है वजह

नई दिल्ली। 'पीएम-किसान योजना के तहत अगस्त-नवम्बर 2020 अवधि की 2000 की सम्मान राशि सीधे आपके बैंक खाते में भेज दी गई है। आशा करता हूं हर चार महीने पर मिलने वाली इस राशि से आपको खेती की जरूरतों में मदद मिलेगी। भगवान बलराम जयंती की शुभकामनाओं सहित।' एसएमएस के जरिए यह संदेश हर उस किसान के मोबाइल पर आज आया है, जिसके खाते में रविवार को 2000 की किस्त पहुंची है, लेकिन बहुत से ऐसे किसान हैं, जिनके खाते में ये रकम नहीं पहुंच पाई है। इसकी सबसे बड़ी वजह है कुछ छोटी-मोटी गलतियां। जैसे किसी का आवेदन में लिखा गया नाम आधार से मिसमैच है तो किसी का बैंक अकाउंट से। किसी ने आधार नंबर सही नहीं डाला है तो किसी ने बैंक का आईएफएससी कोड। पीएम किसान पोर्टल पर उपलब्ध आंकड़ों के मुताबिक उत्तर प्रदेश के 73 फीसद, हरियाणा के 85 फीसद, राजस्थान के 82 फीसद, मध्य प्रदेश के केवल 10 फीसद, बिहार के 97 फीसद, गुजरात के 92 फीसद, महाराष्ट्र के 82 फीसद, तेलंगाना के 91 फीसद, उत्तराखंड के 90 फीसद किसानों के खातों में छठी किस्त के रूप में 2000 रुपये पहुंच चुके हैं। इन मामूली गलतियों की वजह से करीब लाखों किसानों के खाते में पीएम किसान सम्मान निधि किस्त नहीं पहुंच पा रही है। आइए जानें कैसे करें इन गलतियों को ठीक...

PM-Kisan Scheme की ऑफिशियल वेबसाइट (httpsÑ// pmkisan.gov.in/) पर जाएं। इसके फार्मर कॉर्नर के अंदर जाकर Edit Aadhaar Details ऑप्शन पर क्लिक करें। आप यहां पर अपना आधार नंबर दर्ज करें। इसके बाद एक कैप्चा कोड डालकर सबमिट करें। कोई और गलती है तो इसे आप अपने लेखपाल और कृषि विभाग कार्यालय में संपर्क करें इसके बाद भी न मिले पैसा तो क्या करें अगर आवेदन करने के बाद भी पैसा न मिले तो केंद्रीय कृषि मंत्रालय की ओर से जारी हेल्पलाइन (PM-Kisan Helpline 155261 या 1800115526 (Toll Free) पर संपर्क करें। वहां से भी बात न बने तो मंत्रालय के दूसरे नंबर (011-23381092) पर भी बात कर सकते हैं। बता दें पीएम नरेंद्र मोदी ने रविवार को 8.5 करोड़ किसानों के खातों में प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि (पीएम किसान) योजना के तहत 2000 रुपये की छठी किस्त जारी की। 8.55 करोड़ किसानों के खातों में 17 हजार करोड़ रुपये ट्रांसफर किए गए। इसके साथ ही पीएम मोदी ने 1 लाख करोड़ रुपये की वित्त पोषण सुविधा का शुभारंभ किया।

भगवान श्रीकृष्ण को सोलह कलाओं का अवतार माना जाता है। सच में कृष्ण ने समाज के छोटे से छोटे व्यक्ति का सम्मान बढ़ाया, जो जिस भाव से सहायता की कामना लेकर कृष्ण के पास आया, उन्होंने उसी रूप में उसकी इच्छा पूरी की। अपने कार्यों से उन्होंने लोगों का इतना विश्वास जीत लिया कि आज भी लोग उन्हें 'भगवान श्रीकृष्ण' के रूप में ही मानते और पूजते हैं।

कृष्ण पूर्णतया निर्विकारी हैं। तभी तो उनके अंगों के साथ भी लोग 'कमल' शब्द जोड़ते हैं, जैसे- कमलनयन, कमलमुख, करकमल आदि। उनका स्वरूप चैतन्य है। कृष्ण ने तो द्रोपदी का चीर बढ़ाकर उसे अपमानित होने से बचाया था। श्रीकृष्ण जन्माष्टमी का दिन बड़ा ही पवित्र है। जैनियों के भावी तीर्थंकर और वैदिक परंपरा के नारायण श्रीकृष्ण के अवतरण का दिन है।

सोलह कलाओं के अवतार हैं

श्रीकृष्ण

कृष्ण पूर्णतया निर्विकारी हैं। तभी तो उनके अंगों के साथ भी लोग 'कमल' शब्द जोड़ते हैं, जैसे- कमलनयन, कमलमुख, करकमल आदि। उनका स्वरूप चैतन्य है। कृष्ण ने तो द्रोपदी का चीर बढ़ाकर उसे अपमानित होने से बचाया था। श्रीकृष्ण जन्माष्टमी का दिन बड़ा ही पवित्र है। जैनियों के भावी तीर्थंकर और वैदिक परंपरा के नारायण श्रीकृष्ण के अवतरण का दिन है।

भगवान श्रीकृष्ण को सोलह कलाओं का अवतार माना जाता है। सच में कृष्ण ने समाज के छोटे से छोटे व्यक्ति का सम्मान बढ़ाया, जो जिस भाव से सहायता की कामना लेकर कृष्ण के पास आया, उन्होंने उसी रूप में उसकी इच्छा पूरी की। अपने कार्यों से उन्होंने लोगों का इतना विश्वास जीत लिया कि आज भी लोग उन्हें 'भगवान श्रीकृष्ण' के रूप में ही मानते और पूजते हैं।

कर्मयोग का पाठ पढ़ाया। उन्होंने प्राणीमात्र को यह संदेश दिया कि केवल कर्म करना आदमी का अधिकार है। फल की इच्छा रखना उसका अधिकार नहीं। इंसान सुख और दुख दोनों में भगवान का स्मरण करता है। श्रीकृष्ण का जीवन भी उतार-चढ़ाव से भरा रहा है। उनके जीवन को हम तीन भागों में विभक्त करें तो वे जेल में पैदा हुए, महल में जिए और जंगल से विदा हुए। जेल में पैदा होना बुरी बात नहीं है, जेल में जीना और मरना अपराध हुआ करता है। आदमी जन्म से नहीं कर्म से महान बनता है। भगवान श्रीकृष्ण, मर्यादा पुरुषोत्तम राम और भगवान महावीर आदि महापुरुषों ने हमें जीवन जीने की सीख दी है। राम, कृष्ण एवं महावीर का जीवन अलग-अलग मर्यादाओं और संदेशों पर आधारित है। राम ने जीवन भर मर्यादाएं नहीं तोड़ीं, वे देव बनकर जिए। श्रीकृष्ण वाकपुटता में जीवन जीते रहे। मर्यादाओं से नीरस हुए जीवन को कृष्ण ने रस और आनंद से भर दिया, लेकिन महावीर ने परम विश्राम और समाधि का सूत्र दिया। उन्होंने मौन साधना सिखाई। मित्रता सीखनी हो तो कृष्ण से सीखो वे सबको अपने समान चाहते थे। उनकी दृष्टि में अमीर-गरीब का कोई भेद नहीं था। अतः हमें भी कृष्ण की इसी सीख को अपने जीवन में अपनाना चाहिए।

व्रत-पूजन कैसे करें

उपवास की पूर्व रात्रि को हल्का भोजन करें और ब्रह्मचर्य का पालन करें।

उपवास के दिन प्रातःकाल स्नानादि नित्य कर्मों से निवृत्त हो जाएं।

तत्पश्चात सूर्य, सोम, यम, काल, संधि, भूत, पवन, दिक्पति, भूमि, आकाश, खेचर, अमर और ब्रह्मादि को नमस्कार कर पूर्व या उत्तर मुख बैठें।

इसके बाद जल, फल, कुश और गंध लेकर संकल्प करें

ममखिलपापप्रशमनपूर्वक सर्वाभीष्ट सिद्धये श्रीकृष्ण जन्माष्टमी व्रतमहं करिष्ये॥

अब मध्याह्न के समय काले तिलों के जल से स्नान कर देवकीजी के लिए सूतिकागृह नियत करें।

तत्पश्चात भगवान श्रीकृष्ण की मूर्ति या चित्र स्थापित करें।

मूर्ति में बालक श्रीकृष्ण को स्तनपान कराती हुई देवकी हों और लक्ष्मीजी उनके चरण स्पर्श किए हों अथवा ऐसे भाव हो।

इसके बाद विधि-विधान से पूजन करें

पूजन में देवकी, वसुदेव, बलदेव, नंद, यशोदा और लक्ष्मी इन सबका नाम क्रमशः निर्दिष्ट करना चाहिए।

फिर इस मंत्र से पुष्पांजलि अर्पण करें-

प्रणमे देव जननी त्वया जातस्तु वामनः।
वसुदेवात तथा कृष्णो नमस्तुभ्यं नमो नमः।
सुपुत्रार्घ्यं प्रदत्तं में गृहाणेमं नमोऽस्तुते।
अंत में प्रसाद वितरण कर भजन-कीर्तन करते हुए रतजगा करें।

श्रीकृष्ण बना रहे

मालामाल

जन्माष्टमी पर इन्हीं पोशाकों को धारण कर ठाकुरजी अपने अनन्य भक्तों को दर्शन देकर निहाल करेंगे। ब्रज के लाला के जन्मोत्सव की तैयारियां हिंदू ही नहीं, यहां का मुस्लिम समाज भी कर रहा है। ठाकुरजी को पहनाई जाने वाली पोशाकें और मुकुट शृंगार को तैयार करने में मुस्लिम समाज के कारीगर दिन रात एक करने लगे हैं।

opensearch

भगवान श्रीकृष्ण दीन दयाल कहलाते हैं। जो भी इनकी शरण में आ जाता है, उसे धनवान बना देते हैं। श्रीकृष्ण की कृपा से हिंदू हमेशा से धनवान होते रहे हैं, लेकिन श्रीकृष्ण की लीलास्थली में मुसलमान भी श्रीकृष्ण की कृपा से निहाल हो रहे हैं और श्रीकृष्ण उन्हें मालामाल बना रहे हैं।

ऐसे कृपा बरस रही है कृष्ण की

वृंदावन के मुसलमानों को श्रीकृष्ण इसलिए मालामाल बन रहे हैं कि यहां के मुसलमान हिंदुओं की आस्था के केंद्र ठाकुर जी के लिए पूरी निष्ठा के साथ एक से बढ़कर एक शानदार पोशाकें, मुकुट शृंगार तैयार कर रहे हैं।

जन्माष्टमी पर इन्हीं पोशाकों को धारण कर ठाकुरजी अपने अनन्य भक्तों को दर्शन देकर निहाल करेंगे। ब्रज के लाला के जन्मोत्सव की तैयारियां हिंदू ही नहीं, यहां का मुस्लिम समाज भी कर रहा है। ठाकुरजी को पहनाई जाने वाली पोशाकें और मुकुट शृंगार को तैयार करने में मुस्लिम समाज के कारीगर दिन रात एक करने लगे हैं। कई परिवार वर्षों से ठाकुरजी की पोशाक और मुकुट शृंगार को मूर्त रूप प्रदान करते आए हैं। यह हमारी जीविका का साधन भी है। सैकड़ों मुस्लिम परिवारों का पालन ठाकुरजी की पोशाक और शृंगार के निर्माण से चल रहा है।

विदेशों में भी इनके कपड़े पहनते हैं श्रीकृष्ण

वृंदावन के मुस्लिम समाज द्वारा बनाई गई पोशाक गुजरात के अहमदाबाद स्थित अक्षरधाम के राधा-कृष्ण के श्री विग्रह और दिल्ली एवं पंजाबी बाग के इस्कान मंदिर के श्री विग्रह धारण करेंगे। वृंदावन में बनाई जाने वाली पोशाकों की मांग इंग्लैंड, दक्षिण अफ्रीका, अमेरिका, कनाडा, आस्ट्रेलिया के भारतीय मूल के लोगों के अलावा विदेशी भी अधिक पसंद करते हैं। वे वृंदावन से खरीदकर अपने अपने देश ले जाते हैं।

राधा और कृष्ण का आपस में

कैसा नाता

भगवान श्रीकृष्ण और राधा रानी के बारे में यह माना जाता है कि इन दोनों के बीच प्रेम संबंध था, जबकि असलियत यह है कि कृष्ण और राधा के बीच प्रेम से बढ़कर भी एक नाता था। यह नाता है पति-पत्नी का, लेकिन इस रिश्ते के बारे में सिफ्र तीन लोगों को पता था- एक तो कृष्ण, दूसरी राधा रानी और तीसरे ब्रह्मा जी, जिन्होंने कृष्ण और राधा का विवाह करवाया था, लेकिन इन तीनों में आपके कोई भी इस बात की गवाही देने नहीं आएगा, लेकिन जिस स्थान पर इन दोनों का विवाह हुआ था, वहां के वृक्ष आज भी राधा-कृष्ण के प्रेम और मिलन की गवाही देते हैं।

तब राधा-कृष्ण का विवाह संपन्न हुआ

गर्ग संहिता के अनुसार, मथुरा के पास स्थित भांडीर वन में भगवान श्रीकृष्ण और देवी राधा का विवाह हुआ था। इस संदर्भ में कथा है कि एक बार नंदराय जी बालक श्रीकृष्ण को लेकर भांडीर वन से गुजर रहे थे। उसी समय अचानक देवी राधा प्रकट हुई। देवी राधा के दर्शन पाकर नंदराय जी ने श्रीकृष्ण को राधा जी की गोद में दे दिया। श्रीकृष्ण बाल रूप त्याग कर किशोर बन गए। तभी ब्रह्मा जी भी वहां उपस्थित हुए। ब्रह्मा जी ने कृष्ण का विवाह राधा से करवा दिया। कुछ समय तक कृष्ण राधा के संग इसी वन में रहे। फिर देवी राधा ने कृष्ण को उनके बाल रूप में नंदराय जी को सौंप दिया।

राधा जी की मांग में सिंदूर

भांडीर वन में राधाजी और भगवान श्रीकृष्ण का मंदिर बना हुआ है। इस मंदिर में स्थित विग्रह अपने आप अनोखा है, क्योंकि यह अकेला ऐसा विग्रह है, जिसमें श्रीकृष्ण भगवान राधाजी की मांग में सिंदूर भरते हुए दृश्य हैं।

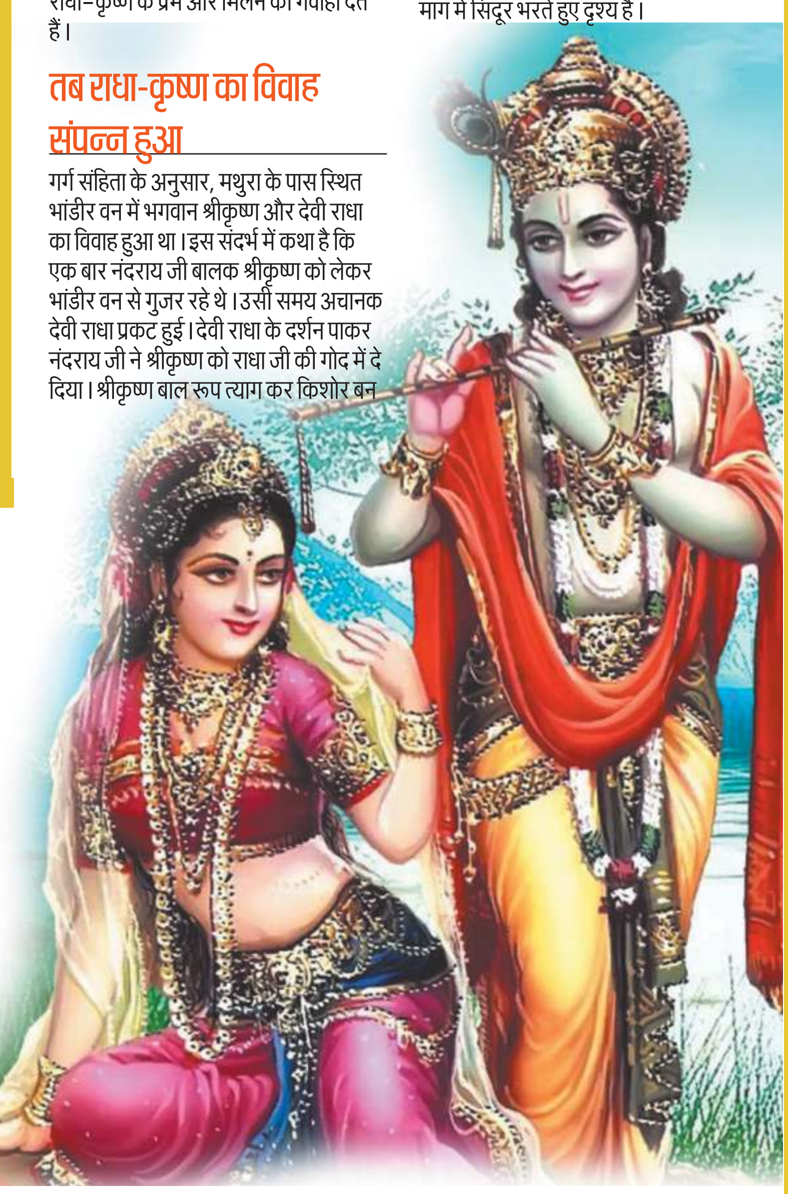

भगवान श्रीकृष्ण के उपदेश

गीता के माध्यम से भगवान श्रीकृष्ण ने अर्जुन को अनासक्त कर्म यानी 'फल की इच्छा किए बिना कर्म' करने की प्रेरणा दी। इसका प्रमाण उन्होंने अपने निजी जीवन में भी प्रस्तुत किया। मथुरा विजय के बाद भी उन्होंने वहां शासन नहीं किया।

कला से प्रेम करो : संगीत और कलाओं का हमारे जीवन में विशिष्ट स्थान है। भगवान ने मोरपंख और बांसुरी धारण करके कला, संस्कृति एवं पर्यावरण के प्रति अपने लगाव को दर्शाया। इनके जरिए उन्होंने संदेश दिया कि जीवन को सुंदर बनाने में संगीत और कला का भी महत्वपूर्ण योगदान है।

निर्बल का साथ दो : कमजोर एवं निर्बल का सहारा बनो। निर्धन बाल सखा सुदामा हो या षड्यंत्र का शिकार पांडव, श्रीकृष्ण ने सदा निर्बलों का साथ दिया और उन्हें मुसीबत से उबारा।

अन्याय का प्रतिकार करो : अन्याय का सदा विरोध होना चाहिए। श्रीकृष्ण की शांतिप्रियता कायर की नहीं, बल्कि एक वीर की थी। उन्होंने अन्याय कभी स्वीकार नहीं किया। शांतिप्रिय होने के बावजूद शत्रु अगर गलत है तो उसके शमन में पीछे नहीं हटें।

मातृशक्ति के प्रति आदर भाव रखें : महिलाओं के प्रति सम्मान और उन्हें साथ लेकर चलने का भाव हो। भगवान कृष्ण की रासलीला दरअसल मातृशक्ति को अन्याय के प्रति जागृत करने का प्रयास था और इसमें राधा उनकी संदेशवाहक बनीं।

अपने अहंकार को छोड़ो : व्यक्तिगत जीवन में हमेशा सहज एवं सरल बने रहो। जिस तरह शक्ति संपन्न होने पर भी श्रीकृष्ण को न तो युधिष्ठिर का दूत बनने में संकोच हुआ और न ही अर्जुन का सारथी बनने में। एक बार तो दुर्योधन के छप्पन व्यंजन को छोड़कर विदुरानी (विदुर की पत्नी) के घर उन्होंने सादा भोजन करना पसंद किया।

जीवन में उदारता रखें : उदारता व्यक्तित्व को संपूर्ण बनाती है। श्रीकृष्ण ने जहां तक हो सका मित्रता, सहयोग सामंजस्य आदि के बल पर ही परिस्थितियों को सुधारने का प्रयास किया, लेकिन जहां जरूरत पड़ी, वहां सुदर्शन चक्र उठाने में भी उन्होंने संकोच नहीं किया। वहीं अपने निर्धन सखा सुदामा का अंत तक साथ निभाया और उनके चरण तक पखारें।

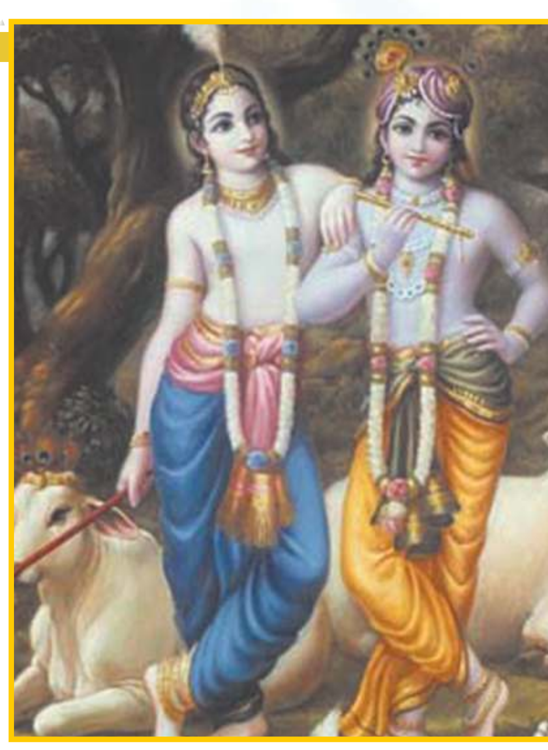

स्वामी, प्रकाशक, मुद्रक व सम्पादक विजय कुमार द्वारा आदित्य ग्राफिक्स, प्रताप भवन 5, बहादुर शाह जफर मार्ग, आई.टी.ओ. नई दिल्ली-110002 से मुद्रित कराकर 1536/108 गणेशपुरा रोड, त्रीनगर दिल्ली-110035 से प्रकाशित। सम्पादक : विजय कुमार RNI No. : DELHIN/2015/66886
अखबार में प्रकाशित तथ्यों एवं लेखों से सम्पादक का सहमत होना अनिवार्य नहीं, किसी भी कानूनी वाद विवाद का निपटारा दिल्ली न्यायालय के अधीन होगा।
मोबाइल : 9210092542 फोन :- 011-27380260 E-mail : opensearchdelhi@gmail.com